राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 राहुल गांधी पर फडणवीस का हमला, छात्रों के भविष्य....

श्रीलंका दौरे के लिए पंत के चयन से हैरान हूं.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 98 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C
न्यूनतम तापमान 29.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,43,480

चांदी 2,35,000

सेंसेक्स 77,928.15

निफ्टी 24,317.15

बस्तर के मांझी-चालकी बने खास मेहमान, राष्ट्रपति ने खुद परोसा भोजन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से आए 209 सदस्यीय जनजातीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, मांझी-चालकी तथा अन्य जनजातीय प्रतिनिधियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं अतिथियों को भोजन परोसा और भविष्य में बस्तर दशहरा तथा बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राष्ट्रपति भवन पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागी, परगना मांझी, मांझी, चालकी, पद्मश्री सम्मानित विभूतियां, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। राष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं, पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था और बस्तर पंडुम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है, जिसने बस्तर की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा देंगे मुर्मु ने कहा कि सरकार के प्रयासों और स्थानीय जनभागीदारी के कारण बस्तर शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शिक्षा, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने मांझी और चालकी की भूमिका को समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु बताया। मुख्यमंत्री साय के आग्रह पर राष्ट्रपति ने भविष्य में बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय को विशेष रूप से स्पर्श करता है। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की काष्ठ निर्मित प्रतिमा और बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बस्तर से आत्मीय जुड़ाव रहा है।

1 अगस्त से शुरू होगा दिल्ली लक्ष्मी योजना का पंजीकरण

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मिलेगा नया बल

- दिल्ली लक्ष्मी योजना: 1 अगस्त से रजिस्ट्रेशन, हर बेटी-बहन के सशक्त भविष्य की ओर बड़ा कदम
- नारी सम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल, 1 अगस्त से शुरू होगा दिल्ली लक्ष्मी योजना का पंजीकरण
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए दिल्ली सरकार की नई पहल, 1 अगस्त से आवेदन शुरू

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 अगस्त से शुरू करने की घोषणा की है। इस अवसर पर सरकार ने जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिकों का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करता है। सरकार ने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके सम्मान को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल है। सरकार ने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से हर बेटी, हर बहन और हर परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि नारी सशक्तिकरण का अभियान पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ आगे बढ़ता रहेगा।

राज्यसभा में हंगामे पर बोले जेपी नड्डा- हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच गतिरोध अभी भी बरकरार है। गुरुवार को राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। कांग्रेस व अन्य कई विपक्षी दलों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। इस पर राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्र शुरू होने के बाद से विपक्ष का उद्देश्य केवल सदन की कार्यवाही बाधित करना रहा है। विपक्ष का पूरा ध्यान सदन को सुचारु रूप से नहीं चलने देने पर केंद्रित रहा है। गुरुवार को राज्यसभा में बोलते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह मुद्दा विहीन हो चुका है। विपक्ष की आदत लगातार गोलपोस्ट बदलने की हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए हमेशा तैयार रही है। यह केवल मौजूदा सत्र की बात नहीं है, बल्कि पिछले सभी सत्रों में भी सरकार ने हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तत्परता दिखाई है। उन्होंने कहा कि जब-जब किसी विषय पर चर्चा हुई है, विपक्ष को करारा जवाब मिला है, क्योंकि उसके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। विपक्ष पूरी तरह मुद्दा विहीन है। पिछले सभी सत्रों में सरकार हमेशा हर मामले पर चर्चा के लिए तैयार रही है और जब भी चर्चा हुई है, उस पर विपक्ष को मुंह की खानी पड़ी है और मुंहतोड़ जवाब मिला है, क्योंकि उनके पास कोई असली मुद्दा नहीं होता है। जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष ने स्वयं चर्चा की मांग की थी और उसी के अनुरूप केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह गुरुवार दोपहर 2 बजे राज्यसभा में संबंधित विधेयक पेश कर उस पर चर्चा शुरू करने वाले है। इसके बावजूद विपक्ष ने फिर अपना रुख बदल लिया और कार्यवाही में बाधा डालने का प्रयास किया। नेता सदन ने विपक्ष के रवैये की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि संसद के माध्यम से देश को यह संदेश जाना चाहिए कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है, जबकि विपक्ष गैरजिम्मेदाराना व्यवहार कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद सफेद हुईं आंखें, ऑपरेशन थिएटर सील

रोशनी जाने का खतरा गंभीर हालत में 5 मरीज जयपुर और 2 अजमेर रेफर

नई दिल्ली। सरकारी हॉस्पिटल में मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) के ऑपरेशन के बाद मरीजों की हालत बिगड़ गई। उनकी आंखें सफेद पड़ गईं। 7 मरीजों की आंखों में ऐसा इंफेक्शन (संक्रमण) हुआ कि इनमें से 5 को बुधवार रात फौरन जयपुर के सवाई मान सिंह (रटर) हॉस्पिटल लाना पड़ा। वहीं 2 मरीजों को गुरुवार सुबह अजमेर के खछठ अस्पताल रेफर किया गया। इन मरीजों की आंखों की रोशनी खतरे में है। यह पूरा मामला डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन सिटी स्थित राजकीय आई हॉस्पिटल का है। ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया गया है। जांच के लिए रटर और खछठ हॉस्पिटल से मेडिकल टीम भेजी गई हैं। उधर, पिछले दिनों कोटा और बीकानेर के सरकारी हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं (महिलाओं) की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसमें से कई की जान चली गई थी।

राजा मर्डर केस- सोनम रघुवंशी फिर जेल गई: शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर

सुप्रीम कोर्ट बोला था- तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देना सही नहीं

नई दिल्ली। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी ने बुधवार को मेघालय के शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उसे जेल भेज दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई को सोनम की जमानत रद्द करते हुए उसे तीन हफ्ते के भीतर संबंधित अदालत में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। ये अवधि पूरी होने से पहले ही सोनम सरेंडर करने कोर्ट पहुंच गई। सोनम के सरेंडर पर राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- मैं मेघालय सरकार को धन्यवाद देता हूं। उनकी वजह से आज हमें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। इससे पहले 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था।

सरकार बताए, गोली चलाने का आदेश किसने दिया : कांग्रेस

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार बताए कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया। पार्टी ने कहा कि इस पूरे मामले में देश के गृह मंत्री अमित शाह को जवाब देना चाहिए। हमारा यह भी सवाल ह कि गृह मंत्री संसद से क्यों भाग रहे हैं और इस मुद्दे पर जवाब देने से क्यों बच रहे हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और गोली चलाने का आदेश किसने दिया, इस सवाल का जवाब गृह मंत्री को देना चाहिए और उन्हें संसद में आना चाहिये, संसद आने से भागना नहीं चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता को संसद में बोलने तक की अनुमति नहीं दी जा रही है। सरकार को छात्रों पर हुई कार्रवाई के लिए जवाबदेह होना चाहिए और पूरे मामले की सच्चाई देश के सामने रखनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट बोला-पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

दिल्ली सरकार को आदेश; केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात फ्अत्र्क के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स (फ्अत्र्) ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

पंजाब बंद अमृतसर में पुलिसकर्मी की मौत

प्रदर्शनकारियों ने डंडे दिखाकर लोगों को भगाया; लुधियाना समेत 12 जिलों में बाजार बंद

पंजाब। बरनाला में प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में वाल्मीकि समाज ने गुरुवार (30 जुलाई) को फिर से पंजाब बंद का आह्वान किया। समाज ने बाजार, स्कूल, कॉलेज, मॉल और अन्य संस्थानों को बंद रखने की अपील की। इसी बंद के दौरान अमृतसर में भंडारी पुल पर तैनात एंटी राइट पुलिस (अफ्ढ) के जवान रणबीर सिंह की मौत हो गई। वह इमरजेंसी कॉल पर घर जा रहे थे। इसी दौरान भंडारी पुल पर लगाई रस्सी में उनका गला फंस गया और वह स्कूटी से गिर गए। रस्सी से गला घुटने से उनकी मौत हो गई। भंडारी पुल को प्रदर्शनकारियों ने जाम कर दिया गया है। यहां से लोगों को नहीं निकलने दिया जा रहा। वाल्मीकि समाज के लोग रॉड, डंडे लेकर खड़े हैं जो लोगों को आवाजाही करने से रोक रहे हैं। यहां तलवारें लहराई गईं। हालांकि बाद में पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पठानकोट में सफाईकर्मियों ने निगम दफ्तर पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। यहां रैली निकालकर दुकानों को जबरन बंद करवाया गया. वहीं, जालंधर में बंद का असर नहीं था, लेकिन सफाईकर्मी निगम परिसर में धरना लगाकर प्रदर्शन किया। महिलाकर्मियों ने उट के पुतले पर चप्पलें मारीं। बंद का असर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा।

राम मंदिर ट्रस्ट में कथित अनियमितताओं पर राज्यसभा में चर्चा की मांग, सुरजेवाला ने दिया नियम 267 के तहत नोटिस

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राम मंदिर ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं, चंदे और संपत्तियों के कथित दुरुपयोग के मुद्दे पर राज्यसभा में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने राज्यसभा में नियम 267 के तहत नोटिस देकर सदन के पूर्व निर्धारित कार्य स्थगित कर इस विषय पर तत्काल चर्चा कराने का अनुरोध किया है। अपने नोटिस में श्री सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान, भूमि खरीद, सोना-चांदी एवं अन्य बहुमूल्य उपहारों के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि ट्रस्ट द्वारा भूमि खरीद में कीमतों में भारी बढ़ोतरी, निर्माण कार्यों में कथित कमीशनखोरी और दान में मिली बहुमूल्य वस्तुओं के हिसाब-किताब को लेकर सवाल उठे हैं। श्री सुरजेवाला ने यह भी कहा कि वर्ष 2021 में भी ऐसे आरोपों की जांच शुरू हुई थी, लेकिन उसका परिणाम सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एफआईआर में केवल छोटे स्तर के लोगों को नामजद किया गया, जबकि ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं हुई। नोटिस में उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर केंद्र सरकार ने किया था, इसलिए सरकार और ट्रस्ट दोनों की जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सरकार ने माना- ई-20 पेट्रोल से इर-3 गाड़ियों को नुकसान

राज्यसभा में गडकरी बोले- कुछ रबर पार्ट्स बदलने पड़ सकते हैं, इंजन बदलने की जरूरत नहीं

केंद्र सरकार ने बुधवार को पहली बार माना कि ई-20 पेट्रोल (20% एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) इस्तेमाल करने से गाड़ियों को नुकसान पहुंच सकता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा- इर-3 मानक वाली कुछ पुरानी गाड़ियों में ई-20 के कारण कुछ रबर पार्ट्स और गैस्केट बदलने पड़ सकते हैं। ये गाड़ियां मुख्य रूप से 2005 से 2016 के बीच बने हैं। ये पार्ट्स नियमित सर्विसिंग के दौरान आसानी से बदले जा सकते हैं। गडकरी ने कहा कि स्टडीज में ई-20 से गाड़ियों की कुल परफॉर्मेंस या टिकाऊपन पर कोई बड़ा असर नहीं पाया गया है। उन्होंने यह कहा कि इन गाड़ियों के इंजन में किसी तरह का बदलाव कराने की जरूरत नहीं है। यह पहली बार है, जब गडकरी ने इस तरह की बात कही है। उन्होंने बताया कि इंडियन ऑयल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) व ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने दोपहिया-चारपहिया वाहनों पर ई-20 ईंधन की स्टडी की थी। गडकरी ने यह भी कहा कि वाहन का माइलेज सिर्फ ईंधन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ड्राइविंग स्टाइल, सड़क की स्थिति, रखरखाव और अन्य कारकों से भी प्रभावित होता है। इसका इस्तेमाल दुनिया में एक सदी से ज्यादा समय से हो रहा है।

पत्थर कारोबारी के घर 28 करोड़ कैश, किलो सोना मिला

नोट गिनते-गिनते 5 मशीनें खराब हुईं, आरोपी गिरफ्तार; बंगाल के बीरभूम में बस चलाता था

पश्चिम बंगाल। के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में 28.5 करोड़ से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब 21.5 करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 50 करोड़ की है। नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं। पुलिस ने आरोपी मिनार मंडल को गिरफ्तार किया है। वह पहले राज्य परिवहन विभाग में बस ड्राइवर था और बाद में स्टोन कारोबार से जुड़ गया। आरोपी फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन का मैनेजर और साला है। तुलु मंडल वही शख्स है, जिसने 2024 में अपनी बेटी की करीब 100 करोड़ की आलीशान शादी कराई थी। तुलु मंडल को पूर्व ळटउ नेता अनुब्रत मंडल का करीबी माना जाता है। अनुब्रत जून में ळटउ के बागी ऋतब्रत बनर्जी गुट में शामिल हो गए थे। बंगाल के मुंख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने छापेमारी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कीं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार रात मिनार मंडल के घर पर छापेमारी शुरू की थी। पहले 20 करोड़ कैश मिला था। पूरी रात चली गिनती के बाद बरामद रकम बढ़कर 28.5 करोड़ हो गई। कैश को लोहे के बक्सों में भरकर मोहम्मद बाजार थाने ले जाया गया, जहां से इसे बैंक में जमा कराया जाएगा। पुलिस ने घर से 1-1 किलो के 14 गोल्ड बार और 100-100 ग्राम के 10 गोल्ड बिस्किट भी बरामद किए। इनकी कुल कीमत करीब 21.5 करोड़ बताई गई है। गिरफ्तारी के बाद मिनार मंडल ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कैश और सोना तुलु मंडल का है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि करोड़ों रुपए की नकदी और सोना कहां से आया और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस को शक है कि बरामद नकदी पत्थर खदानों से वसूले गए सरकारी राजस्व का हिस्सा है, जिसे सरकारी खजाने में जमा कराने के बजाय हड़प लिया गया। 2016-17 के आसपास तुलु मंडल ने बीरभूम की स्टोन क्वारियों में ऊउफ (ऊ२३१३ उङ्क' ीइङ्कल्ल फंङ्की) वसूली का काम संभाला था। आरोप है कि सरकारी टैक्स की वसूली में करोड़ों रुपए की गड़बड़ी हुई। इखढ का दावा है कि पहले सरकार के खाते में रोज सिर्फ 20-30 लाख जमा होते थे। अब 83 करोड़ प्रति महीने मिलते हैं। तुलु मंडल पहले भी जांच एजेंसियों के रडार पर रह चुका है। 2022 में कैटल स्मगलिंग केस में उइकने उसके ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके बाद एऊने भी उसे पूछताछ के लिए दिल्ली तलब किया था। हालांकि, इन आरोपों पर अब तक कोई अंतिम न्यायिक फैसला नहीं आया है।

खड़गे बोले- शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति मानने वाले

इसमें शूद्र को पढ़ने का अधिकार नहीं, नड्डा बोले- सबूत दें, सभापति ने रिकॉर्ड से हटाया

राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़े परीक्षा संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे के 'मनुस्मृति' बयान पर हंगामा हुआ। वे शैक्षणिक संस्थाओं पर फरर के दखल पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति मानने वाले बढ़ गए हैं, इससे शूद्र को पढ़ने का अधिकार छिन गया है। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। इस पर जेपी नड्डा ने टोकते हुए कहा कि खड़गे का बयान तथ्यों से परे है। इससे अशांति फैल सकती है। इसके बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मनुस्मृति वाला बयान रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। यह पूरी बहस पेपर लीक से जुड़े पब्लिक एग्जामिनेशन (अनफेयर मीन्स की रोकथाम) संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान हुई। खड़गे ने कहा- इस बिल से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

दिल्ली जिमखाना क्लब विवाद पर केंद्र ने कहा

कोर्ट बेदखली प्रक्रिया पर रोक नहीं लगा सकता, कार्रवाई को बताया पूरी तरह वैध

दिल्ली जिमखाना क्लब की जमीन को लेकर चल रहे विवाद में केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा है कि सार्वजनिक परिसरों से बेदखली की वैधानिक प्रक्रिया पर रोक लगाने का अधिकार अदालत के पास नहीं है। जस्टिस अवनीश झिंगन की अदालत में दाखिल जवाब में केंद्र ने कहा कि क्लब की स्थायी लीज वैध रूप से समाप्त हो चुकी है और इसके बाद एस्टेट ऑफिसर की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस पूरी तरह कानूनी है। केंद्र ने अदालत को बताया कि 28 फरवरी 1928 की लीज को उसकी शर्तों के तहत 22 मई 2026 को समाप्त कर दिया गया था। इसके बाद क्लब का परिसर पर कब्जा पीपी एक्ट की धारा 2(जी) के तहत अधिकृत नहीं रह गया। केंद्र ने यह भी कहा कि लीज समझौता केंद्र सरकार व दिल्ली जिमखाना क्लब लिमिटेड के बीच हुआ था। इसलिए क्लब का कोई सदस्य सरकार को उसके अधिकारों के प्रयोग से नहीं रोक सकता। दिल्ली जिमखाना क्लब देश के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में गिना जाता है। यह क्लब लंबे समय से केंद्र सरकार की जमीन पर संचालित हो रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार ने इसकी लीज समाप्त करने और क्लब के संचालन को लेकर सख्त रुख अपनाने का फैसला लिया था।

छात्रों पर कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सरकार को घेरा

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने मकर द्वार के पास प्रदर्शन करते हुए 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस की कथित पैलेट गन कार्रवाई का विरोध किया। विपक्ष ने इस मामले में गृहमंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की और छात्रों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की मांग उठाई। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसदों ने चढ़ावा चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए और बैनर दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि छात्र आंदोलन पर पुलिस की कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले पर जवाब देने और प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की भी मांग की।

संक्षिप्त समाचार

टिहरी दलित किशोर मौत मामला, पॉक्सो मामले में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

टिहरी, एजेंसी। लंबगांव क्षेत्र में दलित किशोर मौत मामला एक बार फिर से चर्चाओं में है. इस मामले में नाबालिग पीड़िता की माता की तहरीर के आधार पर थाना लंबगांव में बीएनएस तथा पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था. जिसके बाद आज दलित किशोर के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया है. विवेचना के दौरान पीड़िता के धारा 180 व 183 बीएनएसएस के कथनों एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है. अभियुक्त को आज कोर्ट में पेश किया गया. अभियुक्त को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर प्रताप नगर की जनता ने जिला प्रशासन से कई बार मांग की थी. जिस पर पुलिस लगातार अभियुक्त को गिरफ्तार करने के लिए जगह-जगह दबिश दे रही थी और आखिरकार अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बता दें दलित किशोर की एक लड़की से दोस्ती (प्रेम प्रसंग) थी. बीती 7-8 जून की रात लड़की का फोन आने पर वो अपने दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर उससे मिलने गया था. जहां लड़की के परिजनों ने उसे वहीं पकड़ लिया. जिसके बाद उन्होंने दलित किशोर और उसके दोस्त को बंधक बना लिया. बताया गया कि उनके साथ मारपीट की गई. जिससे दोनों को गंभीर चोटें आई. जिससे दलित किशोर की मौत हो गई. दलित किशोर की मौत के बाद ये मामला हाईप्रोफाइल हो गया. इस मामले को लेकर जमकर हंगामा हुआ. इसके बाद उत्तर प्रदेश की नगीना संसदीय सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद भी दलित किशोर के घर पहुंचे. जहां सांसद चंद्रशेखर आजाद ने दलित किशोर के परिजनों से मुलाकात कर उनकी मदद का भरोसा दिया. साथ ही उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की. इसके बाद भी इस मामले को लेकर दूसरे भी कई खुलासे हुये. वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से दलित किशोर के दोस्त की गिरफ्तारी की भी मांग हुई. जिसे आज गिरफ्तार कर लिया गया है.

पिथौरागढ़ के वन कर्मियों का देवीधूरा हमले पर आक्रोश, गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

पिथौरागढ़, एजेंसी। पिथौरागढ़ जिले के वन कर्मियों ने चंपावत के देवीधूरा में वन दारोगा पर हुए हमले पर आक्रोश जताया। उन्होंने बैठक कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। पिथौरागढ़ जिले के वन कर्मियों ने चंपावत के देवीधूरा में वन दारोगा पर हुए हमले पर आक्रोश जताया। वन कर्मियों ने बैठक कर जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। वन कर्मियों ने वन विभाग कार्यालय प्रभागीय अध्यक्ष कैलाश ग्वासीकोटी की अध्यक्षता में बैठक की। उन्होंने कहा कि बीते 22 जुलाई को चंपावत के देवीधूरा में ड्यूटी पर तैनात वन दारोगा पवन सिंह माहरा ने वन क्षेत्र में अवैध खनन को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान आठ से 10 लोगों ने उन्हें पीट दिया और उनका मोबाइल भी लूट दिया। उसी दिन पाटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। एक सप्ताह बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। ऐसे में सभी वन कर्मी चिंतित हैं। वन कर्मियों ने तीन दिन के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। बैठक में जिले भर के वन कर्मी शामिल रहे।

मलबा आने से पैदल यात्रा मार्ग बाधित, खोलने में जुटीं टीमें, उफान पर अलकनंदा और मंदाकिनी नदी

रुद्र प्रयाग, एजेसी। गौरीकुंड के आगे मलबा आने से केदारनाथ यात्रा आंशिक रूप से रोकी गई है। मशीनें मार्ग खोलने में जुटीं हैं। बीते रात बारिश के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर गौरीकुंड से आगे दो-तीन स्थानों पर मलबा और पत्थर आने से बृहस्पतिवार सुबह यात्रा मार्ग बाधित हो गया। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने मार्ग पर आवाजाही रोक दी है। वहीं मौके पर वाईएमएफ और डीडीआरएफ की टीम मौजूद है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि भारी बारिश के चलते केदारनाथ पैदल मार्ग पर कई स्थानों पर मलबा आने से मार्ग बाधित हुआ है। इसके कारण यात्रियों की आवाजाही को रोक दिया गया है। वहीं संबंधित विभाग की टीमें मौके पर मलबा हटाने के कार्य में जुटी हैं। मौसम अनुकूल होते ही मार्ग को सुचारु करने का प्रयास किया जा रहा है। रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा और मंदाकिनी नदी उफान पर है। बृहस्पतिवार सुबह भी अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर अब खतरे के निशान से कुछ ही मीटर नीचे है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सुबह सात बजे अलकनंदा का जलस्तर 626.89 मीटर रहा, जो 626 मीटर के चेतावनी स्तर से ऊपर और खतरे का निशान 627 मीटर के नजदीक है। वहीं मंदाकिनी का जलस्तर 625.90 मीटर दर्ज किया गया, जो 625 मीटर के चेतावनी स्तर से अधिक और खतरे के निशान 626 मीटर के नजदीक है। पिछले 24 घंटे में जखोली में 54 मिमी, ऊखीमठ में 38.20 मिमी और रुद्रप्रयाग में चार मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश के चलते जिले में बादल और कोहरा छाया हुआ है। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नगर पालिका और नगर पंचायतों की ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों से नदी तटों से दूर रहने तथा अनावश्यक रूप से नदी और बरसाती नालों के समीप नहीं जाने की अपील की जा रही है।

जर्जर तहसील भवन: दीवारों में दरारें...छतों पर पेड़, बरसात में कर्मचारियों का जोखिम भरा कामकाज

नैनीताल, एजेंसी। तहसील परिसर में प्रस्तावित 'नमो भवन' फाइलों में तो मौजूद है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम दूर है। वहीं, मौजूदा अंग्रेजों जमाने की जर्जर इमारतों में दीवारों पर गहरी दरारें, प्लास्टर झड़ना, छतों पर पेड़-घास उगना और जड़ों का कमरों में फैलना जैसे हालात हैं। फाइलों में भले ही तहसील परिसर में प्रस्तावित नमो भवन की बुनियाद डाली जा चुकी है लेकिन धरातल पर अभी यह दूर है। दूसरी ओर तहसील के वर्षों पुराने मौजूदा जर्जर भवनों में काम कर रहे कर्मचारियों की जान हथेली पर है। तहसील परिसर के अधिकांश अंग्रेजों के जमाने के कुछ भवनों की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। दीवारों का प्लास्टर लगातार झड़ रहा है। छत में पेड़, घास उगी हुई हैं। पेड़ों की जड़ें कमरों के भीतर फैल रही हैं। ऐसे में बरसात के मौसम में टूटती छतों, दरकती दीवारों और सीलन भरे कमरों के बीच कर्मचारी हर दिन जोखिम में डालकर सरकारी कामकाज निपटाने को मजबूर हैं। सबसे अधिक खराब स्थिति नैनीताल रोड के निकट स्थित पटवारी चौकी भवन की है। भवन की छत में लगाई गई कुछ लकड़ियां गलकर टूट चुकी हैं तो कुछ सड़गल चुकी हैं। भवन के भीतर काम कर रही महिला पटवारी की कुर्सी के सामने और पीछे की पत्थर की दीवारों में बड़े-बड़े सुराख और चौड़ी दरारें हर किसी को डरा रही हैं। बारिश के दौरान छत से पानी रिसता है जिससे कामकाज में बाधा पहुंचती हैं। इस भवन के सामने वाले हिस्से में छत न केवल कई जगह से क्षतिग्रस्त है बल्कि छत ने झूले का रूप ले लिया है। तहसील के पीछे की ओर स्थित आधार कार्ड दफ्तर का भवन भी बदहाल है। उसकी छत पर पेड़ उग आए हैं। छत पर उगे पेड़ों की जड़ें दीवारों को छेदते हुए भीतर कमरों की दीवारों में फैल चुकी हैं। यहां भी एक महिला कार्य करते मिली। ऐसे में भवन की सुरक्षा भगवान भरोसे है। वहीं कई पुराने कमरों में सीलन और नमी के कारण अभिलेखों के सुरक्षित रखरखाव पर भी संकट मंडरा रहा है।

तहसील के एनआईसी केंद्र का भवन सबसे पुराना है। यहां भी खतरा कुछ कम नहीं है। एनआईसी की ओर सीढ़ियों से ऊपर चढ़ते ही बिजली और केबल के तारों का ऐसा जाल फैला हुआ है कि कहीं शॉर्ट सर्किट हो जाए तो लकड़ी के इस पुराने भवन में बड़ा हादसा हो सकता है। तहसील परिसर के अलावा रजिस्ट्री कार्यालय व रोडवेज परिसर के भवनों को तोड़कर वहां नमो भवन प्रस्तावित है। इसके लिए करोड़ों की धनराशि स्वीकृत है। कार्यदायी संस्था ने जो पहली डीपीआर बनाई थी, बजट की कमी के कारण उसमें बदलाव कर नई डीपीआर शासन को भेजी गई है। यहां एक ऐसा बहुउद्देशीय भवन बनना है जिसमें पार्किंग के अलावा सभी दफ्तरों के लिए स्थान सुलभ हो सके। नमो भवन का मकसद लोगों को एक छत के नीचे अधिकांश दफ्तरों की सुविधाएं उपलब्ध कराना है लेकिन वर्षों से इसकी बुनियाद फाइलों में भरी जा रही है।

खाई में गिरे चंपावत के युवक की इलाज के दौरान मौत

चंपावत, एजेंसी। नगर के मल्ली मादली निवासी युवक की स्कूटी संग खाई में गिरने से घायल हो गए थे। अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मल्ली मादली निवासी सनी पांडेय (25) उर्फ मोहित पांडेय पुत्र हरीश पांडेय शुक्रवार को स्कूटी से ललुवापानी की ओर जा रहा था। इस दौरान वह स्कूटी संग अनियंत्रित होकर 10 मीटर गहरी खाई में गिर गया। बाहरी चोट न होने के चलते वह सीधे घर चला गया। घर पहुंचने के दो घंटे बाद उसे तकलीफ होने लगी, इसके बाद परिजन युवक को जिला अस्पताल ले आए। इलाज के दौरान रात करीब 10 बजे उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत सिर में अंदरूनी चोट होने का अंदेशा जताया जा रहा है। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। युवक का अंतिम संस्कार शनिवार को डिप्टेश्वर घाट में किया गया।मृतक युवक इलेक्ट्रिशियन था।

48 घंटे बारिश से गंगा चेतावनी रेखा के करीब प्रशासन हाई अलर्ट पर; घाटों पर सुरक्षा बढ़ाई

ऋषिकेश, एजेंसी। प्रशासन के निर्देश पर एसडीआरएफ, जल पुलिस और आपदा राहत दल की संयुक्त टीमें त्रिवेणी घाट, परमार्थ घाट, स्वर्गाश्रम घाट, रामझूला और लक्ष्मणझूला सहित सभी संवेदनशील घाटों पर तैनात कर दी गई हैं। पहाड़ों में पिछले 48 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश का असर अब गंगा के जलस्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। बुधवार शाम तक गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा से महज 45 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया। सिंचाई विभाग के अनुसार जलस्तर में हर घंटे 3 से 4 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित कर राहत और बचाव एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। प्रशासन के निर्देश पर एसडीआरएफ, जल पुलिस और आपदा राहत दल की संयुक्त टीमें त्रिवेणी घाट, परमार्थ घाट, स्वर्गाश्रम घाट, रामझूला और लक्ष्मणझूला सहित सभी संवेदनशील घाटों पर तैनात कर दी गई हैं। घाटों पर गोताखोरों की मौजूदगी के साथ लाइफ जैकेट, रस्सियां और अन्य बचाव उपकरण भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। लाउडस्पीकर और मुनादी के जरिए लोगों से गंगा के किनारे न जाने तथा तेज बहाव में स्नान नहीं करने की अपील की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि यदि पहाड़ों में इसी तरह बारिश जारी रही तो अगले 12 से 18 घंटे के भीतर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 340.50 मीटर को पार कर सकता है। प्रशासन ने नागरिकों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह गंगा किनारे जाने से बचें। एसडीएम कुमकुम जोशी ने कहा कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन पूरी तरह चौकस है।

अदालत ने किया तड़ीपार...दस दिन बाद ही घर लौटा आरोपी, गुंडा एक्ट के उल्लंघन में शातिर अजीम फिर गिरफ्तार

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर प्रतिबंधित अवधि में जिले में अवैध रूप से घुसने वाले एक शातिर अपराधी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। अल्मोड़ा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय के कड़े आदेशों की अवहेलना कर प्रतिबंधित अवधि के भीतर जिले की सीमा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले एक शातिर अपराधी को कोतवाली पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम (गुंडा एक्ट) की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार रविवार को धारानौला चौकी प्रभारी आनंद बल्लभ कश्मीरा को मुखबिर के जरिये एक पुख्ता सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि जिला बदर किया गया अपराधी अजीम अंसारी निवासी नियाजगंज, इस समय मल्ला दन्या (राजपुरा) स्थित अपने घर पर चोरी-छिपे रह रहा है। चौकी प्रभारी सुबह करीब 8:40 बजे पुलिस बल के साथ से मौके के लिए रवाना हुए। पुलिस टीम जब राजपुरा स्थित अजीम अंसारी के घर पहुंची तो बाहर से कुंडा लगा हुआ था।

पुलिस ने जब दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कुछ जानी-पहचानी हल्की आवाजें सुनाई दीं। चूंकि चौकी प्रभारी आरोपी अजीम को पहले से अच्छी तरह पहचानते थे इसलिए पुलिस टीम ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए घर के भीतर प्रवेश किया। भीतर अजीम अंसारी मौजूद था जो ठीक उसी वक्त नहाकर कमरे से बाहर आया था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी अजीम अंसारी को अभी महज 10 दिन पहले यानी 17 जुलाई को न्यायालय के आदेश के बाद गुंडा एक्ट की धारा 2/3 के तहत छह माह के लिए अल्मोड़ा जनपद की सीमा (क्वारब पुल) पार कराकर नैनीताल जिले की सीमा में छोड़ा गया था। इसके बावजूद आरोपी ने न्यायालय के आदेश का खुला उल्लंघन किया और बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति या सूचना के दोबारा अल्मोड़ा जिले की सीमा में प्रवेश कर लिया। पुलिस ने मौके पर ही आवश्यक विधिक कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को धारा 3/10 उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 के तहत गिरफ्तार कर लिया।

हृदय रोगियों के लिए राहत भरी खबर, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में खुलेगी कैथ लैब

कुमाऊं के मरीजों को मिलेगा लाभ

अल्मोड़ा, एजेसी। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले से हृदय रोगियों के लिए बड़ी राहत की खबर है. अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में जल्द ही कैथ लैब शुरू होने जा रही है. इस सुविधा के शुरू होने के बाद अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़ समेत आसपास के पर्वतीय जिलों के मरीजों को हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए हल्द्वानी या अन्य मैदानी क्षेत्रों के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा. अब तक पहाड़ों में कैथ लैब की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण हार्ट अटैक या अन्य गंभीर कार्डियक इमरजेंसी की स्थिति में मरीजों को इलाज के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता था. कई बार अस्पताल पहुंचने में लगने वाले समय के चलते मरीजों की स्थिति और गंभीर हो जाती थी. ऐसे में अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब की शुरुआत को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

कैथ लैब शुरू होने के बाद मरीजों को एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और हृदय से जुड़ी कई आधुनिक उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी. इससे न केवल मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा, बल्कि गंभीर परिस्थितियों में उनकी जान बचाने की संभावना भी बढ़ेगी. वहीं, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में एक हाईली एडवांस बर्न सेंटर भी शुरू किया जा रहा है. इस सेंटर के शुरू होने के बाद आग या अन्य हादसों में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को अत्याधुनिक उपचार की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी. इससे पर्वतीय क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों पर निर्भरता कम होगीय जानकारी के अनुसार हल्द्वानी में भी नई कैथ लैब तैयार की जा रही है, जिसके जल्द शुरू होने की उम्मीद है. फिलहाल कुमाऊं क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में कैथ लैब की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के चलते अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में प्रस्तावित यह सुविधा स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से बड़ा कदम मानी जा रही है.

दिनेशपुर में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, पड़ताल में जुटी पुलिस

रुद्रपुर, एजेंसी। दिनेशपुर थाना क्षेत्र में 27 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई. उपचार के दौरान महिला की मौत होने के बाद मायके पक्ष ने पति पर मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं. वहीं पति का कहना है कि पत्नी ने संभवतः कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही है. उधम सिंह नगर के दिनेशपुर थाना क्षेत्र में 27 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है. उपचार के दौरान हुई इस मौत के बाद मायके पक्ष ने पति पर लगातार मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं. वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार, मृतक महिला मूल रूप से पिथौरागढ़ जिले की रहने वाली थी, जबकि वर्तमान में वह अपने पति के साथ दिनेशपुर में रह रही थी. साल 2016 में दोनों का विवाह रुद्रपुर में हुआ था. दोनों की एक नौ वर्षीय पुत्री है. व्यक्ति की यह दूसरी शादी थी और पहली पत्नी का साल 2015 में बीमारी के कारण निधन हो गया था, जिससे उनके दो बच्चे हैं. मृतका की मां ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को उसका पति अक्सर मारता-पीटता था और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था. आरोप है कि कुछ समय पहले भी दामाद ने बेटी कुछ दिनों पहले घर से निकाल दिया था. बाद में परिवार और रिश्तेदारों के हस्तक्षेप के बाद उसे दोबारा घर में रखा गया, लेकिन उसके साथ दुर्व्यवहार और प्रताड़ना बंद नहीं हुई. मायके पक्ष ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.घटना की सूचना मिलते ही दिनेशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

सितारगंज तहसील में विजिलेंस का छापा, अमीन और सहायक 14 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

खटीमा, एजेसी। उत्तराखंड में आए दिन रिश्वतखोर अधिकारी या कर्मचारी पकड़े जा रहे हैं. ताजा मामला उधम सिंह नगर के सितारगंज से सामने आया है. जहां विजिलेंस की ट्रैप टीम ने सितारगंज तहसील में बड़ी कार्रवाई की है. जहां संग्रह अमीन और वरिष्ठ सहायक को 14 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. बताया दोनों अधिकारियों पर भूमि को बंधनमुक्त कराने और बैंक ऋण से संबंधित आरसी की कार्रवाई समाप्त करने के नाम पर शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने का आरोप है. वहीं, इस कार्रवाई से तहसील प्रशासन में हड़कंप मचा रहा.

इस एवज में मांगी थी घूस: जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने सतर्कता अधिष्ठान में एक शिकायत दर्ज कराई थी. जिसमें उन्होंने बताया था कि सितारगंज तहसील में तैनात संग्रह अमीन मदन लाल शर्मा और वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा भूमि कुर्की के आदेश समाप्त कराने, जमीन को बंधनमुक्त करने एवं उसकी पत्नी के केसीसी ऋण पर जारी आरसी की कार्रवाई समाप्त कराने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे हैं. आरोप है कि संग्रह अमीन ने 10,000 और वरिष्ठ सहायक ने 6,000 रुपए की मांग की थी.

14 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार: शिकायत का प्रथम दृष्टया सत्यापन होने के बाद पुलिस अधीक्षक, सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी के निर्देश पर ट्रैप टीम का गठन किया गया. जिसके तहत बुधवार यानी 29 जुलाई को सतर्कता अधिष्ठान हल्द्वानी की टीम ने जाल बिछाया. जिसके तहत सितारगंज तहसील स्थित कार्यालय में संग्रह अमीन मदन लाल शर्मा को शिकायतकर्ता से 8 हजार और वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया.

विजिलेंस की कार्रवाई से मचा हड़कंप: वहीं, विजिलेंस की इस कार्रवाई तहसील परिसर में हड़कंप मचा रहा. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मदन लाल शर्मा पुत्र किशोरी लाल शर्मा निवासी बोरिंग वाली गली, सितारगंज और भूपेंद्र सिंह राणा पुत्र प्रताप सिंह राणा निवासी आमखेड़ा पट्टी बलखेड़ा, नानकमत्ता (उधम सिंह नगर) के रूप में हुई है. फिलहाल, विजिलेंस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले में अग्रिम विवेचनात्मक कार्रवाई जारी है.

अगर कोई अधिकारी या कर्मचारी घूस मांगता है तो करें शिकायत: सतर्कता निदेशक डॉ. वी मुरूगेशन ने जनता से भ्रष्टाचार के खिलाफ आगे आने की अपील की है. उनका कहना है कि कोई भी व्यक्ति रिश्वत की मांग या भ्रष्टाचार की शिकायत टोल फ्री नंबर 1064 या व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9456592300 पर दर्ज करा सकता है. सूचना देने वाले का नाम और पहचान गुप्त रखी जाएगी.

हॉकी टीम की जर्सी का रंग या इतिहास को बदलने की कोशिश से देश की आत्मा नहीं बदलती: प्रियंका

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मानसून सत्र के दौरान भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी के रंग को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल यूनिफॉर्म का रंग बदलने या शिक्षा नीति से इतिहास नहीं बदला जा सकता। प्रियंका गांधी ने यहां पत्रकारों से कहा, इसरकार चाहे हॉकी टीम की जर्सी बदल दे या पाठ्यक्रम के जरिए, इतिहास को नए सिरे से लिखने का प्रयास करे, देश के युवा सब देख रहे हैं। उन्होंने जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वहां उठी आवाजें देश की असली भावना को दर्शाती हैं। भारत की आजादी की लड़ाई सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर लड़ी गई थी तथा उसमें आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने दावा किया कि यह बात पूरा देश जानता है और जो लोग पहले नहीं जानते थे, वे भी अब इसे समझ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था और देश की आत्मा अहिंसा, सत्य, भाईचारे और एकता में बसती है। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी नफरत फैलाने या समाज को बांटने की कोशिश की जाए, देश की मूल भावना को कोई नहीं बदल सकता। आरएसएस और न ही कोई अन्य संगठन देश की इस आत्मा को छीन सकता है। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि राहुल गांधी जिस युवक को मीडिया के सामने लेकर आए थे, उसके शरीर पर मिले पेलेट्स के बारे में सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि वे पेलेट्स आखिर कहां से आए हैं? इस बीच भारतीय हॉकी टीम की जर्सी के रंग में बदलाव को लेकर अन्य विपक्षी नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी। भारत के पूर्व हॉकी कप्तान विरेन रास्किन्हा द्वारा इस बदलाव पर चिंता जताए जाने के बाद राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह ने भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के लोग दिमागी तौर पर दिवालिया हो चुके हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि यही सोच जारी रही तो भविष्य में हरे रंग के पेड़ों को भी केसरिया रंग से रंगने की कोशिश की जाएगी। बता दें कि हॉकी इंडिया ने टीम की मुख्य जर्सी के पारंपरिक नीले रंग को बदलकर केसरिया कर दिया है। इस नए बदलाव को लेकर पूर्व कप्तान वीरेन रासकिंवा और कई प्रशंसकों ने सवाल उठाए हैं, जबकि महासंघ ने इसे टीम का सम्मान और विजिबिलिटी की जरूरत बताया है।

चीन कृत्रिम सूरज बना रहा है और हमारे प्रधानमंत्री बच्चों पर एफआईआर करवाने में व्यस्त हैं: केजरीवाल

● एक बारिश आती है और हमारे शहरों का बुरा हाल हो जाता है, चारों तरफ कूड़ा ही कूड़ा पड़ा रहता है: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री का मजाक उड़ाने पर छात्रों के खिलाफ हो रही पुलिस कार्रवाई को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ चीन कृत्रिम सूरज बना रहा है और दूसरी तरफ हमारे प्रधानमंत्री छोटे-छोटे बच्चों पर एफआईआर करवाने में व्यस्त हैं। हमारे प्रधानमंत्री सांसद-विधायक खरीदने, पार्टियां तोड़ने और लोगों के वोट काटने और फर्जी वोट जुड़वाने में लगे हुए हैं। इसलिए अब हमारे देश को एक दूरदर्शी और बड़ी सोच वाले प्रधानमंत्री की जरूरत है। गुरुवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा कि एक तरफ चीन आर्टिफिशियल सन (कृत्रिम सूरज) बना रहा है और दूसरी तरफ हमारे देश के प्रधानमंत्री उन छोटे-छोटे बच्चों पर एफआईआर कराने में व्यस्त हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर उनका कोई मजाक उड़ा दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन आर्टिफिशियल सन बना रहा है। इसमें वैसे ही न्यूक्लियर फ्यूजन होगा और एनर्जी पैदा होगी, जैसे कि सूरज में होती है। इसमें प्लाज्मा ट्रैप किया जाएगा और उससे इनफाइनाइट क्लीन एनर्जी निकलेगी। यह 2030 तक बनकर तैयार हो जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक तरफ चीन आर्टिफिशियल सन बना रहा है और हमारी सरकार से सड़कें और पुल नहीं बन रहे हैं। एक बारिश आती है और हमारे शहरों का बुरा हाल हो जाता है, चारों तरफ कूड़ा ही कूड़ा पड़ा रहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री सांसद और विधायक खरीदने-बेचने, पार्टियां तोड़ने और लोगों के वोट कटवाने व फर्जी वोट जुड़वाने में लगे हुए हैं। आजकल तो प्रधानमंत्री उन छोटे-छोटे बच्चों के खिलाफ एफआईआर कराने में लगे हुए हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ाया था। आज हमारे देश को एक दूरदर्शी और बड़ी सोच वाले प्रधानमंत्री की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

एनसीआरटीसी स्टाफ की सतर्कता से बच्चा सकुशल परिजनों से मिला

नई दिल्ली। नमो भारत कॉरिडोर पर एनसीआरटीसी के स्टेशन स्टॉफ ने सतर्कता दिखाते हुए एक बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया। एक संदिग्ध महिला बच्चे को लेकर सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर पहुंची थी। स्टॉफ ने संबंधित महिला को दिल्ली पुलिस को सौंपा है। एनसीआरटीसी के अनुसार, स्टेशन स्टाफ ने एक महिला को एक बच्चे के साथ यात्रा करते हुए देखा। बच्चा लगातार रो रहा था और काफी परेशान था। उसकी असहज स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों को संदेह हुआ। पूछताछ में महिला ने बच्चे को अपना बताया, लेकिन बच्चे ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया। स्टेशन स्टाफ ने तुरंत मामले की सूचना स्टेशन कंट्रोलर को दी। स्टेशन कंट्रोलर ने तुरंत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और दिल्ली पुलिस को भी सूचना दी। साथ ही बच्चे के परिजनों से संपर्क किया। आगे की जांच के लिए महिला और बच्चे को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया, जिसके बाद बच्चे को सकुशल उसके परिवार से मिलाया गया। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने कहा कि कर्मचारियों की संवेदनशीलता और सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई। नमो भारत परियोजना में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी स्टेशनों और ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जाती है। इन कैमरों की लाइव फीड स्टेशन कंट्रोल रूम के साथ दुहाई स्थित सिक्योरिटी कंट्रोल सेंटर तक पहुंचती है, जहां से पूरे कॉरिडोर पर नजर रखी जाती है।

गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त से जवाब तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब की है। यह नोटिस नोएडा की एक सोसायटी में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई के दौरान दो लोगों की मौत के मामले में जारी किया गया है। आयोग ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, 26 जुलाई को नोएडा की एक रिहायशी सोसायटी में एसटीपी की सफाई के लिए एक सफाईकर्मी उतरा था। टैंक के भीतर जहरीली गैस की चपेट में आने से वह बेहोश हो गया। सफाईकर्मी के काफी देर तक बाहर नहीं आने पर सोसायटी का एक सुरक्षागार्ड उसे बचाने के लिए टैंक में उतरा, लेकिन वह भी बेहोश हो गया।

यह ब्रिटिश दौर की व्यवस्था: किरण बेदी ने छात्र प्रदर्शनों से निपटने के पुलिस मॉडल पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से निपटने के मौजूदा पुलिसिंग मॉडल पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे औपनिवेशिक ब्रिटिश काल की व्यवस्था बताया है। उनका कहना है कि छात्रों के सामने सीधे सशस्त्र बलों की तैनाती उचित नहीं है और इससे व्यवस्था की खामियां उजागर होती हैं। किरण बेदी ने कहा कि किसी भी छात्र प्रदर्शन से निपटने के लिए चरणबद्ध रणनीति अपनाई जानी चाहिए। उनके अनुसार, सबसे पहले सिविल पुलिस को तैनात किया जाना चाहिए, क्योंकि सिविल पुलिसकर्मी युवाओं से संवाद स्थापित करने में अधिक सक्षम होते हैं और सामान्यतः लाठी लेकर नहीं चलते। यदि किसी सभा को गैरकानूनी घोषित किया जाता है, तब भी शुरुआती स्तर पर सिविल पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति और अधिक गंभीर हो जाए तथा बैरिकेड तोड़े जाएं, तो दूसरी पंक्ति में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए। महिला पुलिसकर्मी हेलमेट और बॉडी आर्मर जैसी सुरक्षा सामग्री से लैस होती हैं, लेकिन वे भी सामान्यतः लाठी का प्रयोग नहीं करतीं। उनका मानना है कि सशस्त्र बलों को केवल तब ही बुलाया जाना चाहिए जब भीड़ पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो जाए और अन्य सभी उपाय विफल हो चुके हों। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने सवाल उठाया कि छात्र प्रदर्शनों में सिविल पुलिस की बजाय सीधे सशस्त्र बलों का उपयोग क्यों किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था औपनिवेशिक सोच की देन है, जिसका आज भी दुरुपयोग हो रहा है और इसमें सुधार की आवश्यकता है। किरण बेदी ने भीड़ नियंत्रण के दौरान आधुनिक तकनीक के अधिक उपयोग की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि वाटर कैनन का इस्तेमाल अंतिम विकल्प होना चाहिए। साथ ही, घटनास्थल पर कैमरों और ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जानी चाहिए, ताकि प्रत्येक व्यक्ति की गतिविधियों का रिकॉर्ड उपलब्ध रहे और किसी भी घटना की निष्पक्ष जांच संभव हो सके। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित निगरानी से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी और यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि किसी घटना के दौरान किस व्यक्ति की क्या भूमिका थी।

सीलमपुर में क्लीन स्वीप ऑपरेशन, कांवड़ यात्रा से पहले ट्रैफिक पुलिस का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

शाहदरा। पूर्वी दिल्ली में सावन मास की शुरुआत से पहले कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आई। 30 जुलाई से शुरू हो रहे सावन के मद्देनजर सीलमपुर मुख्य चौराहे पर चलाया गया अतिक्रमण विरोधी ह्यक्लीन स्वीपह्व अभियान पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया, जहां पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए सड़कों को पूरी तरह खाली करा दिया। सीलमपुर चौक, जो अक्सर जाम और अव्यवस्था का केंद्र बना रहता है, वहां ट्रैफिक पुलिस ने अचानक अभियान चलाकर अवैध रेहड़ी-पटरी, सड़क किनारे खड़े वाहनों और अन्य अतिक्रमण को हटवा दिया। कार्रवाई इतनी तेज और प्रभावी रही कि कुछ ही समय में पूरा मार्ग साफ नजर आने लगा और वर्षों से चली आ रही अव्यवस्था पर ब्रेक लग गया। यह अभियान डीसीपी ट्रैफिक (ईस्टर्न रेंज) के. रमेश के नेतृत्व और ट्रैफिक इंस्पेक्टर विकास की कड़ी निगरानी में अंजाम दिया गया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था को संभाला और यह सुनिश्चित किया कि कांवड़ियों के लिए मार्ग पूरी तरह बाधा मुक्त और सुरक्षित बनाया जा सके। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार सावन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीलमपुर जैसे अति व्यस्त और संवेदनशील चौराहे को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न आए और श्रद्धालु निर्बाध रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

बैंकॉक से दिल्ली पहुंचे यात्री से करीब नौ किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

नई दिल्ली। राजधानी के आईजीआई एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क विभाग (कस्टम्स) ने बैंकॉक से दिल्ली आए एक यात्री के पास से 8.961 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना) बरामद किया है। मामले में यात्री को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर 29 जुलाई को बैंकॉक से फ्लाइट टीजी-323 से दिल्ली पहुंचे यात्री को ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। उसके सामान की एक्स-रे जांच में संदिग्ध तस्वीरें दिखाई देने पर विस्तृत तलाशी ली गई। जांच के दौरान बैग से वैक्यूम-सील किए गए पांच पैकेट मिले, जिनमें हरे रंग का संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा था। इसका कुल शुद्ध वजन 8,961 ग्राम पाया गया। मादक पदार्थ के साथ उसे छिपाने में इस्तेमाल की गई पैकिंग सामग्री भी जब्त कर ली गई है। कस्टम्स ने आरोपी को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

उपराज्यपाल ने आईकेईए के स्टोर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को साकेत में आईकेईए के नए स्टोर का उद्घाटन किया। इस मौके पर भारत में स्वीडन के राजदूत जान थेस्लेफ और आईकेईए इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटोनी भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए दिल्ली के बढ़ते परिवारों और युवा प्रोफेशनल्स के लिए आसान, किफायती और टिकाऊ जीवन-शैली के समाधान बहुत जरूरी हैं। स्वीडन के इस प्रमुख ब्रांड का आना दिल्ली की आर्थिक क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह विकसित दिल्ली के विजन के अनुरूप, अंतरराष्ट्रीय निवेश और व्यापार के लिए दिल्ली को एक पसंदीदा जगह के तौर पर और मजबूत बनाता है। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कथन दुनिया उम्मीद और उत्साह के साथ भारत में निवेश कर रही है। इसकी वजह है भारत की विकास गाथा, स्थिर नीतिगत माहौल और इसके विशाल उपभोक्ता बाजार की मजबूती पर भरोसा।

सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शंस ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के 18 गौरवशाली वर्ष पूरे होने का मनाया जश्न

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय टेलीविजन का सबसे लंबे समय तक प्रसारित होने वाला सिटकॉम और देश के सबसे लोकप्रिय पारिवारिक मनोरंजन कार्यक्रमों में से एक तारक मेहता का उल्टा चश्मा आज 18 गौरवशाली वर्ष पूरे कर रहा है। पिछले 18 वर्षों से यह शो लाखों परिवारों के जीवन में हँसी, सकारात्मकता और अपनापन लेकर आया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शंस ने 18 दिनों के विशेष उत्सव की घोषणा की है। इस दौरान दर्शकों को शो से और करीब लाने के लिए कई विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें प्रशंसकों के लिए खास अनुभव, देशव्यापी फैमिली कॉन्टेस्ट और विशेष संस्करण (स्पेशल एडिशन) मर्चेंडाइज शामिल हैं। नीला फिल्म प्रोडक्शंस के बैनर तले असित कुमार मोदी द्वारा निर्मित और सोनी सब पर प्रसारित यह प्रतिष्ठित शो आज केवल एक टीवी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। अपनी साफ-सुथरी कॉमेडी, यादगार किरदारों और सामाजिक संदेशों से भरपूर कहानियों के माध्यम से इसने कई पीढ़ियों के दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। पिछले 18 वर्षों में मनोरंजन की दुनिया लगातार बदलती रही, लेकिन तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने परिवार, विविधता में एकता और रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को अपने मूल विचार के रूप में हमेशा जीवित रखा। इस सफर के केंद्र में रही है गोकुलधाम सोसायटी, जो भारत की सबसे प्रिय काल्पनिक सोसायटी बन चुकी है, जहां अलग-अलग संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोग एक परिवार की तरह साथ रहते हैं। शो के 19वें वर्ष में प्रवेश के साथ दर्शकों को गोकुलधाम सोसायटी का नया रूप भी देखने को मिलेगा, जो नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा, जबकि इसकी वही आत्मीयता और अपनापन बरकरार रहेगा जिसे दर्शक लगभग दो दशकों से पसंद करते आ रहे हैं। समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करने से लेकर रोजमर्रा की परिस्थितियों में हास्य खोजने तक, तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने हमेशा यह साबित किया है कि कॉमेडी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी बन सकती है। पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल सुरक्षा, नागरिक जिम्मेदारी और सामाजिक सौहार्द जैसे अनेक विषयों पर इस शो ने हास्य के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य किया है। 18वीं वर्षगांठ समारोह के अंतर्गत 28 जुलाई को जन्मदिन मनाने वाले 40 प्रशंसकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एक विशेष ह्यटडडह्व फैमिली कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विजेता बनने वाले 18 परिवारों को उनके पसंदीदा शो से जुड़ा एक यादगार ऑल-एक्सपेंस-पेड अनुभव प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, इस खास अवसर को यादगार बनाने के लिए तारक मेहता का उल्टा चश्मा की विशेष स्मारक मर्चेंडाइज भी लॉन्च की गई है। अजय भालवणकर, चीफ कंटेंट ऑफिसर, सोनी सब ने कहा: सोनी सब में हमारा हमेशा से यह विश्वास रहा है कि अच्छी कहानियां परिवारों को एक साथ जोड़ने की ताकत रखती हैं और तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने पिछले 18 वर्षों से इस विश्वास को पूरी तरह सार्थक किया है।

तेहखंड व ओखला में कंप्रेस्ड बायो-गैस प्लांट्स की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच तेहखंड और ओखला में 400 टीपीडी क्षमता वाले कंप्रेस्ड बायो-गैस प्लांट्स की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन प्लांट्स में अलग किए गए जैविक कचरे से बायो-गैस बनाई जाएगी। इससे दिल्ली में मौजूद कचरे के पहाड़ कम होंगे, स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ेगा और हमारा ह्यस्वच्छ दिल्लीह्व का संकल्प और मजबूत होगा। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत तेखंड एवं ओखला में अत्याधुनिक सीबीजी प्लांट स्थापित किए जाएंगे, जहां प्रतिदिन लगभग 400 टन गीले कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण कर स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा। यह पहल लैंडफिल पर निर्भरता कम करने, प्रदूषण में कमी लाने तथा दिल्ली में आधुनिक एवं प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल दिल्ली के निर्माण के संकल्प को नई गति प्रदान करेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सेंट्रल जिले में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा रैकेट का भंडाफोड़, 424 चर्खियां बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। सेंट्रल जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझा के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 424 पैक्ड चर्खियां बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह खतरनाक मांझा दोपहिया चालकों, राहगीरों, पक्षियों और पशुओं के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नबी करीम के लक्समन पुरी इलाके में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान वसीम रजा (24) को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह नीले प्लास्टिक के कट्टे में प्रतिबंधित मांझा लेकर जा रहा था। उसकी निशानदेही पर एक छिपे हुए कमरे से भारी मात्रा में मांझा बरामद किया गया, जिसे सात कार्टनों में पैक कर रखा गया था। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह अवैध रूप से चाइनीज मांझा के भंडारण और बिक्री में संलिप्त था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ते हुए सप्लाई चेन और अन्य शामिल लोगों की तलाश कर रही है। मामले में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई इंस्पेक्टर संदीप यादव के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ की टीम ने की। टीम में एएसआई प्रमोद मीणा समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि प्रतिबंधित मांझा के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि इस खतरनाक अवैध कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

सख्ती के बीच पुलिस की बड़ी सफलता: 45 मुकदमों वाला बदमाश गिरफ्तार, 7 वारदातों का खुलासा

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

शाहदरा। जिले में झपटमारी और वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच आनंद विहार थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी से सात वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है, जिनमें लक्ष्मी नगर, फर्श बाजार और आनंद विहार क्षेत्रों के मामले शामिल हैं। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार, अपराध पर नियंत्रण के लिए विशेष टीम गठित कर उसे सीसीटीवी फुटेज खंगालने, स्थानीय सूचना जुटाने और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी के निर्देश दिए गए थे। 28 जुलाई को गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को काले रंग की मोटरसाइकिल पर रोका, जो वाहन के कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में मोटरसाइकिल चोरी की पाई गई और आरोपी की पहचान राहुल उर्फ रोहित उर्फ मसाला (39) निवासी मंडावली के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने उक्त मोटरसाइकिल लक्ष्मी नगर क्षेत्र से चोरी की थी और अप्रैल माह में फर्श बाजार क्षेत्र से एक स्कूटी भी चुराई थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शाहदरा स्थित सीबीडी ग्राउंड के पास से स्कूटी बरामद कर ली। आरोपी चोरी के वाहनों का इस्तेमाल झपटमारी की वारदातों में करता था और बाद में उन्हें बेचने की फिराक में रहता था। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि आरोपी मंडावली थाने का घोषित बदमाश है और उसके खिलाफ झपटमारी, वाहन चोरी, चोरी और आर्म्स एक्ट सहित करीब 45 आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और उससे जुड़े अन्य मामलों के साथ-साथ चोरी के वाहनों के खरीदारों की पहचान की जा रही है।

जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत: दिल्ली सरकार ने मुकदमे नहीं बढ़ाने का लिया फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए प्रदर्शनों में शामिल लोगों को बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल आम नागरिकों के खिलाफ कोई भी प्रतिकूल या दंडात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस फैसले को स्थिति सामान्य बनाने तथा नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह राहत केवल उन लोगों के लिए है जिनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। सरकार ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप जिन व्यक्तियों के विरुद्ध पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं या जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें इस निर्णय का लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। सरकार के फैसले का लाभ उन प्रदर्शनकारियों को भी मिलेगा जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार या हिरासत में लिया था। संबंधित मामलों की समीक्षा कर बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की रिहाई की प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएगी। अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रदर्शन में भाग लेने के आधार पर किसी भी नागरिक के विरुद्ध भविष्य में नई दंडात्मक कार्रवाई या नया मुकदमा शुरू करने का उसका कोई इरादा नहीं है। सरकार ने इस पूरे प्रकरण को अब आधिकारिक रूप से समाप्त मानते हुए कहा है कि सामान्य नागरिकों को अनावश्यक कानूनी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि सरकार ने दोहराया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई जारी रहेगी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

आईजीआई हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए यात्री के पास से करीब नौ किलोग्राम विशिष्ट गांजा जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उसके पास से करीब नौ किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (विशिष्ट गांजा) जब्त किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हाइड्रोपोनिक वीड गांजे की एक ऐसी किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से युक्त पानी में उगाया जाता है इसमें नशीले रसायन की मात्रा अधिक होती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह यात्री बुधवार को बैंकॉक से यहां पहुंचा था। उसे आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली (एपीआईएस) प्रोफाइलिंग के आधार पर सीमा शुल्क के ग्रीन चैनल से निकलने के बाद रोका गया। बयान में कहा गया कि यात्री के सामान की एक्स-रे जांच के दौरान अधिकारियों को कुछ संदिग्ध तस्वीरें दिखाई दीं। बयान में बताया गया कि सामान की गहन जांच किए जाने पर उसमें हवा रहित पांच पैकेट बरामद हुए। इनमें हरे रंग का पदार्थ था, जिसके विशिष्ट गांजा होने की आशंका है। इसका कुल वजन 8,961 ग्राम है।

22 में से पांच नालों का काम पूरा, डीजेबी ने दी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने यमुना में गिरने वाले गंदे पानी को रोकने का काम तेज किया है। बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को बताया कि 22 चिह्नित नालों में से पांच का काम पूरा हो चुका है। डी-1, डी-2, एडी-2, एडी-8 और पंत नगर/लाजपत नगर नालों का मलजल सीधे यमुना में नहीं जा रहा है। एडी-3 और एडी-4 पर 25 फीसदी काम पूरा है, लक्ष्य 31 दिसंबर 2026 है। सड़क कटिंग की अनुमति न मिलने से एडी-9, एडी-10 और एडी-13 पर काम रुका है। केडी-18, केडी-19 और केडी-22 का सर्वे पूरा है, टेंडर प्रक्रिया जारी है, लक्ष्य 15 अगस्त 2026 है। ड्रेनेज विभाग द्वारा डिस्चार्ज प्वाइंट न देने से आठ अन्य नालों पर काम रुका है। जल बोर्ड ने एनजीटी को आश्वासन दिया, मंजूरियां मिलते ही शेष काम पूरा होगा।

लेदर पार्क परियोजना की पर्यावरण मंजूरी पर फिर होगी सुनवाई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की लेदर पार्क परियोजना को मिली पर्यावरण मंजूरी का मामला एक बार फिर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में सुना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एनजीटी ने करीब 13 साल पुराने इस मामले को दोबारा सुनवाई के लिए बहाल किया है। यह मामला वर्ष 2013 में दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम को वर्ष 2011 में मिली पर्यावरण मंजूरी को चुनौती दी गई थी। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 18 फरवरी को आदेश देते हुए एनजीटी के वर्ष 2020 के फैसले को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि पर्यावरण मंजूरी की जांच करने का अधिकार एनजीटी के पास है और सभी पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद एनजीटी की प्रधान पीठ ने मामले को फिर से खोल दिया है। अधिकरण ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया है कि मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को तय की जाए।

कांवड़ यात्रा: अधूरे सेवा शिविर और जर्जर सड़कें बनीं चुनौती

नई दिल्ली। सावन में पूर्वी दिल्ली से गुजरने वाले कांवड़ यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। शिवभक्तों के लिए लगाए जाने वाले सेवा शिविरों की तैयारियां अभी भी अधूरी हैं। वहीं, जर्जर सड़कें यात्रा को जोखिम भरा बना रही हैं। हर साल की तरह इस बार भी पूर्वी दिल्ली के विभिन्न मार्गों पर श्रद्धालुओं की विश्राम और जलपान की सुविधा के लिए कांवड़ सेवा शिविर लगाए जा रहे हैं। इस साल इन शिविरों की तैयारियों में काफी देरी देखी जा रही है। कई स्थानों पर टेंट तक नहीं लगाए गए हैं। पानी और बिजली अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। श्रद्धालुओं को आराम और जलपान जैसी सुविधाओं के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रशासन के दावे जमीनी हकीकत से दूर दिख रहे हैं। दिलशाद गार्डन, सीमापुरी, जीटी रोड, शाहदरा और मंडोली रोड पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं। कुछ जगहों पर सड़क की ऊपरी परत भी उखड़ चुकी है। नंगे पैर या साधारण चप्पलों में चलने वाले श्रद्धालुओं के लिए ये रास्ते चोटिल होने का कारण बन रहे हैं।

दिल्ली भाजपा का आप कार्यालय पर प्रदर्शन पेपर लीक पर दोहरे मापदंड का आरोप

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में कैनिंग लेन स्थित आम आदमी पार्टी (आप) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की बर्खास्तगी की मांग की। प्रदर्शन के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाने पहुंचाया, जहां करीब एक घंटे बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। प्रदर्शन में सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज, राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, योगिता सिंह, मोहनलाल गिहारा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। युवा मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और पूर्वांचल मोर्चे के हजारों कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी पर केंद्र और पंजाब में अलग-अलग रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में पेपर लीक के मुद्दे पर नैतिकता की बात करने वाली आप पंजाब में हुए कथित पेपर लीक मामलों पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि पंजाब में टीईटी, 12वीं अंग्रेजी, फार्मेसी ऑफिसर और अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के आरोप लगे हैं, लेकिन सरकार जवाबदेही तय नहीं कर रही। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र में इस्तीफा, पंजाब में संरक्षण यही है आप का दोहरा चरित्र। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा क्रांति के बजाय पेपर लीक क्रांति बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मांग की है कि पंजाब के शिक्षा मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और छात्रों से माफी मांगी जाए। प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि पंजाब में पेपर लीक के मुद्दे पर पहले चुप्पी और फिर इनकार करने की कोशिश से युवाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम आदमी पार्टी का दोहरा रवैया उजागर हुआ है। सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने कहा कि संसद में पेपर लीक पर चर्चा से विपक्ष बचता रहा, जबकि पंजाब के मामलों पर भी आप नेतृत्व ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। सांसद कमलजीत सहरावत ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों में पंजाब में कई पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं, लेकिन राज्य सरकार उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी गलती स्वीकार किए बिना सुधार संभव नहीं है। सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि फार्मेसी परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में भी आम आदमी पार्टी की चुप्पी सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए एंटी-पेपर लीक कानून का विपक्ष ने विरोध किया, जबकि पंजाब के मामलों में जवाबदेही से बचा जा रहा है। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने भी पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि पेपर लीक के मुद्दे पर पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लिया जाना चाहिए। भाजपा ने आप को चेतावनी दी कि जब तक पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय नहीं होती और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उसका आंदोलन जारी रहेगा।

युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में केरल हाउस से जंतर-मंतर तक विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शन के दौरान उदय भानु चिब ने कहा कि छात्रों पर कथित बल प्रयोग के मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि छात्रों पर पैलेट गन और घातक बल का इस्तेमाल गृह मंत्री के निर्देश पर हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, और यदि उनकी जानकारी के बिना ऐसा हुआ है तो यह देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। चिब ने कहा कि युवा कांग्रेस छात्रों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने लोकसभा में गृह मंत्री की मौजूदगी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें सदन में आकर इस मामले पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि छात्रों पर हमला करने वालों को सजा मिलनी चाहिए और न्याय सुनिश्चित होना चाहिए। आंदोलन जारी रहेगा युवा कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से गृह मंत्री अमित शाह को पद से हटाने, मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच कराने और नैतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग की। संगठन ने कहा कि मांगें पूरी होने तक उसका आंदोलन जारी रहेगा।

दिल्ली भाजपा का आआपा कार्यालय पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में कैनिंग लेन स्थित आम आदमी पार्टी (आआपा) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की बर्खास्तगी की मांग की। प्रदर्शन के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाने पहुंचाया, जहां करीब एक घंटे बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। प्रदर्शन में सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज, राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, योगिता सिंह, मोहनलाल गिहारा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। युवा मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और पूर्वांचल मोर्चे के हजारों कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी पर केंद्र और पंजाब में अलग-अलग रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में पेपर लीक के मुद्दे पर नैतिकता की बात करने वाली आआपा पंजाब में हुए कथित पेपर लीक मामलों पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि पंजाब में टीईटी, 12वीं अंग्रेजी, फार्मेसी ऑफिसर और अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के आरोप लगे हैं, लेकिन सरकार जवाबदेही तय नहीं कर रही। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र में इस्तीफा, पंजाब में संरक्षण यही है आआपा का दोहरा चरित्र। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा क्रांति के बजाय पेपर लीक क्रांति बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मांग की है कि पंजाब के शिक्षा मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और छात्रों से माफी मांगी जाए। प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि पंजाब में पेपर लीक के मुद्दे पर पहले चुप्पी और फिर इनकार करने की कोशिश से युवाओं में आक्रोश है।

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गिरोह जुड़े नाबालिग सहित दो पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में अपराध शाखा की टीम के साथ मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गिरोह के एक संदिग्ध सदस्य और एक किशोर को पकड़ लिया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ रोहिणी के सेक्टर 29 के पास तब हुई, जब एक पुलिस टीम ने स्कूटर पर खेड़ा खुर्द की ओर से आ रहे दो लोग को रुकने का इशारा किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों द्वारा गोली चलाने के बाद जवाबी कार्रवाई की गई और कुछ देर तक पीछा करने के बाद पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

रोहिणी: 7,250 व 1,200 क्वार्टर अवैध शराब पकड़ी, दो सप्लायर गिरफ्तार; पायलट कार, कार व टेंपो जब्त

नई दिल्ली, प्रातः किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। रोहिणी जिले में अवैध शराब के खिलाफ स्पेशल स्टाफ की कार्रवाई में दो अलग-अलग मामलों में कुल 8,450 क्वार्टर शराब बरामद कर दो सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सप्लाई में इस्तेमाल पायलट कार, एक अन्य कार और टेंपो भी जब्त किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि अभियान के तहत लगातार सप्लाई चेन को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 28-29 जुलाई की रात पीएस प्रेम नगर क्षेत्र में मिली सूचना पर इंदर एन्क्लेव, किराड़ी सुलेमान नगर के पास घेराबंदी की गई। यहां एक टेंपो को एस्कॉर्ट कर रही पायलट कार को रोका गया। कार चालक कुलदीप उर्फ दीपू (39) को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि टेंपो चालक मौके से फरार हो गया। तलाशी में टेंपो से 7,250 क्वार्टर अवैध शराब बरामद हुई। इसी क्रम में 28 जुलाई को एक अन्य कार्रवाई में टीम ने एक कार को रोककर जांच की, जिसमें से 1,200 क्वार्टर अवैध शराब बरामद हुई। कार चालक श्री भगवान (52) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में आरोपियों के नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

ग्लोबल टाइगर डे पर दिल्ली चिड़ियाघर में जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) में मंगलवार को ग्लोबल टाइगर डे 2026 के अवसर पर जागरूकता व शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिनभर चले कार्यक्रमों में करीब 900 लोगों ने हिस्सा लिया। शुरुआत एग्जिट गेट पर डूडल एक्टिविटी व जागरूकता वार्ता से हुई। इसके बाद बाघों से जुड़े क्विज प्रतियोगिता में 40 लोगों ने भाग लिया। टाइगर एनक्लोजर में कीपर्स टॉक के दौरान जू कीपर्स ने बाघों के व्यवहार, खान-पान व देखभाल की जानकारी दी, जिसमें 300 लोग शामिल हुए। वहीं, रीवा के सफेद बाघ मोहन व उसके वंशज विषय पर ऑनलाइन वेबिनार भी आयोजित किया गया। शाम को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया व ईआईएसीपी के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों ने टाइगर संरक्षण की शपथ ली। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने कहा कि बाघ वन्यजीव संरक्षण व स्वस्थ पारिस्थितिकी के लिए अहम हैं।

दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों के लिए जंतर-मंतर को बंद करने के दावों को किया खारिज

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों को गलत और गुमराह करने वाला बताकर खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के लिए बंद या सील कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि यह जगह अधिकृत और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए उपलब्ध है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल रही ये अफवाहें कि जंतर-मंतर पर अब विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं है, पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और कोर्ट के आदेश के पालन में दिल्ली पुलिस द्वारा जारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के अनुसार, जंतर-मंतर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के लिए एक सक्रिय और अधिकृत जगह बनी है। दिल्ली पुलिस ने एक्स पर कहा कि मौजूदा एसओपी के तहत, सक्षम अधिकारी की मंजूरी मिलने पर विरोध स्थल पर 1,000 लोगों तक के जमावड़े की अनुमति दी जा सकती है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट की जा रही थीं जिनमें दावा किया गया था कि विरोध प्रदर्शन की यह मशहूर जगह प्रदर्शनों के लिए बंद कर दी गई है। पुलिस ने नागरिकों से यह भी अपील की कि वे बिना पुष्टि की गई जानकारी पर विश्वास न करें और न ही उसे फैलाएं। साथ ही उन्होंने सलाह दी कि सही और सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

एनसीआरटीसी स्टाफ की सतर्कता से बच्चा सकुशल परिजनों से मिला

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नमो भारत कॉरिडोर पर एनसीआरटीसी के स्टेशन स्टाफ ने सतर्कता दिखाते हुए एक बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया। एक संदिग्ध महिला बच्चे को लेकर सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर पहुंची थी। स्टॉफ ने संबंधित महिला को दिल्ली पुलिस को सौंपा है। एनसीआरटीसी के अनुसार, स्टेशन स्टाफ ने एक महिला को एक बच्चे के साथ यात्रा करते हुए देखा। बच्चा लगातार रो रहा था और काफी परेशान था। उसकी असहज स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों को संदेह हुआ। पूछताछ में महिला ने बच्चे को अपना बताया, लेकिन बच्चे ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया। स्टेशन स्टाफ ने तुरंत मामले की सूचना स्टेशन कंट्रोलर को दी। स्टेशन कंट्रोलर ने तुरंत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और दिल्ली पुलिस को भी सूचना दी। साथ ही बच्चे के परिजनों से संपर्क किया। आगे की जांच के लिए महिला और बच्चे को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया, जिसके बाद बच्चे को सकुशल उसके परिवार से मिलाया गया। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने कहा कि कर्मचारियों की संवेदनशीलता और सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई। नमो भारत परियोजना में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी स्टेशनों और ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जाती है। इन कैमरों की लाइव फीड स्टेशन कंट्रोल रूम के साथ दुहाई स्थित सिक्योरिटी कंट्रोल सेंटर तक पहुंचती है, जहां से पूरे कॉरिडोर पर नजर रखी जाती है।

जहाँगीर पुरी के साथ सौतेला व्यवहार अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : एम एल भास्कर

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी एससी विभाग के चेयरमैन एम एल भास्कर ने कहा कि बादली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जहाँगीर पुरी के लाखों निवासी वर्षों से मूलभूत नागरिक सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। एम एल भास्कर ने बताया कि जहाँगीर पुरी में आए दिन गंदे और दूषित पानी की सप्लाई हो रही है, जिससे हजारों परिवारों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई स्थानों पर सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है और नालों की समय पर सफाई न होने के कारण थोड़ी सी बारिश में ही जलभराव की स्थिति बन जाती है। पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आने वाले बड़े नालों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी और बदबू का वातावरण बना रहता है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा बुजुर्गों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों की पेंशन से जुड़े मामलों का समय पर निस्तारण नहीं हो रहा है, जिससे अनेक पात्र नागरिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी जरूरतमंद लोगों तक समय पर नहीं पहुँच रहा है। एम एल भास्कर ने कहा कि क्षेत्र में कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं, जिससे रात के समय दुर्घटनाओं और असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। आवारा पशुओं की समस्या, टूटी हुई गलियाँ, जाम सीवर लाइनें और अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था ने आम जनता का जीवन और अधिक कठिन बना दिया है। एम एल भास्कर ने कहा कि जहाँगीर पुरी की जनता अब उपेक्षा और सौतेले व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी। यदि शीघ्र ही गंदे पानी की सप्लाई, सीवर और नालों की सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के रखरखाव, पेंशन तथा अन्य लंबित जनसमस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी एससी विभाग के नेतृत्व में दिल्ली सरकार, संबंधित विभागों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन और जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा।

एसएफआई पदाधिकारी आइशी घोष के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने 2021 के एक मामले में एसएफआई की संयुक्त सचिव आइशी घोष के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) वाम दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र ईकाई है। अदालत ने घोष के पेश होने के बाद न्यायिक दंडाधिकारी विजयश्री राठौर ने घोष के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द कर दिए। इससे पहले बुधवार को, अदालत ने उनके खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट पर रोक लगा दी थी। घोष के वकील ने अदालत को सूचित किया था कि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण उनकी मुवक्किल सुनवाई की पिछली तारीख पर पेश नहीं हो सकी थीं। यह मामला घोष के खिलाफ 2021 में बाराखंबा रोड पुलिस थाना में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है।

डीयू में अनुबंध कर्मियों को निकालने की नहीं है कोई योजना : प्रो. योगेश सिंह

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में अनुबंध आधार पर लगे गैर शिक्षण कर्मचारियों को निकालने की कोई भी योजना विचाराधीन नहीं है। कुलपति ने यह बात दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक में इस मामले पर चर्चा के दौरान कही। डीयू ईसी की 1283 वीं बैठक का आयोजन गुरुवार को कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में शून्य काल के दौरान ईसी सदस्यों ने अनेक मुद्दों पर गहन चर्चा की। ज्ञात हो कि डीयू में बड़ी संख्या में अनुबंध पर कर्मचारी काम करते हैं। कार्यकारी परिषद की बैठक में दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों (कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों सहित) के आश्रितों को सोशल सिक्योरिटी फायदे देने के लिए ह्यलाइफ इंश्योरेंस स्कीमह्ल की ह्यग्रुप इंश्योरेंस स्कीमह्ल को लागू करने की मंजूरी प्रदान कर दी गई है। इसके तहत मास्टर पॉलिसी के जरिए 20 लाख रुपये का कवरेज मिलेगा, जिसके लिए हर सब्सक्राइबर को हर महीने 500 रुपये के साथ जीएसटी का प्रीमियम देना होगा। यह कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक स्कीम है। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले 5 वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय को दुनिया के सर्वोच्च 200 विश्वविद्यालयों में शामिल करना है।

कांवड़ यात्रा पर ट्रैफिक पुलिस का वार मोड अक्षरधाम पर संयुक्त आयुक्त की सख्त समीक्षा

नई दिल्ली, प्रातः किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा-2026 और मानसून की दोहरी चुनौती के बीच दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। गुरुवार को संयुक्त आयुक्त (ट्रैफिक) ने अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन पर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर कांवड़ मार्गों पर सुचारु यातायात और कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान तैनाती योजना, फील्ड तैयारियों और मानसून से निपटने की रणनीति का बारीकी से आकलन किया गया। अधिकारियों और जवानों को सतर्क, अनुशासित और हर स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात बाधित न हो और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न उठानी पड़े। पेट्रोलिंग मोटरसाइकिलों की ऑपरेशनल तैयारी की भी समीक्षा की गई। इन्हें रणनीतिक रूप से तैनात रखने के निर्देश दिए गए, ताकि जाम, जलभराव, सड़क अवरोध, दुर्घटना और अन्य आपात स्थितियों में तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जा सके। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखने और ट्रैफिक कंट्रोल रूम के साथ रीयल टाइम समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया। संयुक्त आयुक्त ने नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण दोहराते हुए सभी कर्मियों को कांवड़ियों और आम नागरिकों के प्रति शिष्ट और सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए, साथ ही आपातकालीन वाहनों की निर्बाध आवाजाही हर हाल में सुनिश्चित करने को कहा। ट्रैफिक पुलिस पूर्वी रेंज के उपायुक्त के. रमेश के अनुसार, व्यापक योजना, प्रभावी तैनाती और मजबूत मानसून तैयारियों के जरिए कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और बाधारहित बनाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी में एमए और बीए एजुकेशन में स्पॉट एडमिशन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी (डीटीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एमए (एजुकेशन) और बीए ऑनर्स (एजुकेशन) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर स्पॉट प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 23 अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने प्रवेश कार्यक्रम और विस्तृत दिशा-निर्देश अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजीव राय ने बताया कि स्पॉट प्रवेश का उद्देश्य रिक्त सीटों पर योग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश का अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में ऐसे सीयूईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जो किसी कारणवश पहले प्रवेश नहीं ले सके थे, वे भी नॉन-सीयूटी अभ्यर्थियों के साथ आवेदन कर सकते हैं। आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिशन कमेटी की अध्यक्षा डॉ. सरोज मलिक ने अभ्यर्थियों से आवेदन करने से पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों और प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। प्रवेश से जुड़ी विस्तृत जानकारी और ऑनलाइन आवेदन विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। डीयू पीजी स्पॉट राउंड-1 में 1,358 सीटों का आवंटन: दिल्ली विश्वविद्यालय के दो वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के स्पॉट राउंड-1 में 1,358 अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की गई हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, इस दौर में शामिल होने के लिए 10,577 अभ्यर्थियों ने अपनी सहमति (कंसेंट) दी थी। सीट आवंटित होने वाले अभ्यर्थियों को 31 जुलाई, 2026 को शाम 4:59 बजे तक अपनी सीट स्वीकार करनी होगी। इसके बाद विश्वविद्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश की अगली कार्रवाई करेगा।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण
देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026

फरीदाबाद में सफाई कर्मचारियों ने फूंका पंजाब सीएम का पुतला

बरनाला में लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन, दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

पंजाब। के बरनाला में सफाई कर्मचारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को फरीदाबाद में सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने बादशाह खान चौक पर पंजाब के सीएम भगवंत मान का पुतला फूंका और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने और घायल कर्मचारियों को न्याय व मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, 22 जुलाई को पंजाब के बरनाला में सफाई कर्मचारी अपनी स्थानीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि इस कार्रवाई में महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया और कई महिला कर्मचारी घायल हो गईं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लाठीचार्ज करने वाले पुलिस अधिकारी को पंजाब सरकार ने निलंबित कर दिया है, लेकिन वे इससे संतुष्ट नहीं हैं। कर्मचारियों की मांग है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए और उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया जाए।

दोषी अधिकारियों की बर्खास्तगी की मांग

नगर पालिका संघ हरियाणा के जिला सचिव अनिल चंडालिया ने कहा कि बरनाला में सफाई कर्मचारियों के साथ हुई घटना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान महिला कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की गई।

हरियाणा के कर्मचारियों में रोष

चंडालिया ने कहा कि पंजाब हरियाणा का पड़ोसी राज्य है और इस घटना को लेकर हरियाणा के सफाई कर्मचारियों में काफी रोष है। उन्होंने पंजाब सरकार से मांग की कि केवल निलंबन की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें बर्खास्त किया जाए और लाठीचार्ज में घायल कर्मचारियों को उचित मुआवजा दिया जाए।

गुरुग्राम नए स्कूल भवन का शिलान्यास

विधायक मुकेश शर्मा बोले- 20 आधुनिक कमरे बनेंगे, 25 करोड़ के विकास कार्य होंगे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के अर्जुन नगर स्थित राजकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय (कमेटी स्कूल) के नए भवन की आधारशिला रखी गई। गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह शिलान्यास किया। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने विधायक का स्वागत किया। विधायक मुकेश शर्मा ने बताया कि नए स्कूल भवन में लगभग 20 आधुनिक कमरे बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक माहौल प्रदान करना है। उन्होंने घोषणा की कि इस परियोजना का निर्माण कार्य आगामी 15 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। विधायक मुकेश शर्मा बोले- अन्य स्कूलों के लिए 7:5 करोड़ मंजूर विधायक ने अर्जुन नगर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हालिया बजट में सड़कों के निर्माण, सीवर लाइन सुधार और अन्य आधारभूत सुविधाओं के लिए 25 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त, गोशाला ग्राउंड स्थित एक अन्य स्कूल के लिए भी 7.5 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा किसी भी समृद्ध समाज और देश के विकास की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार विश्वस्तरीय शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में यह लोग रहे मौजूद शिलान्यास समारोह में वार्ड-30 की पार्षद मधु यशपाल बत्रा, हरविंदर शर्मा, बोधराज सीकरी, ओम प्रकाश, नरेंद्र दुआ, अनिल, प्रधान दलीप कुमार, वेद प्रकाश गुलाटी, आलोक अरोड़ा, सुनील आहूजा, चिंतामणि, सुदेश वर्मा, श्रीमती अंजली राही, श्रीमती रितु गांधी, अर्जुन मंडल अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, नरेश, नंद गाबा, पंकज महाजन, दीपक राही, प्रधानाचार्य नरेश तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक और छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

ह्यपति को दूसरों के सामने भाई बताती थी हनीट्रैप मास्टरमाइंड

गुरुग्राम में दूसरा पति सामने आया, बोला- रेप केस में समझौते के लिए लैब ऑनरशिप मांगी

प्रात : किरण संवाददाता

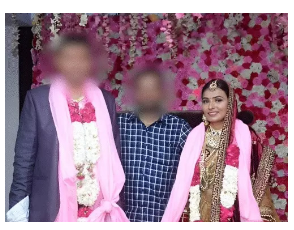

गुरुग्राम। वर्षा ने तीनों शादी इसी तरह की। सचिन को छोड़कर रियल एस्टेट कारोबारी संदीप से बिना तलाक लिए ही तीसरी शादी की। शादी के बाद वर्षा ने संदीप के साथ अपना रिश्ता भी छिपाए रखा। उसने संदीप को यहां तक कह दिया कि किसी के पूछने पर हमें भाई-बहन बता दे। सचिन ने दावा किया कि फर्जी मुकदमे में फंसाने के बाद वर्षा समझौते के बदले उनकी लैब तक हड़पना चाहती थी। लैब से हर महीने करीब 15 लाख रुपए की कमाई होती थी। इसके बाद वर्षा ने तीसरे पति से 2 करोड़ रुपए का फ्लैट खरीदवाने का भी प्लान बनाया। अब जानिए पहले पति सचिन ने क्या बताया रिसेप्शनिस्ट की नौकरी दीः सोनीपत की रहने वाली वर्षा गुरुग्राम में कारोबारियों को फंसाती थी। उसने पहली शादी राजस्थान के अंकित चौधरी से की। अंकित के बाद वर्षा की जीवन में सचिन की एंट्री हुई। सचिन ने बताया कि उनकी गुरुग्राम में एक लैब है। इसी लैब में वर्षा रिसेप्शनिस्ट की जॉब पर आई थी। वर्षा को जॉब से हटायाः सचिन ने बताया कि वर्षा के जॉब जॉइन करने के शुरूआत कुछ महीनों तक सब कुछ ठीक रहा। मगर कुछ समय बाद लैब के लेनदेन में गड़बड़ी होने लगी। मुझे वर्षा की गतिविधियां भी संदिग्ध लगने लगी। इसके बाद मैंने वर्षा को जॉब से हटा दिया। भतीजे के साथ होटल गईः सचिन के अनुसार, जॉब जाने के बाद उसने मुझसे बदला लेने की ठान ली। साजिश रचनी शुरू कर दी। उसने मेरे एक भतीजे को फंसा लिया और कंपनी के डॉक्यूमेंट्स लेने शुरू कर दिए। वो भतीजे के साथ होटल में जाती थी, होटल में मेरे डॉक्यूमेंट ही यूज करती थी। समझौते में वर्षा से शादी कीः सचिन ने कहा, पुलिस और समाज के दबाव से मैं टूट चुका था। वर्षा ने इस स्थिति का फायदा उठाया और मेरी पहली पत्नी से तलाक के लिए कोर्ट में डॉक्यूमेंट जमा करवा दिए। बदनामी के डर से मैंने मजबूरी में वर्षा से शादी कर ली। जबकि पहले से ही मेरे 2 बच्चे भी थे। शादी के बाद मैंने वर्षा की पूरी डिटेल निकालनी शुरू कर दी।

गुरुग्राम में 40 लाख की ड्रग्स के साथ पकड़ा पायलट

लग्जरी कार में छिपाकर लाया, नोएडा की पॉश सोसाइटी में निवास; VIP प्लेन उड़ाता था

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में एक प्राइवेट एयरलाइन का पायलट ड्रग्स की बड़ी खेप के साथ पकड़ा गया। वो अपनी लग्जरी कार में ड्रग्स को नोएडा से छिपाकर लाया था। ड्रग्स की मात्रा 814 ग्राम है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 40 लाख रुपए के करीब आंकी जा रही है। आरोपी के पास एयर पायलट लाइसेंस है और वह पहले एक प्राइवेट एयरलाइन में पायलट के तौर पर काम करता था, लेकिन अभी वह प्राइवेट फर्म में चार्टर्ड प्लेन उड़ाता है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि उन्हें काफी दिनों से इसको लेकर जानकारी मिल रही थी। जिसके बाद आज सुबह 10 बजे सेक्टर-103 के पास नाकाबंदी कर एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया।

केरल का रहने वाला है आरोपीः पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान केरल निवासी अरशद अली (32) उर्फ अज्जू के रूप में की है। वह वर्तमान में गुरुग्राम के दौलताबाद स्थित लैंडमार्क सोसायटी में रह रहा था।

प्राइवेट एयरलाइंस में था पायलटः जांच में सामने आया कि अरशद एक नामी प्राइवेट एयरलाइंस में बतौर पायलट काम करता था। वो वीआईपी चार्टर्ड प्लेन उड़ाता है। पुलिस के अनुसार, वह नौकरी की आड़ में लंबे समय से ड्रग्स तस्करी में शामिल था।

814 ग्राम MDMA के साथ गिरफ्तारीः क्राइम ब्रांच सेक्टर-39 को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक कार में भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर गुरुग्राम पहुंचने वाला है। इसके बाद सेक्टर-103 के पास नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से 814 ग्राम कमर्शियल मात्रा में MDMA बरामद हुई।

नशे की लत से बना तस्करः पुलिस पूछताछ में अरशद ने बताया कि शुरूआत में वह खुद ड्रग्स का सेवन करता था। धीरे-धीरे नशे की लत बढ़ने के कारण पैसों की जरूरत हुई और इसी वजह से वह ड्रग्स तस्करी में उतर गया।

रिमांड पर लेकर होगी पूछताछः एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ राजेंद्र पार्क थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। कमर्शियल मात्रा में टळ्अ बरामद होने के कारण आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि पूरे ड्रग सिंडिकेट का खुलासा किया जा सके।

हरियाणा- 5.5 करोड़ की कार मॉडल पर कांवड़

चलता-फिरता जिम और ह्यगोल्डन कांवड़ह्ण को देखने उमड़ी भीड़; कांवड़िए बोले-नशा छोड़ जिम अपनाओ

प्रात : किरण संवाददाता

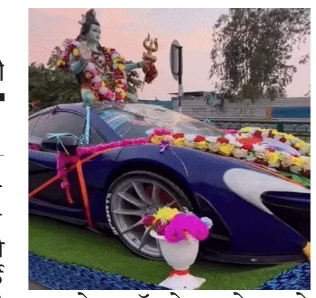

सावन की शुरूआत के साथ हरियाणा में कांवड़ यात्रा भी रफ्तार पकड़ चुकी है। इस बार शिवभक्त सिर्फ आस्था ही नहीं, बल्कि अपनी क्रिएटिविटी और अलग अंदाज से भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। कोई 5.5 करोड़ रुपए कीमत की लग्जरी कार के मॉडल पर कांवड़ लेकर निकल रहा है तो कोई चलते-फिरते जिम वाली कांवड़ के जरिए फिटनेस का संदेश दे रहा है। गुरुग्राम से सटे नजफगढ़ के युवाओं की ऐसी ही जिम कांवड़ यात्रा लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नजफगढ़ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपने साथियों के साथ कांवड़ को एक ह्यचलते-फिरते जिम का रूप दिया है। एक बड़े वाहन पर जिम के उपकरण जैसे डंबल्स, बारबेल्स और पुल-अप बार लगाए गए हैं। यात्रा के दौरान भजन बजते ही ये युवा व्यायाम करते हैं और फिर कांवड़ लेकर आगे बढ़ते हैं। युवाओं का संदेश है कि शिव भक्ति के साथ-साथ मजबूत और स्वस्थ शरीर भी बेहद जरूरी है।

फरीदाबाद में यूपी के व्यक्ति ने किया सुसाइडकमरे में फांसी से लटका मिला शव

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के सदर थाना क्षेत्र के सोतई गांव में बुधवार देरा रात किराए के कमरे में रह रहे एक 38 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता उस समय चला जब मकान मालिक किसी काम से उसके कमरे के पास पहुंचा और काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल भेज दिया। सदर थाना प्रभारी प्रकाश चंद ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली थी कि सोतई गांव में किराए के कमरे में रहने वाले एक व्यक्ति ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान 38 वर्षीय हरमीत के रूप में हुई, जो गांव मंगता बैरामपुर, जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला था। पुलिस जांच में सामने आया कि हरमीत करीब 15 दिन पहले ही सोतई गांव में मकान मालिक पिंटू के मकान में किराए पर रहने आया था। वह फरीदाबाद में राजमिस्त्री का काम करता था, जबकि उसका परिवार अलीगढ़ में रहता है। मकान मालिक पिंटू ने पुलिस को बताया कि वह गया था। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसे अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को दी सूचना पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा खुलवाया। अंदर हरमीत गमछे के सहारे फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई। थाना प्रभारी प्रकाश चंद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि हरमीत पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था। हालांकि, उसने यह कदम किस कारण उठाया, इसका स्पष्ट पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम में 100 करोड़ ठेके के सामने कारोबारी का मर्डर

फ्लावर शॉप में खून से लथपथ शव मिला, रात में झगड़े की आशंका

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में पॉश इलाके डीएलएफ फेज-1 में एक फूल कारोबारी की हत्या कर दी गई है। उसका खून से लथपथ शव उसकी फूलों की शॉप में मिला है। यह शॉप शहर के सबसे व्यस्त इलाके और 100 करोड़ के ठेके जी-टाउन वाइन शॉप और ब्रिस्टल होटल के सामने है। मृतक की पहचान बिहार के मोतिहारी के रहने वाले संजय के रूप में हुई है। पास के दुकानदार दीपक यादव ने बताया कि ह्यखुशी फ्लोरिस्टह्ण नाम से फूलों की दुकान चलाने वाले राजा ने उसे कॉल किया कि उसके भाई संजय के साथ कुछ अनहोनी हो गई है और वह तुरंत दुकान के अंदर जाकर देखें। दीपक जब दुकान के भीतर पहुंचा तो वहां का नजारा बेहद खौफनाक था। संजय का शव पड़ा हुआ था। उनके सिर पर किसी भारी चीज से वार किए जाने के गहरे निशान थे और खून फैला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही डीएलएफ फेज-1 थाना पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंची। परिजनों के मुताबिक बुधवार की रात संजय का दुकान पर ही किसी राजा नाम के व्यक्ति के साथ झगड़ा हुआ था। आस-पास के दुकानदारों ने भी रात में बहस होने की आवाजें सुनी थीं। दीपक यादव ने पुलिस को दी शिकायत में साफ तौर पर हत्या का शक जताया है। आशंका है कि किसी रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस खंगाल रही है सीसीटीवी फुटेज पॉश इलाके में हुई इस वारदात के बाद पुलिस बेहद सतर्कता से काम कर रही है। अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की तीन टीमें इस केस को सुलझाने में जुटी हैं। जी-टाउन वाइन शॉप और आस-पास के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि रात में दुकान के भीतर आने-जाने वाले संदिग्धों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। संजय बिहार के पूर्वी चंपारण के मोतिहारी का रहने वाला था। 32 साल के संजय के दो बच्चे हैं एक लड़का एक लड़की है। राजा उसका छोटा भाई है।

फरीदाबाद में बंद कमरे से मिली व्यक्ति की लाश

गला काटकर हत्या की आशंका, 15 दिन पहले एमपी की महिला ने किराए पर लिया

प्रात : किरण संवाददाता

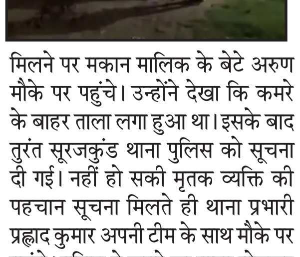

फरीदाबाद। के सूरजकुंड थाना क्षेत्र के अनंगपुर गांव में एक किराए के कमरे से एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की गर्दन पर गहरे कट के निशान मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या किसी तेजधार हथियार से की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। वहीं, जिस महिला ने यह कमरा किराए पर लिया था, पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार तड़के करीब 3 बजे मकान में रहने वाले अन्य किराएदारों को एक कमरे से तेज बदबू आने लगी। बदबू इतनी ज्यादा थी कि वहां रहना मुश्किल हो गया। इसके बाद किराएदारों ने मकान मालिक को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर मकान मालिक के बेटे अरुण मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि कमरे के बाहर ताला लगा हुआ था। इसके बाद तुरंत सूरजकुंड थाना पुलिस को सूचना दी गई। नहीं हो सकी मृतक व्यक्ति की पहचान सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रह्लाद कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे के अंदर करीब 35 से 40 वर्ष के एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था। शव काफी सड़ चुका था और पूरे कमरे में तेज दुर्गंध फैली हुई थी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने कमरे की तलाशी ली, लेकिन वहां से मृतक की पहचान से जुड़ा कोई आधार कार्ड, पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिला। जांच के दौरान पुलिस ने मकान मालिक की पहचान दयाचंद भड़ाना के रूप में की, जो सेना से सेवानिवृत्त हैं। अरुण ने पुलिस को बताया कि करीब 15 से 16 दिन पहले मध्य प्रदेश की रहने वाली अनीता नाम की एक महिला ने यह कमरा किराए पर लिया था। उसने किराए के समय अपना आधार कार्ड और मोबाइल नंबर भी दिया था। अरुण ने बताया कि पिछले करीब पांच दिनों से अनीता कमरे पर नहीं आई थी और कमरा बाहर से बंद था। अब उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। मकान में रहने वाले अन्य किराएदारों ने भी पुलिस को बताया कि उन्होंने मृतक व्यक्ति को पहले कभी वहां नहीं देखा था। उन्हें यह भी नहीं पता कि वह व्यक्ति कमरे में कब आया और वहां कैसे पहुंचा। पुलिस ने शव की जांच के दौरान देखा कि मृतक की गर्दन पर गहरे कट के निशान हैं। शव के पास खून के निशान भी मिले। इससे पुलिस को आशंका है कि किसी ने तेजधार हथियार से उसकी हत्या की है। हालांकि, मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। सूरजकुंड थाना प्रभारी प्रह्लाद कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। कमरे का ताला तोड़कर अंदर देखा गया तो एक व्यक्ति का शव मिला। शव करीब पांच दिन पुराना लग रहा है और काफी सड़ चुका था। शव की गर्दन पर कट का निशान मिला है, इसलिए हत्या की आशंका के आधार पर जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि जिस महिला ने कमरा किराए पर लिया था, उसकी तलाश की जा रही है। उसके द्वारा जमा कराए गए आधार कार्ड और मोबाइल नंबर के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस आसपास रहने वाले लोगों और अन्य किराएदारों से भी पूछताछ कर रही है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हत्या के कारणों और पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा।

फरीदाबाद में 6-7 माह का भ्रूण मिला

अलफलाह यूनिवर्सिटी के पास पड़ा, लाल कपडे.में लिपटा, पुलिस खंगाल रही उउळश

फरीदाबाद। के धौज क्षेत्र में अलफलाह यूनिवर्सिटी के पास बुधवार को 6-7 महीने का एक भ्रूण मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी सबसे पहले स्थानीय लोगों को उस समय हुई, जब उन्होंने सरकारी पोस्ट ऑफिस के पास लाल रंग के कपड़े में कुछ लिपटा हुआ देखा। लोगों ने पास जाकर देखा तो उसमें एक भ्रूण था। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-112 की ईआरवी टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली। थाना धौज क्षेत्र के अंतर्गत डायल-112 ईआरवी में तैनात एएसआई गजराज ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि अलफलाह यूनिवर्सिटी के पास स्थित सरकारी पोस्ट ऑफिस के निकट लाल रंग के कपड़े में 6-7 महीने का एक मृत भ्रूण पड़ा हुआ है।

कांवड़ यात्रा को लेकर गुरुग्राम पुलिस अलट

गुरुग्राम। रेलवे स्टेशन पर आगामी कांवड़ यात्रा और 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बुधवार को रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में डॉग स्क्वाड, जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और पार्किंग क्षेत्र की गहन तलाशी ली गई। डॉग स्क्वाड की मदद से यात्रियों के सामान और स्टेशन परिसर के संदिग्ध स्थानों की बारीकी से जांच की गई।

फरीदाबाद में नकली फार्मा केमिकल का बड़ा भंडाफोड़

24.83 लाख का माल जब्त, कंपनी मैनेजर गिरफ्तार; नकली दवा नेटवर्क की जांच तेज

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने फरीदाबाद में फार्मास्युटिकल ग्रेड प्रोपिलीन ग्लाइकोल की कथित जालसाजी का बड़ा मामला पकड़ा है। सेक्टर-69 आईएमटी स्थित एक कंपनी में की गई कार्रवाई के दौरान विभाग की टीम ने करीब 24.83 लाख रुपए का संदिग्ध सामान जब्त किया। मामले में कंपनी के मैनेजर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है। एफडीए के मुताबिक, शिकायत के आधार पर कंपनी में छापेमारी की गई थी। जांच के दौरान आरोप सामने आया कि चीन से मंगाए गए इंडस्ट्रियल ग्रेड प्रोपिलीन ग्लाइकोल को एक प्रतिष्ठित निमार्ता के ब्रांड नाम वाले ड्रमों में भरकर फार्मास्युटिकल ग्रेड केमिकल के तौर पर बाजार में भेजने की तैयारी थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि प्रोपिलीन ग्लाइकोल का इस्तेमाल कफ सिरप सहित कई दवाओं के निर्माण में एक्सिपिएंट (सहायक घटक) के रूप में किया जाता है। इसलिए इसकी गुणवत्ता और शुद्धता बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के निर्देश, एफडीए आयुक्त डॉ. मनोज कुमार और राज्य औषधि नियंत्रक रिपन मेहता के नेतृत्व में नकली और मिलावटी दवाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान टीम को प्रोपिलीन ग्लाइकोल से भरे 42 ड्रम मिले। इसके अलावा इंडस्ट्रियल ग्रेड केमिकल के खाली ड्रम, ट्रांसफर पंप, ब्रांडेड सीलिंग कवर और सीलिंग वायर भी बरामद किए

गुरुग्राम मिनी सचिवालय पर बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

डिस्कॉम के गठन, निजीकरण का विरोध, बोले- मांगें न मानी तो होगा अनिश्चितकालीन आंदोलन

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं उपभोक्ता संघर्ष मंच के बैनर तले बिजली निगम के निजीकरण के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली बचाओ-देश बचाओ और निजीकरण बंद करो के नारे लगाते हुए राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यह विरोध प्रदर्शन सरकार की बिजली वितरण क्षेत्र में पैरेलल लाइसेंसिंग और निजीकरण की नीतियों के खिलाफ था। संयुक्त मोर्चा के बैनर तले आयोजित इस धरने में पावर एसोसिएशन, वर्कर यूनियनों और किसान संगठनों ने एकजुट होकर अपना समर्थन दर्ज कराया। कर्मचारी बोले- किसानों को सस्ती बिजली का प्रलोभन पूरी तरह से निराधार कर्मचारी नेता मनमोहन, जीत सिंह ने इस दौरान कहा कि डिस्कॉम के समानांतर निजी कंपनियों को लाइसेंस देना और एग्री डिस्कॉम के नाम पर किसानों को सस्ती बिजली का प्रलोभन देना पूरी तरह से निराधार है। उन्होंने इसे केवल व्यापारिक हित साधने का प्रयास बताया। सिंह ने स्पष्ट किया कि बिजली विभाग, पब्लिक हेल्थ और हुड्डा जैसी सेवाएँ सार्वजनिक उपयोगिता के अंतर्गत आती हैं, जहां केवल सरकारी कर्मचारी ही सेवा भाव से काम कर सकते हैं। कोई भी निजी एजेंसी केवल अपने मुनाफे के लिए काम करेगी, जिससे आम जनता और किसानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा।

डिस्कॉम के विरोध में डीसी को सौंपा ज्ञापन

एचपीसी वर्कर यूनियन के सर्किल सेक्रेटरी अमरजीत जाखड़ ने बताया कि बिजली बोर्ड के निजीकरण और एग्री डिस्कॉम के गठन के विरोध में डीसी को ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारी हड़ताल पर नहीं हैं, बल्कि बिजली बोर्ड को समानांतर लाइसेंस देने और निजीकरण की नीतियों का विरोध कर रहे हैं। जाखड़ ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन में इंजीनियर्स एसोसिएशन, एचएसईबी, एससी-एसटी यूनियन, किसान संगठन, जनवादी महिला समिति और सर्व कर्मचारी संघ सहित कई बड़े संगठन एकजुट हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 5,427 करोड़ के घाटे के बावजूद एग्री डिस्कॉम का गठन किया जा रहा है, जिससे बिजली बोर्ड को नुकसान होगा और कर्मचारियों व किसानों की एकता को तोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 11, 12 और 13 तारीख के नोटिस के बाद भी सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं, तो यह विरोध अनिश्चितकालीन आंदोलन में बदल सकता है।

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/इ-निविदा सूचना/34/2026-27/W-3 दिनांक: 29.07.2026

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ADEN/NDLS के अंतर्गत SSE/W/NDLS/Stn. सेक्शन में, प्लेटफॉर्म नंबर 16 से 01 तक पुरानी, जंग लगी मेटल कलर– कोटेड शीट, वैली गटर और उससे जुड़े कोपिंग के काम की मरम्मत और नवीनीकरण; साथ ही स्टेशन बिल्डिंग और प्लेटफॉर्म के लिए संबंधित सिविल और फिनिशिंग के काम; और स्टेशन बिल्डिंग के होल्डिंग एरिया व पहली मंजिल पर बने लेडीज और जेंट्स टॉयलेट की मरम्मत और नवीनीकरण (जिसमें प्लंबिंग, सैनिटरी, टाइलिंग और अन्य संबंधित सिविल व रखरखाव के काम शामिल है) का कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु. 3,63,59,394.52/- (रुपये तीन करोड तिरसठ लाख उनसठ हजार तीन सौ चौरानवे और बावन पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	7,27,200.00/- (रुपये सात लाख सत्ताइस हजार दो सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	20.08.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। 2629/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

पत्र सं. – 128–डब्ल्यू/व.मं.अधि./सं/निविदा –05–26–27–डब्ल्यूसी दिनांक : 30.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय, मन्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए e-निविदाए आमन्त्रित की जाती है।

निविदा संख्या : NIT-05-26-27-WC

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	जमा की जाने वाली बयाना राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा खोलने की तिथि
1	मंडल अभियंता/ट्रैक/दिल्ली के अधीन शकूरबस्ती (SSB) बैलास्ट डिपो के उप डिपो संख्या–2 में 71,650 घन मीटर (Cum) 65 मिमी गेज की मशीन से क्रश की गई कठोर पत्थर की बैलास्ट, जो रेलवे विनिर्देश IS/RDSO-GE/0001:2023 (फरवरी 2023) एवं उसके नवीनतम संशोधन/Correction Slips के अनुरूप हो, की आपूर्ति, स्टैकिंग, लोडिंग एवं अनलोडिंग का कार्य। बैलास्ट का स्रोत रामकुमारपुरा खनन क्षेत्र, ग्राम रामकुमारपुरा, तहसील खेतड़ी, जिला झुंझुनू (राजस्थान) अथवा HSIIDC के नियंत्रणाधीन खानक खनन क्षेत्र, तहसील तोशाम, जिला भिवानी (हरियाणा), अथवा उपर्युक्त के समान गुणवत्ता की मशीन से क्रश की गई कठोर पत्थर की बैलास्ट का उत्पादन करने वाले किसी अन्य खनन स्रोत से होगा।	₹ 14,73,80,658.73/-	₹ 29,47,600/-	12 माह	21.08.2026

सूचना : निविदा रेलवे की वेबसाइट 'www.ireps.gov.in' पर उपलब्ध है तथा इसी वैबसाइट पर 21.08.2026, 15:00 बजे तक ही भरी जायेगी। 2631/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

हिंदी और उर्दू साहित्य के इतिहास में यदि किसी लेखक ने जनसाधारण के जीवन, संघर्ष, पीड़ा, आशा और यथार्थ को सबसे अधिक प्रामाणिकता के साथ अभिव्यक्त किया है, तो वह नाम है मुंशी प्रेमचंद। वे केवल एक महान कथाकार या उपन्यासकार ही नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा के संवेदनशील चितेरे, युगद्रष्टा साहित्यकार और सामाजिक चेतना के अग्रदूत थे। हिंदी साहित्य में उनका स्थान इतना ऊँचा है कि उन्हें उपन्यास सम्राट तथा आधुनिक हिंदी कहानी का जनक कहा जाता है। मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के निकट स्थित लमही ग्राम में हुआ था। उनका वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उनके पिता मुंशी अजायबराय डाक विभाग में कार्यरत थे तथा माता आनंदी देवी धार्मिक और संवेदनशील स्वभाव की थीं। बाल्यकाल आर्थिक अभावों और पारिवारिक कठिनाइयों में बीता। मात्र सात वर्ष की आयु में माता तथा चौदह वर्ष की आयु में पिता का निधन हो जाने से उनके जीवन में संघर्षों का दौर प्रारंभ हो गया। प्रेमचंद की प्रारंभिक शिक्षा उर्दू और फारसी भाषा में हुई। बचपन से ही उन्हें पढ़ने का गहरा शौक था। किशोरावस्था में उन्होंने उर्दू साहित्य के अनेक प्रसिद्ध उपन्यास पढ़ लिए थे। आर्थिक परिस्थितियाँ कठिन होने के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी। मैट्रिक उत्तीर्ण करने के बाद वे शिक्षक बने और नौकरी करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की। बाद में वे शिक्षा विभाग में उप-निरीक्षक (डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स) के पद तक पहुँचे। प्रेमचंद का साहित्यिक जीवन राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत था। प्रारंभ में वे नवाब राय नाम से उर्दू में लिखते थे। उनका पहला चर्चित कहानी संग्रह सोजे-वतन 1908 में प्रकाशित हुआ, जिसमें देशभक्ति की प्रबल भावना व्यक्त की गई थी। अंग्रेजी सरकार ने इसे राष्ट्रवादी साहित्य मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया और इसकी प्रतियाँ जब्त कर लीं। इसके बाद उनके मित्र एवं जमाना पत्रिका के संपादक मुंशी दयानारायण निगम की सलाह पर उन्होंने प्रेमचंद नाम से लेखन आरंभ किया और यही नाम अमर हो गया। मुंशी प्रेमचंद ने हिंदी साहित्य को कल्पना और तिलिस्म की दुनिया से निकालकर यथार्थ की धरती पर स्थापित किया। उन्होंने किसानों, मजदूरों, दलितों, स्त्रियों, निम्न एवं मध्यम वर्ग के संघर्षों को अपनी रचनाओं का केंद्र बनाया। उनका साहित्य समाज का दर्पण है, जिसमें तत्कालीन भारत की गरीबी, शोषण, सामाजिक विषमता, जातिगत भेदभाव, सामंती व्यवस्था और औपनिवेशिक दमन का यथार्थ चित्रण मिलता है। उनकी कहानियाँ मानवीय संवेदनाओं की अमूल्य धरोहर हैं। ईदगाह, पूस की रात, कफन, बड़े भाई साहब, गुल्ली-डंडा, ठाकुर का कुआँ, नमक का दरोगा, दो बैलों की कथा और पंच परमेश्वर जैसी कहानियाँ आज भी पाठकों के हृदय को स्पर्श करती हैं। इन कहानियों में जीवन का यथार्थ, नैतिकता, मानवीय करुणा और सामाजिक संदेश अद्भुत रूप से समाहित है। उपन्यास के क्षेत्र में प्रेमचंद का योगदान अतुलनीय है। सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि और गोदान उनके प्रमुख उपन्यास हैं। इनमें गोदान को हिंदी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ यथार्थवादी उपन्यास माना जाता है। किसान होरी के माध्यम से उन्होंने भारतीय ग्रामीण जीवन और कृषक समाज की पीड़ा को अमर रूप प्रदान किया। प्रेमचंद केवल साहित्यकार ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुधारक भी थे। वे आर्य समाज के विचारों से प्रभावित थे और सामाजिक कुरीतियों के विरोधी थे। उन्होंने विधवा-विवाह का समर्थन किया तथा स्वयं बाल-विधवा शिवरानी देवी से विवाह कर समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया। उनके साहित्य में नारी सम्मान, सामाजिक न्याय और मानवीय समानता की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। साहित्यकार के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा अद्वितीय थी। वे लेखक, संपादक, वक्ता और चिंतक थे। उन्होंने हंस, जागरण तथा माधुरी जैसी पत्रिकाओं के माध्यम से साहित्य और समाज को नई दिशा प्रदान की। उनके साहित्य ने आगे चलकर यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, नागार्जुन, मुक्तिबोध और अनेक प्रगतिशील लेखकों को प्रेरित किया।

बाल विवाह: बदलती सोच के बावजूद चुनौती बरकरार है

दिव्या कुमारी

बिहार के ग्रामीण इलाकों में पिछले एक दशक के दौरान बाल विवाह को लेकर तस्वीर बदली जरूर है, लेकिन पूरी तरह नहीं। आज भी अनेक गांवों में ऐसी लड़कियां हैं, जिनकी उम्र किताबों, खेल के मैदान, सपनों और आत्मनिर्भर बनने की होती है, लेकिन उनके हाथों में स्कूल बैग की जगह विवाह की जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं। यह केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं है, बल्कि ऐसा फैसला है जो एक लड़की के स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक अवसर, आत्मविश्वास और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ प्रभावित करता है। किसी लड़की का जीवन केवल उसकी उम्र से तय नहीं होता, बल्कि उसकी सामाजिक स्थिति, परिवार की आर्थिक परिस्थितियाँ, जाति, शिक्षा, रहने का स्थान और उपलब्ध अवसर भी उसके भविष्य को आकार देते हैं। यही कारण है कि बाल विवाह का असर हर लड़की पर एक जैसा नहीं पड़ता। जो लड़की पहले से ही गरीबी, सामाजिक भेदभाव और सीमित संसाधनों के बीच जीवन जी रही होती है, उसके लिए बाल विवाह अवसरों के लगभग सभी दरवाजे एक साथ बंद कर देता है। हालांकि पिछले दस वर्षों में बिहार में बाल विवाह की स्थिति में काफी सुधार देखने को मिला है। जो बदलाव गांवों में दिखाई देता है, वह आंकड़ों में भी दर्ज हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ठऋल्टर-4, 2015-16) के अनुसार बिहार में 20 से 24 वर्ष की आयु की 39.1 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष की आयु से पहले हो चुका था। वहीं 2019-21 में यह आंकड़ा घटकर 29.9 प्रतिशत रह गया। यानी लगभग 9 प्रतिशत अंकों की कमी दर्ज की गई। यह बदलाव उम्मीद जगाता है, लेकिन यह भी सच है कि बिहार अब भी उन राज्यों में शामिल है जहाँ बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। बिहार में बाल विवाह की दर में आई कमी के पीछे कुछ कारण भी हैं। पिछले कुछ वर्षों में लड़कियों की शिक्षा पर बढ़ता जोर, विद्यालयों तक बेहतर पहुंच, मुख्यमंत्री साइकिल योजना, पोशाक योजना, छात्रवृत्ति योजनाएं, किशोरी समूहों की सक्रियता, स्वयं सहायता समूहों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान, पंचायतों की भागीदारी और बाल विवाह निषेध कानून के बारे में बढ़ती जानकारी ने समाज की सोच को धीरे-धीरे बदलना शुरू किया है। कई गैर-सरकारी संगठनों ने भी गांवों में किशोरियों और उनके अभिभावकों के साथ लगातार संवाद कर यह समझाने का प्रयास किया कि जल्दी विवाह किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं की शुरूआत है। ग्रामीण बिहार में अब पहले की तुलना में माता-पिता की सोच भी बदल रही है। पहले जहां बेटी की शादी को सबसे बड़ी जिम्मेदारी माना जाता था, वहीं अब धीरे-धीरे उसकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता को भी उतना ही महत्वपूर्ण समझा जाने लगा है। अनेक परिवार अब अपनी बेटियों को इंटरमीडिएट, स्नातक और व्यावसायिक शिक्षा तक पढ़ाना चाहते हैं। इसके अलावा सरकारी नौकरियों, स्वास्थ्य सेवाओं, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, स्वयं सहायता समूहों और निजी क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने भी इस सोच को और मजबूत किया है। यही कारण है कि कई परिवार अब लड़कियों की शादी 20 वर्ष या उससे अधिक आयु में करने को प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर या कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़ी हो सके। लेकिन यह बदलाव हर गांव, और हर परिवार तक एक जैसा नहीं पहुंचा है। जिन परिवारों पर गरीबी, सामाजिक भेदभाव और संसाधनों की कमी का दबाव सबसे अधिक है, वहां बाल विवाह का खतरा आज भी ज्यादा दिखाई देता है। ठऋल्टर-5 के आंकड़े भी बताते हैं कि बाल विवाह की दर सबसे अधिक आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवारों, कम शिक्षित अभिभावकों और सामाजिक रूप से वंचित समुदायों में देखने को मिलती है।

भारत में दुग्ध उत्पादन की नई तस्वीर

देश के लाखों छोटे और सीमांत किसान तथा पशुपालक प्रतिदिन दूध बेचकर अपनी आय अर्जित करते हैं। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकारें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालन को आधुनिक बनाने तथा डेयरी उद्योग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी दिशा में बिहार सरकार भी श्वेत क्रांति को नई गति देने का प्रयास कर रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, उन्नत नस्ल के पशु, पशुपालकों का प्रशिक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा डेयरी अवसंरचना को मजबूत बनाया जा रहा है। नालंदा स्थित बिहारशरीफ डेयरी परियोजना परिसर में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही एवं लस्सी प्लांट, कॉमफेड संचालित पेट्रोल पंप तथा सुधा कैफेटेरिया का शिलान्यास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल दूध उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। पिछले कुछ दशकों में देश ने जिस प्रकार दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, उसे श्वेत क्रांति की सबसे बड़ी सफलता माना जाता है। दूध केवल पोषण का स्रोत नहीं बल्कि करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आजीविका का आधार भी है। देश के लाखों छोटे और सीमांत किसान तथा पशुपालक प्रतिदिन दूध बेचकर अपनी आय अर्जित करते हैं। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकारें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालन को आधुनिक बनाने तथा डेयरी उद्योग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी दिशा में बिहार सरकार भी श्वेत क्रांति को नई गति देने का प्रयास कर रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, उन्नत नस्ल के पशु, पशुपालकों का प्रशिक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा डेयरी अवसंरचना को मजबूत बनाया जा रहा है। नालंदा स्थित बिहारशरीफ डेयरी परियोजना परिसर में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही एवं लस्सी प्लांट, कॉमफेड संचालित पेट्रोल पंप तथा सुधा कैफेटेरिया का शिलान्यास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल दूध उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। इसी सोच के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए अलग फेडरेशन बनाने की घोषणा की गई है। बकरी के दूध के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था विकसित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत खुलेंगे। इसके साथ ही प्रत्येक प्रखंड में प्रधानमंत्री पशु जन औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां पशुपालकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी भारत की दुग्ध क्रांति की शुरूआत वर्ष 1970 में ऑपरेशन फ्लड से हुई थी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की इस महत्वाकांक्षी योजना ने देश को दूध के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। आज भारत विश्व के कुल दुग्ध उत्पादन में लगभग एक चौथाई से अधिक योगदान देता है। बढ़ती जनसंख्या और पोषण की जरूरतों को देखते हुए दुग्ध उत्पादन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। डेयरी क्षेत्र भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा उपक्षेत्र बन चुका है और इसका योगदान कई पारंपरिक कृषि फसलों से भी अधिक हो गया है। यदि राज्यों की बात करें तो भारत में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन राजस्थान में होता है। राजस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपनी स्थिति मजबूत की है। यहां का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 3 करोड़ 80 लाख टन के आसपास पहुंच चुका है। राज्य में बड़ी संख्या में गाय और भैंसों का पालन होता है तथा डेयरी सहकारी समितियों का मजबूत नेटवर्क किसानों को बाजार उपलब्ध कराता है। दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। यहां का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 3 करोड़ 70 लाख टन के आसपास है। उत्तर प्रदेश में भैंसों की संख्या देश में सबसे अधिक है और यही राज्य की सबसे बड़ी ताकत है। बड़ी ग्रामीण आबादी और पारंपरिक पशुपालन व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश को दुग्ध उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया है।

तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश आता है। राज्य का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 2 करोड़ 10 लाख टन है। पिछले कुछ वर्षों में यहां दुग्ध सहकारी समितियों का विस्तार, उन्नत नस्लों का विकास तथा पशुपालन योजनाओं के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चौथे स्थान पर गुजरात है, जहां अमूल मॉडल ने पूरे देश के लिए मिसाल पेश की है। गुजरात का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 90 लाख टन है। यहां सहकारी डेयरी आंदोलन ने लाखों किसानों, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। अमूल की सफलता ने भारतीय डेयरी क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाई है। पांचवें स्थान पर आंध्र प्रदेश है, जहां सालाना लगभग 1 करोड़ 80 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। आधुनिक डेयरी फार्म, उन्नत पशुपालन और सरकारी सहायता ने राज्य को तेजी से आगे बढ़ाया है। छठे स्थान पर महाराष्ट्र है, जहां वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 50 लाख टन है। राज्य में निजी और सहकारी दोनों प्रकार की डेयरियां सक्रिय हैं और दुग्ध प्रसंस्करण उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। सातवें स्थान पर पंजाब है। यहां सालाना लगभग 1 करोड़ 40 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। उच्च उत्पादकता वाली भैंसों और वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों के कारण पंजाब की प्रति पशु दूध उत्पादन क्षमता देश में सबसे अधिक मानी जाती है। आठवें स्थान पर हरियाणा है, जहां लगभग 1 करोड़ 30 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन होता है। मुर्रा भैंस जैसी उत्कृष्ट नस्लों ने हरियाणा को डेयरी क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाई है। नौवें स्थान पर बिहार आता है। बिहार का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 30 लाख टन के आसपास पहुंच चुका है और इसमें लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। कॉमफेड और ह्यसुधाह्ण ब्रांड की सफलता ने राज्य के डेयरी क्षेत्र को नई दिशा दी है। सरकार की नई योजनाओं से आने वाले वर्षों में बिहार देश के अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्यों में और मजबूत स्थान बना सकता है। दसवें स्थान पर पश्चिम बंगाल है, जहां सालाना लगभग 80 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। राज्य में छोटे पशुपालकों की बड़ी संख्या डेयरी क्षेत्र को मजबूती प्रदान करती है। दुग्ध उत्पादन केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं है। इससे दही, घी, मक्खन, पनीर, लस्सी, आइसक्रीम, मिठाइयों और अनेक मूल्यवर्धित उत्पादों का विशाल उद्योग जुड़ा हुआ है। इस उद्योग से करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक होने के कारण डेयरी क्षेत्र महिला सशक्तिकरण का भी प्रभावी माध्यम बन गया है। आज भारत में कृत्रिम गभार्धान, उन्नत

पहाड़ियों के बीच रहस्यमयी शिवधाम : बालेश्वर महादेव मंदिर

कहीं शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ माना जाता है, कहीं उससे जुड़ी प्राचीन कथाएं लोगों की आस्था को और भी मजबूत बनाती हैं। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित बालेश्वर महादेव मंदिर भी ऐसा ही एक स्थान है, जो आस्था और रहस्य दोनों का अद्भुत संगम है। सीकर जिले के नीमकाथाना उपखंड मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर पहाड़ियों और हरियाली के बीच स्थित यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि अपने अनसुलझे रहस्य के कारण भी लोगों को आकर्षित करता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को स्वयंभू और अनंत माना जाता है। कहा जाता है कि इसकी गहराई आज तक कोई नहीं माप सका है। करीब 400 वर्ष पहले इस शिवलिंग की गहराई जानने के लिए खुदाई करवाई गई थी। लगभग 12.5 फीट नीचे तक खुदाई होने के बाद भी इसका अंतिम छोर नहीं मिला। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया और खुदाई रोकनी पड़ी। तभी से यह शिवलिंग अंतहीन माना जाता है और इसे भगवान शिव की अद्भुत लीला के रूप में देखा जाता है। सावन महीने और महाशिवरात्रि के समय इस मंदिर में हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं। साल भर में लगभग 6 से 7 लाख श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं।

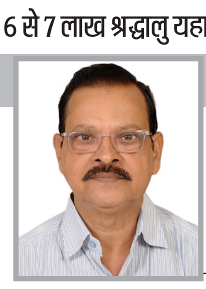

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा में भगवान शिव का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के लगभग हर क्षेत्र में शिव मंदिरों की अपनी अलग-अलग कथाएं, रहस्य और चमत्कार प्रचलित हैं। कहीं शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ माना जाता है, कहीं उससे जुड़ी प्राचीन कथाएं लोगों की आस्था को और भी मजबूत बनाती हैं। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित बालेश्वर महादेव मंदिर भी ऐसा ही एक स्थान है, जो आस्था और रहस्य दोनों का अद्भुत संगम है। सीकर जिले के नीमकाथाना उपखंड मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर पहाड़ियों और हरियाली के बीच स्थित यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि अपने अनसुलझे रहस्य के कारण भी लोगों को आकर्षित करता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को स्वयंभू और अनंत माना जाता है। कहा जाता है कि इसकी गहराई आज तक कोई नहीं माप सका है। करीब 400 वर्ष पहले इस शिवलिंग की गहराई जानने के लिए खुदाई करवाई गई थी। लगभग 12.5 फीट नीचे तक खुदाई होने के बाद भी इसका अंतिम छोर नहीं मिला। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया और खुदाई रोकनी पड़ी। तभी से यह शिवलिंग अंतहीन माना जाता है और इसे भगवान शिव की अद्भुत लीला के रूप में देखा जाता है। सावन महीने और महाशिवरात्रि के समय इस मंदिर में हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं। साल भर में लगभग 6 से 7 लाख श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। पहाड़ियों के बीच स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत अनुभव कराता है। राजस्थान के सीकर जिले का यह क्षेत्र अरावली पर्वतमाला के निकट स्थित है। नीमकाथाना से लगभग 10 किलोमीटर दूर पहाड़ियों के बीच बसे इस मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और मनमोहक है। मंदिर के चारों ओर हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम दिखाई देता है। बरसात के मौसम में यहां का दृश्य और भी मनोहारी हो जाता है। पहाड़ियों से बहती ठंडी हवा और आसपास फैली हरियाली श्रद्धालुओं के मन को शांति प्रदान करती है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यह किसी शहर के शोर-शराबे से दूर, प्रकृति की गोद में स्थित है। इसलिए यहां आने वाले भक्त केवल पूजा ही नहीं करते बल्कि आध्यात्मिक शांति का अनुभव भी करते हैं। पहाड़ियों के बीच स्थित होने के कारण यहां का वातावरण हमेशा ठंडा और सुखद रहता है। सावन के महीने में जब भक्त कांवड़ लेकर जलाभिषेक करने आते हैं, तब पूरा क्षेत्र भक्ति और उत्साह से भर जाता है। बालेश्वर महादेव मंदिरह्व का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। मंदिर परिसर में स्थापित गणेश प्रतिमा के नीचे प्राकृत भाषा में लिखा एक शिलालेख मौजूद है, जो इस मंदिर की प्राचीनता को दशार्ता है। इतिहासकारों और स्थानीय परंपराओं के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण सूर्यवंशी राजाओं द्वारा करवाया गया था। हालांकि मंदिर के निर्माण की सटीक तिथि का उल्लेख नहीं मिलता है, लेकिन माना जाता है कि यह मंदिर कई शताब्दियों पुराना है। समय के साथ इस मंदिर का कई बार जीर्णोद्धार भी किया गया। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के सहयोग से मंदिर की संरचना को सुरक्षित रखा गया है। मंदिर के पुजारी पंडित कौशलदत्त शर्मा के अनुसार, यहां स्थापित शिवलिंग को भगवान शिव के बालस्वरूप के रूप में पूजा जाता है। इसी कारण इस मंदिर का नाम ह्लबालेश्वर महादेवह्व पड़ा। ह्लबालेश्वर महादेव मंदिरह्व का सबसे बड़ा आकर्षण यहां स्थापित शिवलिंग है, जिसे स्वयंभू शिवलिंग माना जाता है। हिन्दू धर्म में स्वयंभू शिवलिंग का विशेष महत्व होता है। स्वयंभू का अर्थ होता है, जो स्वयं प्रकट हुआ हो। माना जाता है कि ऐसे शिवलिंग किसी मनुष्य द्वारा स्थापित नहीं किए जाते हैं, बल्कि वे प्राकृतिक रूप से धरती से प्रकट होते हैं। बालेश्वर महादेव का शिवलिंग भी इसी प्रकार का माना जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह शिवलिंग स्वयं धरती से प्रकट हुआ था और तभी से यहां भगवान शिव की पूजा की जा रही है। इस शिवलिंग की विशेषता यह है कि इसकी गहराई का आज तक पता नहीं चल पाया है। यही कारण है कि इसे अनंत शिवलिंग कहा जाता है। लगभग 400 वर्ष पहले मंदिर के पुजारियों और स्थानीय लोगों के मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि आखिर इस शिवलिंग की गहराई कितनी है। इस रहस्य को जानने के लिए उन्होंने शिवलिंग के आसपास खुदाई करवाने का निर्णय लिया। कई मजदूरों और कारीगरों की मदद से खुदाई का काम शुरू किया गया। खुदाई करते-करते लगभग 12.5 फीट तक जमीन खोदी गई, लेकिन आश्चर्य की बात यह थी कि शिवलिंग का आधार अब भी दिखाई नहीं दिया। जब खुदाई और गहराई तक करने की तैयारी चल रही थी, तभी अचानक वहां मधुमक्खियों का बड़ा झुंड आ गया। मधुमक्खियों ने मजदूरों और लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद लोग इसे भगवान शिव का संकेत मानकर डर गए और खुदाई तुरंत रोक दी गई। तब से यह मान्यता प्रचलित हो गई कि यह शिवलिंग अंतहीन है और इसकी गहराई मापना संभव नहीं है। मंदिर के पीछे एक और रहस्य मौजूद है, जो लोगों को आश्चर्य में डाल देता है। यहां एक गुलर के पेड़ की जड़ में एक कुंड स्थित है। इस कुंड से लगातार पानी निकलता रहता है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि इस कुंड के पानी का स्रोत आज तक कोई नहीं जान पाया है। वैज्ञानिकों और स्थानीय लोगों ने कई बार यह जानने की कोशिश की कि आखिर इस पानी का स्रोत क्या है, लेकिन इसका स्पष्ट उत्तर आज तक नहीं मिल सका।

कांतिलाल मांडोत

गुजरात का नया समुद्री सपना

भारत का समुद्री इतिहास सदियों पुराना रहा है। प्राचीन काल से ही गुजरात के बंदरगाह व्यापार और समुद्री गतिविधियों के प्रमुख केंद्र रहे हैं। लोथल जैसे ऐतिहासिक बंदरगाह इस बात के प्रमाण हैं कि गुजरात की पहचान समुद्र से जुड़ी रही है। आज जब भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत उद्योग को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसी सोच के साथ गुजरात सरकार ने गुजरात शिपबिल्डिंग एवं शिप रिपेयर पॉलिसी-2026 लागू की है। यह केवल एक औद्योगिक नीति नहीं बल्कि राज्य को विश्वस्तरीय समुद्री विनिर्माण केंद्र बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। लगभग 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाले इस प्रोजेक्ट से गुजरात की अर्थव्यवस्था, रोजगार, निर्यात और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। गुजरात पहले से ही भारत का सबसे लंबा समुद्री तट रखने वाला राज्य है। लगभग 2340 किलोमीटर लंबी तटरेखा, आधुनिक बंदरगाहों का मजबूत नेटवर्क, विकसित औद्योगिक आधार और व्यापार के अनुकूल वातावरण ने इसे देश के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री राज्यों में शामिल किया है। यही कारण है कि जहाज निर्माण उद्योग के विस्तार के लिए गुजरात को सबसे उपयुक्त स्थान माना जा रहा है। नई नीति इसी प्राकृतिक और औद्योगिक क्षमता का लाभ उठाने का प्रयास है। इस नीति के तहत पोरबंदर जिले के कुछडी क्षेत्र में एक मेगा ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। कुल 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश में लगभग 23,700 करोड़ रुपये निजी निवेश के रूप में आएंगे, जबकि लगभग 3,300 करोड़ रुपये साझा समुद्री और भूमि आधारित आधारभूत ढांचे के विकास पर खर्च किए जाएंगे। केंद्र और राज्य सरकार दोनों इस परियोजना को वित्तीय सहयोग प्रदान करेंगे। यह निवेश केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके आसपास अनेक सहायक उद्योगों और सेवा क्षेत्रों का भी विकास होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता दो इंटीग्रेटेड मेगा शिपबिल्डिंग पार्कों का निर्माण है। इन पार्कों में अत्याधुनिक शिपयार्ड, मरीन उपकरण निर्माण इकाइयां, परीक्षण केंद्र, अनुसंधान संस्थान, लॉजिस्टिक्स सुविधाएं तथा कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे जहाज निर्माण की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी और उद्योगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे उत्पादन लागत कम होगी, समय की बचत होगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी बढ़ेगी। नई नीति का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य राज्य की जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 50 लाख डेडवेट टनेज से अधिक करना है। वर्तमान समय में वैश्विक व्यापार का अधिकांश हिस्सा समुद्री मार्ग से होता है। जहाजों की बढ़ती मांग को देखते हुए यदि भारत अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाता है तो विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम होगी और निर्यात के नए अवसर भी पैदा होंगे। गुजरात इस दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनने की क्षमता रखता है। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ रोजगार के रूप में सामने आएगा। सरकार का लक्ष्य पांच लाख से अधिक युवाओं को कौशल विकास और क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण देना है। जहाज निर्माण एक ऐसा उद्योग है जिसमें इंजीनियर, तकनीशियन, वेल्डर, मशीन ऑपरेटर, डिजाइन विशेषज्ञ, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञ और प्रबंधन से जुड़े हजारों पेशेवरों की आवश्यकता होती है। इसके साथ-साथ परिवहन, होटल, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सेवा क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसका सीधा लाभ स्थानीय युवाओं और छोटे व्यवसायों को मिलेगा। गुजरात मैरीटाइम बोर्ड इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है। इसमें विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ब्रेकवाटर, फ्लोटिंग क्रेन, हेवी लिफ्ट जहाज, ड्रेजिंग, हार्बर बेसिन, नेविगेशन चैनल, सड़क संपर्क, बिजली, जलापूर्ति और आधुनिक संचार व्यवस्था जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह आधारभूत ढांचा भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा, जिससे लंबे समय तक उद्योगों को लाभ मिल सके। सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अनेक वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों की भी घोषणा की है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

फरुर्खाबादः किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

फरुर्खाबाद। उत्तरप्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में कोतवाली कायमगंज क्षेत्र में किशोरी ने संदिग्ध परिस्थिति में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के गांव नरसिंहपुर निवासी अखिलेश गंगवार की पुत्री तन्वी(14) ने बुधवार देर रात किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। बेटी की गंभीर स्थिति देखकर उसकी मां आकांक्षा घबरा गईं और परिजनों की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज लेकर पहुंचीं। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिजन ने उम्मीद नहीं छोड़ी और उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय फरुर्खाबाद ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोबारा परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है। कोतवाल विनोद कुमार ने गुरुवार को बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जनहित संकल्प पार्टी के अध्यक्ष ने वाराणसी में चुनावी कार्यालय का किया उद्घाटन

वाराणसी। उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व ही जनहित संकल्प पार्टी ने वाराणसी में अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है। जनहित संकल्प पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.एस. पटेल ने जंसा में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया है। गुरुवार को कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. आर.एस. पटेल ने कहा कि जंसा के दिनदासपुर गांव में कार्यकर्ताओं के लिए कार्यालय खोल दिया गया है। वाराणसी में रोहनिया और सेवापुरी, दो विधानसभाओं में पार्टी अपना प्रत्याशी उतार रही है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में हम प्रत्याशी उतरेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इस पार्टी का लक्ष्य बेरोजगारों को रोजगार दिलाना है, किसानों को उनका अधिकार दिलाना है और समाज में बहन बेटी की सुरक्षा की मांग उठाना है। वाराणसी में किसानों की जमीन जहां भी छीनी जा रही है, हम उनके साथ खड़े हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक पटेल, किसान मंच के जिलाध्यक्ष राम विकास, महिला मंच से शशिकला, युवा मंच के जिलाध्यक्ष मुन्ना लाल पटेल, सरदार सेना के जिलाध्यक्ष देव पटेल, जिला संयोजक अमन वर्मा, विनोद पटेल और कार्यालय प्रभारी महेंद्र वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झूला बनाने के प्रयास में गले में फंसी रस्सी, मासूम की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधीनगर मोहल्ले में बुधवार दोपहर हादसे में नौ वर्षीय बालक की गले में रस्सी फंसने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। मूलरूप से गोपालपुर निवासी पवन कुमार दुबे बिजलीघर के पास दुकान चलाते हैं, का नौ वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार कक्षा पांच का छात्र था। बुधवार दोपहर पवन कुमार दुकान पर थे, जबकि उनकी पत्नी छत पर कपड़े सुखाने गई थीं और बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान आदित्य झूला डालने की जिद कर रहा था। मां ने उसे पढ़ाई करने के लिए डांट दिया, जिसके बाद वह कमरे के अंदर चला गया। बताया गया कि कमरे में उसने झूला बनाने के लिए रस्सी का फंदा बनाकर उसे छत के कुंडे में फंसाने का प्रयास किया। इसी दौरान रस्सी उसके गले में फंस गई और वह अचेत होकर नीचे गिर पड़ा। कुछ देर बाद बहन कमरे में पहुंची तो आदित्य को अचेत देखकर शोर मचाया। परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अजीतमल ले गए, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर अजीतमल कोतवाली पुलिस सीएचसी पहुंची और पंचनामा भरने की कार्रवाई की। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार करते हुए लिखित प्रार्थना पत्र दिया, जिसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। कोतवाल विनोद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया बालक की मौत गले में रस्सी फंसने से हुई है। परिजनों की इच्छा के अनुसार पोस्टमार्टम नहीं कराया गया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर शव उनके सुपुर्द कर दिया गया।

सावन के प्रथम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ का किया जलाभिषेक

-कालभैरव मंदिर में भी किया दर्शन-पूजन
-बाबा से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए दिया दिशा–निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

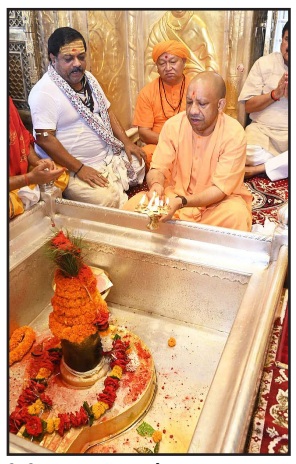

वाराणसी। श्रावण मास के पहले दिन गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। इससे पूर्व उन्होंने काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन कर प्रदेश और देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि तथा लोककल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन सर्किट हाउस से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबा कालभैरव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में मौजूद श्रद्धालुओं ने उनका हर-हर महादेव के जयघोष के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और स्थानीय दुकानदारों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने एक दुकान पर बैठे बच्चे को स्नेहपूर्वक चॉकलेट भेंट कर दुलार भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर षोडशोपचार विधि से बाबा विश्वनाथ का पूजन-अर्चन किया तथा पावन ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक किया। उन्होंने प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के उद्घोष से पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। श्रावण मास में बड़ी संख्या में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सावन के दौरान दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं, ताकि सभी भक्तों को व्यवस्थित और सहज दर्शन का लाभ मिल सके। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि श्रावण मास में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम में पेयजल, ग्लूकोज, ओआरएस, स्वास्थ्य सहायता केंद्र, हेल्प डेस्क तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के पहले दिन बुधवार सायंकाल भी बाबा कालभैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर जनकल्याण और प्रदेश की समृद्धि की कामना की थी। मंदिर में मुख्यमंत्री के दर्शन पूजन को लेकर सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए थे।

सावन में गंगा तट से गूंजा जल संरक्षण का संदेश, मां गंगा की आरती कर लिया स्वच्छता का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। भगवान शिव के प्रिय सावन मास के प्रथम दिन धर्मनगरी काशी में आस्था, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। एक ओर हजारों शिवभक्त गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए रवाना हुए, तो दूसरी ओर नमामि गंगे अभियान के तहत गंगा तट पर स्वच्छता एवं जल संरक्षण को समर्पित विशेष जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने विधि-विधान से मां गंगा की आरती उतारी तथा गंगा की निर्मलता और जल संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लिया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि गंगा को स्वच्छ और अविरल बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इसके लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह बंद करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कानपुर आने का दिया आश्वासन : सांसद

कानपुर। कानपुर के विकास कार्यों को और गति देने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग लगातार मिल रहा है। शहर में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की जानकारी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को दी गई है। साथ ही उन्हें कानपुर आने का निमंत्रण भी दिया गया, जिस पर उन्होंने जल्द ही शहर आने का आश्वासन दिया। यह बातें बुधवार को कानपुर सांसद रमेश अवस्थी ने कहीं। सांसद रमेश अवस्थी ने परिवार समेत दिल्ली स्थित परिवार सहित केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान गृहमंत्री ने उनके पूरे परिवार को स्नेहिल आशीर्वाद प्रदान किया। सांसद ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने बताया कि मुलाकात के दौरान कानपुर में चल रहे विकास कार्यों, जनहित की परियोजनाओं तथा शहर के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर केंद्रीय गृहमंत्री को विस्तार से अवगत कराया गया।

सुलतानपुर में अवैध वसूली, भारी चालान के खिलाफ ई रिक्शा चालकों का प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के नगर एवं लंभुआ में ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने गुरुवार को राहायापुर/हाईवे पर धरना प्रदर्शन किया। यह रिक्शाचालक अवैध वसूली, भारी-भरकम चालान और स्थायी बस स्टैंड की मांग को लेकर विरोध कर रहे हैं। लंभुआ क्षेत्र के राहायापुर/हाईवे पर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने प्रशासन और अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए हड़ताल की घोषणा की। चालकों ने अपने वाहनों को खड़ा कर नारेबाजी की। चालकों का आरोप है कि नगरपालिका या अन्य व्यवस्था के नाम पर उनसे रुपये पचीस की जगह सौ रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। उन्हें बिना रसीद या फर्जी टोकन थमाकर जबरन पैसे वसूले जाते हैं। यहां तक कि खाली गाड़ी या घर के मरीज को ले जाते समय भी उनसे जबरन वसूली की जाती है। चालक जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रशासन द्वारा 10 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के भारी चालान काटे जा रहे हैं या गाड़ियां सीज की जा रही हैं। उनका कहना है कि 4 लाख रुपये की गाड़ी किश्त पर लेकर चलाने वाले गरीब चालक महीने की 10,000 रुपये की किश्त भी नहीं निकाल पा रहे हैं। चालकों ने यह भी बताया कि सुलतानपुर स्टैंड खत्म होने के बाद उन्हें पंत स्टेडियम या बाधमंडी से चलने को कहा गया था, लेकिन सही व्यवस्था न होने के कारण भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उनकी मुख्य मांग है कि उनके लिए एक स्थायी और निर्धारित स्टैंड बनाया जाए। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। चालकों ने मांग की है कि अवैध वसूली तुरंत बंद कराई जाए, अनावश्यक चालानों पर रोक लगे और उन्हें रोजगार के लिए एक निर्धारित स्थान उपलब्ध कराया जाए।

वाराणसी : गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर और उठती लहरों को देखते हुए नाव संचालन पर लगी रोक

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में जिला प्रशासन ने गुरुवार को गंगा नदी में चलने वाली सभी नावों पर रोक लगा दी। जल पुलिस द्वारा जिला प्रशासन के आदेश को नाविकों को बताया गया। पुलिस कर्मियों ने कहा कि हवाएं तेज चल रही हैं, गंगा नदी में ऊंची लहरें उठ रही हैं। इस कारण अगले आदेश तक नाव के संचालन पर रोक लग गई है। जल पुलिस के कर्मचारियों ने विभागीय नाव पर सवार होकर माइक लेकर घाटों के किनारे जोर-जोर से अपील करते हुए उक्त जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने घाट पर कहा कि घाटों पर नहा रहे श्रद्धालुओं को विशेष सतर्कता बरतनी है। नदी में उठ रही लहरों के कारण कभी भी दुर्घटना होने की संभावना है। इस कारण स्नान के लिए बने स्थान पर ही स्नान करें। वहीं, गुरुवार को गंगा नदी के जलस्तर पर नजर रखने वाली टीमें भी सक्रिय हो गईं। घाट किनारे संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें अलग-अलग भ्रमण पर निकलीं और निरीक्षण करती रहीं। एनडीआरएफ के अधिकारी शुभम मिश्रा ने कहा कि गंगा नदी में उठ रही लहरों के कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। इसको देखते हुए एनडीआरएफ दल के बचाव दल कर्मियों ने सक्रियता और नदी में निरीक्षण बढ़ा दिया है। संवेदनशील जगहों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी हुई शिवमय

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) सावन माह के पहले दिन गुरुवार से शिवमय हो गई। गंगा तट पर पानी के जलस्तर में बढ़ाव के बावजूद अलसुबह से ही गंगा स्नान के बाद जल लेकर श्रद्धालु और कांवड़िए बाबा विश्वनाथ दरबार की ओर चल पड़े। गंगा तट से मंदिर परिसर तक बोलबम, हर-हर महादेव के गगनभेदी उद्घोष गुंजायमान है। शिवभक्त बाबा के भव्य धाम को देखने के साथ पावन ज्योतिर्लिंग के दरस परस के लिए व्याकुल दिख रहे हैं। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया भक्तों का रेला दरबार में बढ़ता गया। सावन माह में दरबार में भी शिवभक्तों के सुविधा का खास ख्याल रखा गया है। दरबार में सावन माह भर भक्त झांकी दर्शन ही कर पायेंगे। कोई भी ज्योतिर्लिंग का स्पर्श दर्शन नहीं कर पायेंगे। इस पर रोक लगाई गई है। मंदिर प्रशासन का अनुमान है कि सावन माह के सामान्य दिनों में प्रतिदिन लगभग तीन लाख से अधिक भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। सावन के सोमवारों पर यह संख्या पांच लाख से अधिक हो सकती है। मंदिर में दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए परिसर में दर्जनभर स्थानों पर एलईडी टीवी लगाए जाएंगे।

सावन के पहले दिन शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब सुबह से गूंज रहे हर-हर महादेव के जयकार

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। सावन माह के पहले दिन गुरुवार को शहर के प्रमुख शिवालयों में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तड़के से ही परमट स्थित श्री आनंदेश्वर महादेव मंदिर, जाजमऊ के सिद्धनाथ महादेव मंदिर, नवाबगंज के जागेश्वर महादेव मंदिर, शिवराजपुर के खेरेश्वर महादेव मंदिर, बिठूर के वनखंडेश्वर महादेव मंदिर और शिवाला स्थित प्रयाग नारायण शिवालय में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और फल अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजते रहे। परमट स्थित आनंदेश्वर महादेव मंदिर में सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। मंगला आरती के बाद शुरू हुआ जलाभिषेक और दर्शन का सिलसिला जारी है। वहीं सिद्धनाथ, जागेश्वर, खेरेश्वर, वनखंडेश्वर और प्रयाग नारायण शिवालय में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। मंदिरों में रुद्राभिषेक, शिव चालीसा पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिरों में पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी दर्शन के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर समितियों की ओर से स्वयंसेवकों (वॉलेंटियर्स) की तैनाती की गई, जो कतार व्यवस्था और श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी की गई। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की। मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस, एलआईयू, महिला पुलिस तथा यातायात पुलिस की तैनाती की गई है। हाल के दिनों में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए गंगा घाटों के आसपास जल पुलिस और गोताखोर भी मुस्तैद रहे, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। सिद्धनाथ महादेव मंदिर के पुजारी मन्नी लाल ने बताया कि सावन के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

खेत में मिला 22 वर्षीय युवती का शव, पुलिस कर रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

-बकरियां चराने निकली थी अंजली उर्फ बबली, देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने की तलाश।

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के दिबियापुर थाना क्षेत्र के पुरवा भूपत गांव में गुरुवार सुबह खेत में 22 वर्षीय युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। मृतका की पहचान अंजली उर्फ बबली (22) पुत्री अरविंद कुमार निवासी पुरवा भूपत के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अंजली मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और उसके तीन भाई हैं। वह बकरियां चराने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। गुरुवार सुबह गांव के बाहर एक खेत में अंजली का शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी सत्यप्रकाश ने बताया कि मामले में परिजनों की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आएगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

आषाढ़ पूर्णिमा पर बाबा विश्वनाथ का भव्य व राजसी श्रृंगार, हुई विशेष आरती

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। देर शाम से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी, जहां देश-विदेश से पहुंचे भक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे धार्मिक वातावरण और अधिक मनोहारी बन गया। इस विशेष अवसर पर बाबा विश्वनाथ का दिव्य एवं राजसी श्रृंगार किया गया। उन्हें भव्य पोशाक, अलंकार और पुष्पों से अलंकृत किया गया, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और घंटों की मधुर ध्वनि के बीच विशेष आरती संपन्न हुई। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर ‟हर-हर महादेव” और ‟बम-बम भोले” के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर प्रशासन द्वारा पूर्णिमा पर्व को देखते हुए सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं।

योगी सरकार की पहल पर कानपुर में संवर रही गोवंश की सेहत

-15 हजार से ज्यादा बेसहारा गोवंश को मिला सुरक्षित ठिकाना, 75 गौशालाओं में बदली तस्वीर
-70 अस्थायी और 5 वृहद केंद्रों में बेहतर हुई देखभाल, बारिश के मौसम में स्वास्थ्य जांच और चारे का विशेष इंतजाम

कानपुर, 30 जुलाई (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश भर में निराश्रित गोवंश के संरक्षण और उनकी बेहतर देखभाल को लेकर बेहद गंभीर रुख अपनाए हुए है। इसी नीति के तहत कानपुर जिले में एक व्यापक और योजनाबद्ध अभियान चलाकर हजारों बेसहारा मवेशियों को सुरक्षित आश्रय स्थलों तक पहुंचाया गया है। गोवंश को नया सहारा मिला है। पूरे जिले में पशु संरक्षण की एक मजबूत व्यवस्था भी तैयार हो गई है। ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों तक मजबूत ढांचा कानपुर जिले में बेसहारा जानवरों की समस्या के स्थाई समाधान के लिए 75 गौशालाएं पूरी सक्रियता के साथ काम कर रही हैं। इन सभी संरक्षण केंद्रों में शासन की गाइडलाइन के अनुसार व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, जिले की सभी छोटी-बड़ी गौशालाओं को मिलाकर अब तक कुल 15,012 बेसहारा गोवंश को संरक्षित कर उन्हें सुरक्षित माहौल दिया गया है। अस्थायी और स्थाई संरक्षण केंद्रों का पूरा लेखा-जोखा जिला प्रशासन ने बेसहारा मवेशियों को ठहराने के लिए दो स्तरों पर व्यवस्था की है। ग्रामीण इलाकों में 70 अस्थायी गौशालाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें 6,654 गोवंश का रखरखाव हो रहा है। वहीं, लंबी अवधि और बेहतर देखभाल के उद्देश्य से पांच बड़े वृहद गो संरक्षण केंद्र बनाए गए हैं, जो स्थाई रूप से काम कर रहे हैं। इन पांच बड़े स्थाई केंद्रों में 2,082 गोवंश को रखा गया है। इस तरह केवल ग्रामीण और बड़े केंद्रों को मिलाकर ही 8,736 मवेशी सुरक्षित किए जा चुके हैं। शहरी निकायों में कसा गया शिकंजा शहरी क्षेत्रों में घूमते आवारा जानवरों से लोगों को निजात दिलाने के लिए स्थानीय निकायों की भूमिका तय की गई है। नगरीय सीमा के भीतर छह गौशालाएं संचालित हो रही हैं। इनमें नगर पंचायतों की गौशालाओं में 260 और नगर पालिका परिषद क्षेत्रों में 141 गोवंश को आसरा मिला है। वहीं, सबसे बड़ी राहत कानपुर नगर निगम क्षेत्र में देखने को मिली है, जहां दो बड़ी गौशालाओं के भीतर रिकॉर्ड 5,875 बेसहारा गोवंश को संरक्षित किया गया है। बारिश के मौसम में स्वास्थ्य और चारे की विशेष निगरानी गौशालाओं में मवेशियों को केवल बंद रखने के बजाय उनके खान-पान और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मीरजापुर में बेकाबू सीमेंट कंटेनर घर में घुसा, पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। उत्तरप्रदेश के जनपद मीरजापुर के विन्ध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा पुलिस चौकी अंतर्गत कलना गहरवार गांव में गुरुवार भोर एक भीषण सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। प्रयागराज की ओर से आ रहा सीमेंट से लदा कंटेनर (एमपी 19 जेडक्यू 9901) अनियंत्रित होकर एक मकान में घुस गया और पलट गया। हादसे के समय घर के बाहर चारपाई पर सो रहे 45 वर्षीय शिव प्रसाद गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके 13 वर्षीय पुत्र रोहित ने उपचार के समय दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही विन्ध्याचल पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रोहित को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कंटेनर को कब्जे में ले लिया गया है। क्षेत्राधिकारी नगर, सदर उपजिलाधिकारी तथा पर्याप्त पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद भी आवागमन सामान्य रूप से संचालित होता रहा और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। एएसपी बोले– तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज, वाहन कब्जे में अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह ने बताया कि कंटेनर के अनियंत्रित होकर घर में घुसने से हादसा हुआ, जिसमें पिता-पुत्र की मृत्यु हुई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर वाहन को कब्जे में ले लिया गया है। मामले की जांच करते हुए नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का 44वां दीक्षांत महोत्सव सम्पन्न, 11,959 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

-राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बोलीं- भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत और आधुनिक तकनीक के समन्वय से बनेगा विकसित भारत-2047
-44वें दीक्षांत महोत्सव में 11,959 विद्यार्थियों को उपाधियां, 29 मेधावियों को 51 स्वर्ण पदक
-राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भारतीय ज्ञान परंपरा और पांडुलिपि संरक्षण पर दिया विशेष जोर

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का 44वां दीक्षांत महोत्सव बुधवार को ऐतिहासिक मुख्य भवन में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत, संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के समन्वय का संदेश दिया गया। समारोह में 11,959 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जबकि 29 मेधावी विद्यार्थियों को 51 स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। इनमें 17 छात्र और 12 छात्राएं शामिल रहीं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कृत और आध्यात्मिक चेतना का शाश्वत केंद्र है। उन्होंने कहा कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वेद, उपनिषद, दर्शन, व्याकरण, आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण का अग्रणी केंद्र है। उन्होंने दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण और शोध कार्यों को गति देने के लिए प्रधानमंत्री के ‟ज्ञान भारत मिशन” तथा विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि चरित्र, संस्कार और उत्तरदायी नागरिक का निर्माण होना चाहिए। मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. आशुतोष शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम प्रौद्योगिकी के इस दौर में संस्कृत, भारतीय दर्शन और विज्ञान के समन्वय से विकसित भारत-2047 का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में संरक्षित पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक अनुसंधान से जोड़ने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विद्यार्थियों से कहा कि स्वर्ण पदक केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि माता-पिता, गुरु और समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा ही मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, वैदिक मंगलाचरण, विश्वविद्यालय कुलगीत और शैक्षणिक शोभायात्रा के साथ हुआ।

अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस पर अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन, पुष्प भेंट कर निभाई मित्रता की मिसाल

-समिति के सदस्यों ने एक-दूसरे को पुष्प भेंट कर पवित्र मित्रता का संकल्प लिया
-सच्ची मित्रता, सहयोग और सामाजिक समरसता बनाए रखने की दिलाई गई शपथ

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में एक विचित्र पहल सेवा समिति के तत्वावधान में गुरुवार प्रातः गौरैया तालाब पार्क में अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस के अवसर पर अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने एक-दूसरे को पुष्प भेंट कर मित्रता की खुशियां साझा कीं और जीवनभर सच्ची, निस्वार्थ एवं पवित्र मित्रता निभाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने कहा कि आपसी तालमेल, सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2011 में अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि मित्रता समाज में भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। योगाचार्य राम लखन शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मित्रता ऐसा पवित्र रिश्ता है, जो जाति, धर्म, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर लोगों को जोड़ता है तथा जीवन में सही मार्ग दिखाने का कार्य करता है। वहीं समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि सच्ची मित्रता भावनाओं और विचारों को जोड़ने वाला मजबूत सेतु होती है, हालांकि वर्तमान समय में सच्चा मित्र मिलना कठिन होता जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने बिना किसी भेदभाव के सच्ची मित्रता कायम रखने तथा समाज में प्रेम, विश्वास और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने की शपथ ली। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक राम लखन शुक्ला, अशोक कुमार अग्रवाल, राजमोहन तिवारी, रामजी गुप्ता, अनिल चौबे, भुवनेश गुप्ता, विपिन कुमार अग्रवाल, आलोक त्रिपाठी, पर्यावरण प्रहरी मनीष पुरवार (हीरू), राकेश गुप्ता (बैंक वाले), सुरेश चंद्र, राजेंद्र त्रिपाठी, लालजी अग्रवाल, कुलदीप बाजपेई, अध्यक्ष राजीव पोरवाल, चंद्रपाल यादव, सतीश चंद्र तथा संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026

कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था पर वरिष्ठ पत्रकारों के साथ हुई विस्तृत प्रेस वार्ता

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु यातायात एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक नगर, बिजनौर द्वारा जनपद के वरिष्ठ पत्रकारों के साथ एक विस्तृत प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए व्यापक इंतजामों की जानकारी साझा की गई। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि जनपद बिजनौर से होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़िए गुजरते हैं। ऐसे में इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। यात्रा मार्गों, प्रमुख चौराहों, संवेदनशील स्थानों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्गों की निरंतर निगरानी ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। पुलिस कंट्रोल रूम से संवेदनशील स्थलों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाएगी, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। आधुनिक तकनीक के उपयोग से सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान यातायात प्रबंधन को लेकर भी विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस प्रशासन द्वारा विभिन्न मार्गों पर रूट डायवर्जन की व्यवस्था लागू की गई है, ताकि कांवड़ियों के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और आम नागरिकों को भी कम से कम असुविधा का सामना करना पड़े। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं, जिनकी जानकारी समय-समय पर सार्वजनिक माध्यमों से साझा की जाएगी। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि यात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रण एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। कांवड़ मार्गों पर लगातार पुलिस गश्त के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का महापर्व है, जिसे शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए आमजन, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया का सहयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर ने जनपद के वरिष्ठ पत्रकारों से अपील करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा से संबंधित केवल सत्यापित एवं तथ्यात्मक सूचनाओं का ही प्रचार-प्रसार किया जाए। किसी भी प्रकार की अपुष्ट अथवा भ्रामक जानकारी को साझा करने से बचा जाए, ताकि अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जा सके। उन्होंने मीडिया को पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण सहयोगी बताते हुए कहा कि समय पर सही जानकारी आमजन तक पहुंचाने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस प्रशासन, मीडिया और जनसामान्य के आपसी सहयोग से श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को जनपद बिजनौर में पूरी सुरक्षा, अनुशासन एवं श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाएगा।

वाराणसी में गंगा में नौका संचालन पर लगी रोक तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन ने लिया फैसला

-गंगा में बढ़े जलस्तर और तेज धार के चलते सुरक्षा के मद्देनजर लिया गया निर्णय, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

-सभी घाटों पर पुलिस, जल पुलिस और एनडीआरएफ की निगरानी बढ़ाई गई, नाविकों को प्रतिबंध का पालन करने के निर्देश

-आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई, श्रद्धालुओं और पर्यटकों से प्रशासन की अपील- सुरक्षा नियमों का करें पालन

वाराणसी। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर, तेज बहाव और उठती लहरों को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन गंगा में नौका संचालन और नौकायन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सावन माह में घाटों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और नदी की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय यात्रियों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रशासन के निर्देश के बाद सभी घाटों पर नौकाओं का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया है। संबंधित विभागों को आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक गंगा का जलस्तर सामान्य नहीं हो जाता और हालात सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक नौका संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। गंगा तट पर पुलिस, जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। संवेदनशील घाटों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है, वहीं लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को गहरे पानी में न जाने तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की जा रही है।अधिकारियों ने नाविकों और नाव संचालकों को निर्देश दिया है कि वे प्रतिबंध का पूर्ण पालन करें। आदेश का उल्लंघन कर नौका संचालन करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ मार्ग का सघन निरीक्षण, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुचारु एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रकाश कुमार ने क्षेत्राधिकारी चांदपुर एवं थाना प्रभारी चांदपुर के साथ कांवड़ मार्ग का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पैजनिया से डम्बलपुरी फाटक, डम्बलपुरी फाटक से धनोरा फाटक तथा धनोरा फाटक से बवनपुरा चौकी (चांदपुर-धनोरा बॉर्डर) तक पूरे कांवड़ मार्ग का भ्रमण किया गया। इस दौरान मार्ग पर स्थापित सभी कांवड़ शिविरों एवं रामलीला मैदान, चांदपुर में बनाए गए शिविर स्थल की सुरक्षा एवं सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस बल को यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय, अनुशासन और सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। पुलिस प्रशासन का लक्ष्य यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे लगातार निरीक्षण और सुरक्षा प्रबंधों से कांवड़ यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का भरोसा मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

गुरु पूर्णिमा पर गंगा की गोद में गूंजे सुर

वाराणसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगोत्री क्रूज पर आयोजित कजरी गायन कार्यशाला का भव्य समापन भारतीय लोक संगीत, गुरु-शिष्य परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में संपन्न हुआ। देश-विदेश से आए प्रतिभागियों ने पद्मश्री मालिनी अवस्थी के मार्गदर्शन में कार्यशाला के दौरान सीखी गई कजरी, ठुमरी और दादरा की बारीकियों को मंच पर जीवंत प्रस्तुतियों के माध्यम से साकार किया। कलाकारों की सुमधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित संगीत प्रेमियों और काशी के कला अनुरागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने अपनी पूज्य गुरुमाता एवं पद्म विभूषण गिरिजा देवी (अप्पा जी) को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि अप्पा जी केवल महान गायिका ही नहीं, बल्कि भारतीय लोक और शास्त्रीय संगीत की अमूल्य धरोहर थीं। उनकी साधना और समर्पण ने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई तथा असंख्य शिष्यों को संगीत की दिशा प्रदान की। अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए मालिनी अवस्थी ने बताया कि उनकी गुरुमाता ने उन्हें सिखाया था कि ह्लज्ञान संभालकर रखने की नहीं, बल्कि बांटने की वस्तु है।

पीएम स्वनिधि से मिला सहारा, अब दुकान बचाने की कवायद

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक ओर केंद्र सरकार की पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर एक स्ट्रीट वेंडर ने स्थानीय प्रशासन की कार्रवाई से अपनी आजीविका संकट में पड़ने का आरोप लगाया है। चितरंजन पार्क गेट के समीप पिछले करीब 40 वर्षों से दुकान लगाने वाली मुन्नी यादव ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए प्रशासन से पुनर्वास और प्रधानमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है। मुन्नी यादव के अनुसार, उन्होंने वर्षों की मेहनत से अपनी छोटी-सी दुकान के माध्यम से परिवार का पालन-पोषण किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत उन्हें पहले 10,000, फिर 20,000 और बाद में 50,000 का ऋण मिला। उनका कहना है कि इस आर्थिक सहायता से उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली। उन्होंने यह भी बताया कि अंतिम ऋण राशि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राप्त हुई थी, जिसे वह अपने जीवन का सम्मानजनक क्षण मानती हैं। उनका आरोप है कि स्थानीय प्रशासन उन्हें पूर्ववत स्थान पर दुकान लगाने की अनुमति नहीं दे रहा है। उनका कहना है कि अधिकारियों द्वारा उन्हें ह्लऊपर से आदेशह्व लाने की बात कही जाती है, जिसके कारण वे असमंजस की स्थिति में हैं।

नियमों का पालन करें औद्योगिक इकाइयां, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई : सीडीओ रण विजय सिंह

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रशासन ने चीनी मिलों, डिस्टलरी एवं पेपर उद्योगों को सख्त चेतावनी दी है। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने स्पष्ट कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सभी अधिनियमों एवं नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा नियमों के उल्लंघन पर संबंधित इकाइयों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों से होने वाला प्रदूषण केवल एक क्षेत्र विशेष को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका दुष्प्रभाव आमजन के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ता है। इसलिए प्रदूषण नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि फैक्ट्रियों में स्थापित एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) से निकलने वाले स्लज (औद्योगिक अपशिष्ट) की नियमित जांच कराई जाए तथा बॉयलरों से निकलने वाली राख का निस्तारण निर्धारित मानकों और नियमों के अनुरूप किया जाए। बैठक में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी गिरीश आर्य ने बताया कि ईटीपी से निकलने वाले स्लज की वैज्ञानिक जांच आवश्यक है, जिससे उसमें मौजूद प्रदूषक तत्वों की मात्रा का सही आकलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि कुछ औद्योगिक इकाइयां इस स्लज का उपयोग अन्य कार्यों में भी करती हैं, इसलिए उसकी गुणवत्ता और उपयोगिता की जांच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी इकाइयों को नए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए ऑनलाइन प्रदूषण निगरानी प्रणाली के माध्यम से अपनी इकाइयों का नियमित मूल्यांकन करने

कांवड़ मार्गों को सुरक्षित व सुगम बनाने के निर्देश, अधूरे पैचिंग कार्य तत्काल पूरे होंगे

प्रातः किरण अवनीश त्यागी बिजनौर। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि कांवड़ मार्गों पर जहां कहीं भी सड़क मरम्मत एवं पैचिंग कार्य शेष है, उसे तत्काल पूरा कराया जाए। साथ ही निमार्णाधीन पुलों पर कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। बैठक में विद्यालयों में संचालित वाहनों की नियमित जांच कराने के भी निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा दोपहिया वाहन चालक हेलमेट और चारपहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर पुलों एवं अन्य आवश्यक स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कार्य पूर्ण होने के बाद उसकी जीपीएस युक्त फोटो उपलब्ध कराई जाए। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने जानकारी दी कि जनपद में वर्ष 2026 के दौरान चिन्हित किए गए सभी 12 ब्लैक स्पॉट पर सुधारात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। इन स्थानों पर संकेतक बोर्ड, थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग और रंबल स्ट्रिप सहित अन्य सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी से 30 जून 2026 तक सड़क सुरक्षा अभियान के तहत बिना लाइसेंस के वाहन चलाने पर 7,715 चालान किए गए। इसके अलावा रेट्रो रिफ्लेक्टिंग टेप न होने पर 324 वाहनों, मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर 10 स्कूली वाहनों, बिना फिटनेस प्रमाणपत्र वाले 264 वाहनों तथा स्पीड लिमिट डिवाइस न लगे होने पर 324 व्यावसायिक वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले 753 वाहन चालकों के चालान भी किए गए।

जनप्रतिनिधियो और न.पा. के खोखले वादों को उजागर कर रही है लोनी के सरकारी स्कूलो की बदहाली: अमित प्रजापति

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी। नेताओं और नगर पालिका विभाग के खोखले वादों की हकीकत देखनी है तो, लोनी के सरकारी स्कूलों की बदहाली को देखिये। यह कहना है हिंदू रक्षा दल के वरिष्ठ नेता अमित प्रजापति का। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा कि ह्ललोनी को लंदन बाद में बनाना, पहले स्थानीय बच्चों को नर्क से बचाओ! अमित प्रजापति ने कहा कि लोनी के सरकारी स्कूलों की बदहाली को देखिए वह किस तरह जिम्मेदारों के खोखले वादों की जमीनी हकीकत को उजागर कर रहे हैं, एक तरफ उनके बड़े-बड़े वादे और दूसरी तरफ हमारे गरीब बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़. जिनके स्कूल टापू बन चुके हैं। स्कूलों में भरे पानी के कारण बच्चे गंदगी और बदबू के बीच पढ़ने को मजबूर है. ऐसे में डेंगू और मलेरिया जैसे इंस्पेक्शन का खतरा मंडरा रहा है। यही नहीं बात बुनियादी सुविधाओं की करें तो ना ठीक से पढ़ाई, न बैठने की सुविधा और न ही कोई साफ-सफाई की व्यवस्था है। प्रजापति ने नेताओं में दोगलेपन का आरोप लगाते हुए कहा कि बड़े नेताओं और अफसर के बच्चे कुछ तो महंगी और अच्छे स्कूल में पढ़ते हैं लेकिन गरीब जनता के बच्चों के लिए मौलिक सुविधाओं का भी टोटा है। अमित प्रजापति ने जनप्रतिनिधियों को आपस की राजनीति लड़ाई बंद कर बच्चों को संविधान से मिला शिक्षा का अधिकार उन्हें सम्मान के साथ देने की बात कही। उन्होंने सरकार और प्रशासन से उनकी बात का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से उचित कदम उठाने की अपील की है।

महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर, सीडीओ ने दिए निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मिशन वात्सल्य एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं, जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) के कार्यों की समीक्षा की गई। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब परिवार, विधवा, निराश्रित महिला अथवा अन्य पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। साथ ही पात्र परिवारों के बच्चों की शिक्षा बाधित न होने देने तथा उन्हें आवास, शौचालय, पेंशन, राशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। सुपरवाइजर्स से कहा कि वे गांवों और श्रमिक वर्ग के बीच जाकर ऐसे पात्र लोगों की पहचान करें जो अभी तक किसी योजना का लाभ नहीं ले सके हैं और संबंधित विभागों से समन्वय कर उन्हें शीघ्र लाभान्वित कराएं। बैठक में वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, बाल संरक्षण से जुड़े मामलों तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के संचालन की समीक्षा की गई। सीडीओ ने महिला सुरक्षा और बाल हित से जुड़े मामलों में प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, मुख्यमंत्री बाल सेवा (सामान्य) योजना, बाल श्रम, बाल विवाह रोकथाम अभियान तथा वन स्टॉप सेंटर में स्थापित पुलिस चौकी के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रातः किरण संवाददाता

रामपुर। किसानों की विभिन्न समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ ने बुधवार को सदर तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी हर्षवर्धन सिंह को 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष वीरेश शर्मा के नेतृत्व में किसानों ने मंडी व्यवस्था, जल निकासी, अवैध कब्जों, छुट्टा गौवंश और बिजली आपूर्ति समेत कई मुद्दे उठाए। ज्ञापन में मंडी में किसानों से हो रही अवैध वसूली पर रोक लगाने, ग्राम बगरखा अड्डा में जल निकासी नाले को कब्जामुक्त कराने, दुर्गानगला की खलिहान भूमि से अवैध कब्जा हटाने, छुट्टा गौवंश की समस्या का स्थायी समाधान करने तथा किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके अलावा ग्राम काशीपुर के गाटा संख्या 358 से जुड़े भूमि प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर संभावित स्टांप शुल्क राजस्व हानि रोकने की भी मांग की गई। जिला अध्यक्ष वीरेश शर्मा ने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान संघ किसानों के हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार गंगवार, जिला प्रचार प्रमुख सर्वेश कुमार शर्मा, जिला युवा प्रमुख जतिन शर्मा, जिला सहमंत्री अरविंद कुमार, सैदनगर ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रपाल मौर्य, मिलक ब्लॉक अध्यक्ष आशीष चंद्रा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग का खौफनाक अंत: शादी का दबाव बनने पर युवक की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। थाना स्योहारा क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़े एक सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ब्रेजा कार, एक कुल्हाड़ी तथा रक्तरंजित टी-शर्ट भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मृतक नफीस अहमद का पिछले लगभग सात वर्षों से एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। दोनों के संबंधों का युवती के परिजन विरोध कर रहे थे। बताया जाता है कि मृतक युवती से विवाह करने की जिद पर अड़ा हुआ था और उसके रिश्ते भी तुड़वा रहा था। घटना वाले दिन भी उसने विवाह कराने का दबाव बनाया था। 29 जुलाई को मृतक की मां ने थाना स्योहारा में अपने पुत्र के घर से निकलने के बाद वापस न लौटने की सूचना दी थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मामला हत्या का निकला, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस की विवेचना में सामने आया कि आरोपियों ने मृतक को अपने घर बुलाकर उसके हाथ रस्सी से बांध दिए तथा आंख और मुंह पर कपड़ा बांधकर उसे काबू में कर लिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद आरोपियों ने आपसी योजना बनाकर उसे कार में बैठाकर थाना कांठ क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर गढ़ी के जंगल में ले जाकर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को खाई में फेंक दिया गया तथा मृतक का मोबाइल फोन तोड़कर रास्ते में फेंक दिया गया। पुलिस ने इस मामले में उवेश पुत्र अहमद हसन, साजिद पुत्र अहमद हसन तथा सितारा पत्नी अहमद हसन निवासी ग्राम अलादीनपुर, थाना स्योहारा को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित है।

पुलिस पर अवैध चाइनीज मांझे के मामले में पकड़े गए युवक को रिश्वत लेकर छोड़ देने का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी। 3 दिन पूर्व करीब 570 रोल चाइनीज मांझा बरामद करने का दावा करते हुए हैं पुलिस ने भलई अपनी पीठ थपथपा ली हो. मगर इस मामले में 50 हजार की रिश्वत लेकर एक आरोपी को छोड़ देने का आरोप लगने के बाद उसकी कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो गए है। शिकायतकर्ता के अनुसार मामले में पुलिस कमिश्नर जे.रविंदर गौड ने एसीपी लोनी से पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तलब की है। उल्लेखनीय है कि बादकार्रवाई पीपल फॉर एनिमल (न ङ्क्ष१ अल्ल्रें'२) संस्था से जुड़े गौरव गुप्ता की सूचना के आधार पर 2 दिन पूर्व पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांझा जब्त करने के साथ ही पांच लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। पुलिस के अनुसार, सबसे पहले बंथला चौकी क्षेत्र स्थित राम विहार कॉलोनी के एक मकान पर छापा मारा गया। यहां से प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के 120 रोल बरामद किए गए। मौके से दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था. इनसे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने इंदिरापुरी इलाके में दूसरी छापेमारी की। यहां एक मकान से चाइनीज मांझे की आठ पेटियां बरामद हुईं, जिनमें लगभग 450 रोल रखे हुए थे। इस कार्रवाई के दौरान तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया था।

-दिल्ली से पकड़े गए युवक से हुई पूछताछ के दौरान जुड़े थे लोनी से तार

पीपल फॉर एनिमल संस्था से जुड़े गौरव गुप्ता ने बताया था कि इससे पहले दिल्ली में एक व्यक्ति प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के साथ पकड़ा गया था। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर लोनी में इस अवैध कारोबार का सुराग मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना देकर संयुक्त कार्रवाई कराई गई। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ करने की बात कही थी। एसीपी लोनी राम किशन ने कहा था कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। बरामद प्रतिबंधित मांझे को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मगर अब पकड़े गए एक आरोपी को रिश्वत लेकर छोड़ देने के आरोप ने पुलिस कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

-पुलिस पर रिश्वत और धमकी के आरोप

गौरतलब हो कि 29 जुलाई को पीएफए की सूचना पर लोनी पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बरामद किया। उक्त संदर्भ में मुखबिर का आरोप है कि बंथला चौकी क्षेत्र से पकड़े गए एक आरोपी को 50 हजार रुपए लेकर छोड़ दिया गया। मुखबिर का यह भी आरोप है कि बंथला चौकी इंचार्ज ने धमकाते हुए कहा कि आगे चाइनीज मांझा पकड़वाया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। जिसकी शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड ने एसीपी लोनी को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में किसी भी पुलिसकर्मी की भूमिका संदिग्ध मिलने पर उन्होंने कार्रवाई करने की बात कही है।

सुभासपा की सामाजिक समरसता महारैली को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के जिला कार्यालय पर बुधवार को सामाजिक समरसता महारैली की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महारैली को सफल बनाने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने बताया कि 31 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में सुभासपा सुप्रीमो एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व में सामाजिक समरसता महारैली आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि अमरोहा से 15 बसों और करीब 20 कारों के काफिले के साथ कार्यकर्ता सुबह 8 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकताओं को लेकर पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि यह सामाजिक समरसता और पिछड़े-दलित समाज की एकजुटता का प्रतीक है। प्रदेश उपाध्यक्ष बलराज सिंह प्रजापति ने कहा कि यह महारैली सामाजिक न्याय, समानता और संगठन की शक्ति का संदेश देगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने का आह्वान करते हुए कहा कि अमरोहा की भागीदारी सबसे अधिक होनी चाहिए। बैठक में महारैली के लिए कार्यकताओं को ले जाने हेतु जसवीर सिंह चौहान, विनीत चौहान, रमेश प्रजापति, अतिकूर रहमान, पदम सिंह, इस्लामुद्दीन इदरीसी, राजेंद्र सिंह बग्गा, कन्हई राम प्रजापति, दिनेश सैन, अरुण कुमार और नरेश कुमार को बसों का प्रभारी बनाया गया। इस अवसर पर यूनुस सैफी प्रधान, आदेश अमरोही, मोहम्मद नाजिम, सलमान, चेतन सिंह, रामगोपाल जाटव, यूसुफ सैफी, पवन प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व एमएलसी परवेज अली ने बाबा फरीदी की दरगाह पर चादरपोशी कर मांगी मुल्क में अमन-चैन की दुआ

प्रातः किरण संवाददाता अमरोहा। पूर्व विधान परिषद सदस्य (मुरादाबाद-बिजनौर) परवेज अली ने गुरुवार को रजबपुर स्थित हजरत बाबा फरीदी शकरगंज रहमतुल्लाह अलैह के 552वें उर्स के अवसर पर दरगाह पहुंचकर चादरपोशी की। उन्होंने देश में अमन-चैन, भाईचारे और मिल्लत की सलामती के लिए विशेष दुआ की। श्री परवेज अली ने कहा कि हजरत बाबा फरीदी शकरगंज रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पूरे देश में आस्था और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल के रूप में जानी जाती है। यहां हर वर्ष लाखों की संख्या में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदाय के श्रद्धालु पहुंचते हैं और आपसी प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का संदेश देते हैं।उन्होंने कहा कि जो लोग देश की अमन-शांति और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, उन्हें इस दरगाह पर आकर हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल देखनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

गोबरा नवापारा में बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

रायपुर। अभनपुर विकासखंड के गोबरा नवापारा क्षेत्र में बीते शाम बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई थी। सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा तत्काल राहत कार्य शुरू किया गया। प्रशासनिक अमले ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इस दौरान तहसीलदार शेखर मंडई एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों के लिए राशन सामग्री की तत्काल व्यवस्था की गई। प्रशासन द्वारा सभी प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से ठहराने के साथ ही पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान नदी-नालों के पास न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें एवं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

श्रावण मास के शुभारंभ पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने देवाधिदेव महादेव की आराधना के पावन पर्व श्रावण मास के शुभारंभ पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की उपासना, श्रद्धा, भक्ति, संयम और आध्यात्मिक साधना का पवित्र अवसर है। यह पावन मास प्रत्येक श्रद्धालु के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मिक शांति और लोककल्याण की भावना का संचार करता है। चौधरी ने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का वास हो तथा प्रदेश निरंतर विकास, खुशहाली और समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहे। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों से श्रावण मास के दौरान श्रद्धा एवं आस्था के साथ भगवान शिव की आराधना करने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने कामना की कि महादेव का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे और यह पावन मास सभी के जीवन में नई ऊर्जा, सुख, मंगल लेकर आए।

संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन से समन्वय बनाकर करें जनसेवा : महेश गागड़ा

बीजापुर। जिले में लगातार हो रही बारिश और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने गुरुवार को आमजन एवं भाजपा कार्यकताओं से सतर्कता बरतने तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर लोगों की सहायता करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा के कारण कई क्षेत्रों में सड़कें बाधित हो सकती हैं और आवागमन प्रभावित होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में यदि किसी क्षेत्र का संपर्क टूटता है या लोगों को आवश्यक सहायता की जरूरत पड़ती है, तो स्थानीय एसडीएम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी से तत्काल संपर्क कर राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करें। पूर्व मंत्री गागड़ा ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए कहा कि बाढ़ या डुबान की स्थिति में किसी भी व्यक्ति को नदी, नाले अथवा जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने का जोखिम नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में प्रशासन के बाढ़ बचाव दल पूरी मुस्तैदी से कार्य करेंगे, इसलिए अफवाहों से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकताओं से अपील की कि आपदा की इस घड़ी में मानवीय संवेदनाओं के साथ जरूरतमंद लोगों की सहायता करें तथा प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं।

तालाब में एक अज्ञात युवती का मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। अभनपुर थानांतर्गत लखना गांव में गुरुवार सुबह गांव के बीच स्थित तालाब में एक अज्ञात युवती का शव पानी में उतराता हुआ मिला है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शव को सबसे पहले ग्रामीणों ने देखा, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग तालाब के आसपास एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। इस घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि युवती की हत्या कर शव को तालाब में फेंका गया हो सकता है। हालांकि हत्या या किसी अन्य कारण की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद शव को बाहर निकालकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद ही युवती की पहचान और मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पूरे गांव में घटना को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है।

लोकसभा के आंकड़ों का हवाला देकर गहलोत का भाजपा पर हमला

बोले- कांग्रेस राज में राजस्थान हरियाली बढ़ाने में देश में चौथे स्थान पर रहा

प्रात: किरण संवाददाता

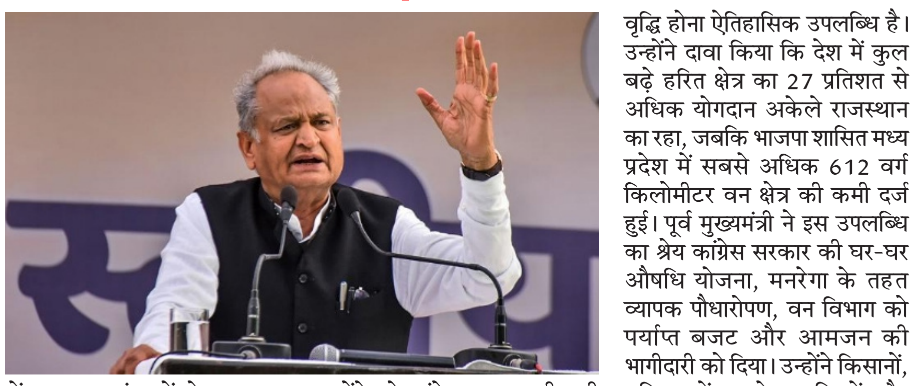

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 के अनुसार कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजस्थान के वन एवं वृक्ष आवरण में 394.46 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई, जिससे प्रदेश देशभर में चौथे स्थान पर रहा। गहलोत ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 20 जुलाई 2026 को लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार राजस्थान का वन एवं वृक्ष आवरण 26,995 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 27,389 वर्ग किलोमीटर हो गया। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि जिस प्रदेश का दो-तिहाई हिस्सा थार मरुस्थल है, वहां हरित क्षेत्र में इतनी वृद्धि होना ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने दावा किया कि देश में कुल बढ़े हरित क्षेत्र का 27 प्रतिशत से अधिक योगदान अकेले राजस्थान का रहा, जबकि भाजपा शासित मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 612 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र की कमी दर्ज हुई। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय कांग्रेस सरकार की घर-घर औषधि योजना, मनरेगा के तहत व्यापक पौधारोपण, वन विभाग को पर्याप्त बजट और आमजन की भागीदारी को दिया। उन्होंने किसानों, महिलाओं, मनरेगा श्रमिकों और वनकर्मियों का आभार भी जताया। गहलोत ने वर्तमान भाजपा सरकार पर भी सवाल उठाए।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में गहराया जल संकट

सैकड़ों मछलियों की मौत, पक्षियों का पलायन शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

भरतपुर। विश्व प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना पक्षी विहार) इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहा है। पांचना बांध से पानी नहीं मिलने और इस वर्ष सामान्य से कम बारिश होने के कारण उद्यान के अधिकांश वेटलैंड्स और तालाब सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि सैकड़ों मछलियां दम तोड़ चुकी हैं, कछुए पानी के अभाव में तड़प रहे हैं और बड़ी संख्या में पक्षी दूसरे वेटलैंड क्षेत्रों की ओर पलायन करने लगे हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान की जीवनरेखा माना जाने वाले पांचना बांध से इस बार अब तक पानी नहीं छोड़ा गया है। बांध में जलस्तर कम होने के कारण पानी उपलब्ध नहीं कराया जा सका। सामान्यतः पांचना बांध का पानी पहले अजान बांध में पहुंचता है और वहां से घना पक्षी विहार के वेटलैंड में छोड़ा जाता है, जिससे पूरे उद्यान की पारिस्थितिकी संतुलित रहती है। उद्यान के उप वन संरक्षक (डीएफओ) चेतन कुमार ने बताया कि पानी की लगातार कमी के कारण घना के अधिकांश तालाब और वेटलैंड लगभग खाली हो चुके हैं। गर्मी के दौरान जलस्तर लगातार गिरने से सैकड़ों मछलियों की मौत हो चुकी है। जिन क्षेत्रों में पानी तेजी से कम हो रहा था, वहां से मछलियों को बचाकर डी ब्लॉक के अपेक्षाकृत गहरे जलाशय में स्थानांतरित किया गया, लेकिन जल संकट लगातार बढ़ने से अब अन्य वन्य जीव और पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने आपात व्यवस्था के तहत धौलपुर स्थित चंबल नदी से पानी मंगाना शुरू किया है। इस सीजन में अब तक चार बार चंबल का पानी उद्यान तक पहुंचाया जा चुका है। इसके अलावा कई संवेदनशील क्षेत्रों में टैंकरों से पानी डलवाया जा रहा है तथा सोलर ऊर्जा से संचालित मोटरों को 24 घंटे चलाकर उपलब्ध पानी को विभिन्न जलाशयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि वन विभाग का कहना है कि यह व्यवस्था केवल अस्थायी राहत दे सकती है। अधिकारियों के अनुसार चंबल का पानी स्वच्छ तो है, लेकिन केवलादेव की प्राकृतिक पारिस्थितिकी के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता।

भोपालपटनम से तेलंगाना को जोड़ने वाला प्रमुख सड़क संपर्क हुआ बाधित

प्रात: किरण संवाददाता

बीजापुर। जिले में 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर नेशनल हाईवे-163 पर तारलागुड़ा पोटाकेबिन के आगे निमार्णाधीन पुल के पास बनाया गया अस्थायी डायवर्जन तेज बहाव नहीं झेल सका और दो हिस्सों में बह गया। इसके साथ ही भोपालपटनम से तेलंगाना को जोड़ने वाला प्रमुख सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है।मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-163 पर कई पुल और पुलियों का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण एजेंसी ने वाहनों की आवाजाही जारी रखने के लिए अस्थायी डायवर्जन तैयार किए थे, लेकिन लगातार बारिश और तेज बहाव के कारण बुधवार को यह डायवर्जन बह गए। इसके चलते छोटे-बड़े सभी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। डायवर्जन बहने से आम लोगों, व्यापारियों और मालवाहक वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे आवश्यक सेवाओं के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग से मांग की है कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए मजबूत वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए, ताकि हर साल होने वाली इस समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

चलती पिकअप वाहन पर गिरा विशाल पेड़, बाल-बाल बचा चालक

प्रात: किरण संवाददाता

सुकमा। जिले में लगातार 24 घंटे से जारी बारिश से जनजीव अस्त व्यस्त हो गया है। सुकमा-जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सम्राट नगर के पास आज गुरुवार सुबह सड़क किनारे खड़ा एक विशाल पेड़ अचानक गुजर रहे पिकअप वाहन पर गिर पड़ा। हादसे में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक लखेंद्र सोढ़ी (निवासी सोढ़ीपारा, सुकमा) वाहन के अंदर फंस गया, राहत की बात रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई चालक बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही सुकमा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जवानों ने स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। वाहन में फंसे चालक को निकालने के लिए हाइड्रा और जेसीबी मशीन की सहायता ली गई। काफी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू के बाद घायल चालक को प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल, सुकमा भेजा गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना पर तहसीलदार सुकमा और नगर पालिका परिषद की टीम भी मौके पर पहुंची। सड़क पर गिरे पेड़ को हटाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारु कराया गया। वहीं दूसरी घटना में छिंदगढ़ विकासखंड अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर राजमुंडा के पास एक विशाल पेड़ सड़क के बीचों-बीच गिर जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। पेड़ गिरने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक भारी-भरकम पेड़ सड़क पर गिरने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना के समय कोई वाहन पेड़ की चपेट में नहीं आया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि या हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। सुकमा पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बारिश और तेज हवा के दौरान यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा संबंधित सहायता सेवाओं को दें, ताकि समय पर राहत और बचाव कार्य किया जा सके।

नगरसेना ने बीमार बच्ची व महिला को उपचार के लिए पहुंचाया अस्पताल

प्रात: किरण संवाददाता

बीजापुर। जिले में नगरसेना की टीम द्वारा गुरुवार को ग्राम रेड्डी की एक महिला एवं उसकी बीमार बच्ची को उफनते जलमार्ग से सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सका। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है। ऐसी विषम परिस्थितियों में जिला प्रशासन के निर्देश पर नगरसेना (होमगार्ड) की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। नगरसेना के जवान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जोखिम उठाकर ग्रामीणों और मरीजों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य लगातार कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान उफनते नदी-नालों को पार करने का प्रयास न करें तथा किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन और नगरसेना की सहायता लें। नगरसेना की टीम आवश्यकता पडने पर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, अस्पताल ले जाने तथा आपदा की स्थिति में त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे तत्पर है। लगातार हो रही बारिश के बीच टीम का यह मानवीय और साहसिक प्रयास लोगों के लिए राहत का बड़ा सहारा बन रहा है। प्रशासन द्वारा हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहे हैं।

650 दीपों की रोशनी में गूंजा समरसता का संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

धमतरी। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी समरसता संकल्प अभियान के प्रथम चरण के तहत भाजपा शहर मंडल धमतरी ने नगर की आराध्य देवी मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में बुधवार देर शाम 650 दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर परिसर दीपों की अलौकिक रोशनी से जगमगा उठा और पूरा वातावरण श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। यह अभियान 29 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2027 तक पांच चरणों में संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष पवन गजपाल ने संत गुरु रविदास महाराज को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता का अमूल्य संदेश दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव और कुरीतियों को समाप्त कर सभी वर्गों को एकजुट होकर राष्ट्र एवं समाज के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि संत रविदास महाराज के विचार आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं और उनके आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक समरसता तथा सद्भावना को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संत गुरु रविदास महाराज के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के 160 गांवों का होगा चयन

रायपुर। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के 160 ग्रामों का चयन निर्धारित मापंदडों के आधार पर किया जाएगा। इन ग्रामों में सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) के संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन के लिए सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना (सीएफआरएमपी) तैयार कर लागू की जाएगी। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए 15 लाख रूपए की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। आदिम जाति विभाग द्वारा कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा गया है कि योजना के तहत प्रत्येक चयनित ग्रामसभा में सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा, जो ग्रामसभा के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन और संचालन की जिम्मेदारी निभाएगी। इसके लिए ग्रामसभा के नाम पर राष्ट्रीयकृत बैंक में सिंगल करंट अकाउंट भी खोला गया है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि राज्य सरकार ने जिलों से ऐसे 160 गांवों का चयन क्लस्टर आधारित और परस्पर जुड़े क्षेत्र के आधार पर प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं, ताकि योजनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके। पत्र में कहा गया है कि योजना के प्रभावी संचालन के लिए राज्य सरकार तकनीकी सहयोगी, सिविल सोसायटी संगठनों तथा स्थानीय संस्थाओं की सेवाएं भी ले सकेगी। इन संस्थाओं की सेवाएं ग्रामसभा के प्रस्ताव एवं विधिवत अनुमोदन के बाद लिया जा सकेगा। ये संस्थाएं ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन योजना तैयार करने, उसके क्रियान्वयन तथा निगरानी में सहयोग देंगी। आदिम जाति विभाग के अधिकारियों ने आज गुरुवार को इस संबंध में बताया कि इस पहल से वन अधिकार अधिनियम-2006 का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन होगा, ग्रामसभाओं की भूमिका मजबूत होगी तथा सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और आजीविका संवर्धन को नई गति मिलेगी।

ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

कांकेर। जिले की भानुप्रतापपुर पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन के माध्यम से सट्टा संचालित करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर आज गुरुवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जानकारी के अनुसार आरोपित विकास उर्फ रिंकू सॉरी (19 वर्ष) निवासी बसंत नगर, नरेंद्र जायसवाल (43 वर्ष) निवासी सालियापारा वार्ड-07 तथा मनोज सचदेव (38 वर्ष) निवासी संतोषी नगर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं, वहीं उनके बैंक खातों में जमा 6.88 लाख की राशि को होल्ड (फ्रीज) कर कार्रवाई उपरांत आज न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए रवाना कर दिया गया है। भानुप्रतापपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बसंत नगर क्षेत्र में कुछ लोग मोबाइल फोन के जरिए विभिन्न अंकों पर रुपये का दांव लगवाकर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के खिलाफ थाना भानुप्रतापपुर में अपराध क्रमांक 147/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा 7(1) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चार मोबाइल फोन जब्त किए। साथ ही ऑनलाइन सट्टे से जुड़े बैंक खातों में जमा 6.88 लाख की राशि को होल्ड कर दिया गया है, ताकि धनराशि के लेन-देन को रोका जा सके। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह भारद्वाज, सहायक उपनिरीक्षक फलित कुमार, कैलाश पांडे (साइबर टीम), भागेश पटेल, पुरुषोत्तम कतलाम तथा थाना स्टाफ का योगदान रहा। कांकेर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। इसके लिए जिला पुलिस की अपराध हेल्पलाइन 94791-55125 पर सूचना दी जा सकती है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

99.25 लाख से बनेगी दो आरसीसी नालियां, कुरूद में जलभराव से मिलेगी राहत

प्रात: किरण संवाददाता

धमतरी। कुरूद नगर में वर्षों से चली आ रही जल निकासी की समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगर पालिका परिषद कुरूद क्षेत्र में दो आरसीसी नालियों के निर्माण के लिए 99 लाख 25 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद संचालनालय ने इन कार्यों की प्राविधिक स्वीकृति जारी कर दी है। स्वीकृत कार्यों के तहत वार्ड क्रमांक-1 में भारतीय स्टेट बैंक से छोटे नहर तक आरसीसी नाली निर्माण के लिए 53 लाख 17 हजार रुपए तथा वार्ड क्रमांक-21 में मंगलम हार्डवेयर से छोटे नहर तक आरसीसी नाली निर्माण के लिए 46 लाख 8 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। इन नालियों के निर्माण से वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या में कमी आएगी, जल निकासी व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी और नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित शहरी वातावरण को बढ़ावा मिलेगा। विधायक अजय चंद्राकर ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में आधारभूत अधोसंरचना को मजबूत करने और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से कुरूद नगर की लंबे समय से चली आ रही जल निकासी संबंधी समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी कुरूद नगर के विकास के लिए जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

बांदे-पखांजूर मुख्य मार्ग पर दर्जनों पेड़ व बिजली के पोल गिरे यातायात हुआ बाधित

प्रात: किरण संवाददाता

कांकेर। जिले के पखांजूर क्षेत्र में बुधवार देर रात आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। आंधी की वजह से बांदे-पखांजूर मुख्य मार्ग पर दर्जनों बड़े पेड़ और कई विद्युत पोल गिर गए, जिससे सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। हालात ऐसे बने कि यात्री बसों का संचालन भी रोकना पड़ा। गुरुवार सुबह से बांदे पुलिस सड़क से पेड़ हटाकर यातायात बहाल करने में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात तेज आंधी और भारी बारिश के चलते बांदे-पखांजूर मुख्य मार्ग पर कई स्थानों पर विशाल पेड़ सड़क पर गिर पड़े। पेड़ों के गिरने से कई बिजली के पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गई। मुख्य मार्ग बंद होने के कारण यात्री बसों सहित अन्य वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। कई वाहन रास्ते में ही फंस गए और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, बांदे स्थित बीएसएफ कैंप परिसर में भी पेड़ गिरने की सूचना है, हालांकि किसी तरह की जनहानि की खबर नहीं है। घटना के बाद गुरुवार सुबह से बांदे पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाने और यातायात बहाल करने में जुटी हुई है।

जयपुर में भारत टैक्सी सेवा का ट्रायल शुरू यात्रियों को मिलेगा 10-15% सस्ता किराया

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर। राजधानी जयपुर में सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी सेवा का ट्रायल शुरू हो गया है। कंपनी का दावा है कि इस ऐप के जरिए यात्रियों को अन्य कैब एग्रीगेटर कंपनियों की तुलना में 10 से 15 प्रतिशत तक कम किराए पर सफर की सुविधा मिलेगी। साथ ही चालकों से किसी प्रकार का कमीशन नहीं लिया जाएगा, जिससे उनकी आय भी बढ़ सकेगी। फिलहाल सेवा शुरूआती चरण में है और आने वाले कुछ महीनों में पूरे शहर में 24 घंटे टैक्सी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी के अनुसार भारत टैक्सी में यात्रियों से पीक आवर्स, बारिश या अधिक मांग के समय भी अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाएगा। यानी अन्य कैब सेवाओं की तरह इसमें सर्ज प्राइसिंग लागू नहीं होगी और दिन-रात या व्यस्त समय में भी किराया सामान्य रहेगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐप में शेक टू एसएमएस फीचर भी जोड़ा गया है। इस सुविधा के तहत यात्री तीन आपातकालीन मोबाइल नंबर पहले से दर्ज कर सकते हैं। किसी भी आपात स्थिति में मोबाइल फोन को जोर से हिलाते ही यात्री की लाइव लोकेशन स्वतः इन तीनों नंबरों पर भेज दी जाएगी। कंपनी का कहना है कि यह फीचर विशेष रूप से महिलाओं और अकेले यात्रा करने वाले लोगों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करेगा। फिलहाल भारत टैक्सी की सेवाएं जयपुर के मालवीय नगर, दुर्गापुरा, टोंक रोड, सोडाला और जवाहर सर्किल जैसे क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। वहीं वैशाली नगर, प्रतापनगर, मान्यावास, भांकरोटा, आगरा रोड और सीकर रोड सहित शहर के बाहरी इलाकों में अभी वाहनों की संख्या सीमित होने के कारण यात्रियों को टैक्सी मिलने में कुछ समय लग सकता है। कंपनी के अनुसार बीते एक महीने में जयपुर से करीब 36 हजार चालकों ने पंजीकरण कराया है, लेकिन फिलहाल 3,400 वाहन ही संचालन में हैं। जैसे-जैसे अधिक वाहन सेवा से जुड़ेंगे, शहर के सभी क्षेत्रों में 24 घंटे टैक्सी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। भारत टैक्सी जयपुर के सिटी हेड अभिषेक चारण ने बताया कि सेवा अभी शुरूआती चरण में है। आने वाले कुछ महीनों में पूरे जयपुर में 24 घंटे टैक्सी सेवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और किफायती सफर उपलब्ध कराना तथा चालकों को बिना किसी कमीशन के बेहतर आय का अवसर देना है।

15 हजार की कमाई, लेकिन 6.79 करोड़ का टैक्स नोटिस! जूती कारीगर के खाते पर लगी रोक

प्रात: किरण संवाददाता

बालोतरा। महीनेभर मेहनत करके मुश्किल से 10 से 15 हजार रुपये कमाने वाले एक साधारण जूती कारीगर के होश उस समय उड़ गए, जब उसके नाम पर 6 करोड़ 78 लाख 97 हजार 357 रुपये का जीएसटी बकाया निकल आया। तमिलनाडु से जारी इस नोटिस के बाद बैंक ने उसका खाता फ्रीज कर दिया। अब गरीब कारीगर न्याय की गुहार लगा रहा है और पूरे मामले में साइबर ठगी की आशंका जताई जा रही है। बालोतरा जिले के गुड़ामालानी के जीनगर मोहल्ला निवासी जितेंद्र कुमार जीनगर चमड़े की पारंपरिक जूतियां बनाकर परिवार का गुजारा करते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि हाल ही में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले मकान की पहली किस्त से एक कमरा बनवा रहे हैं। परिवार फिलहाल छोटे भाई के घर रह रहा है। ऐसे में करोड़ों रुपये के टैक्स नोटिस ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। जितेंद्र ने बताया कि 25 जुलाई को बैंक खाता बंद होने की जानकारी मिलने पर वह भारतीय स्टेट बैंक की गुड़ामालानी शाखा पहुंचे थे। बैंक अधिकारियों ने 28 जुलाई को आने को कहा। दोबारा पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि उनके नाम जीएसटी का भारी बकाया है और इसी कारण बैंक खाते पर रोक लगाई गई है। बैंक ने उन्हें तमिलनाडु से जारी नोटिस भी सौंप दिया। इसके बाद उन्होंने गुड़ामालानी थाने में शिकायत दी, जहां से उन्हें साइबर थाना जाने की सलाह दी गई।

बस्तर में 24 घंटे की लगातार बारिश से इंद्रवती नदी का जलस्तर बढ़ा, जनजीवन प्रभावित

प्रात: किरण संवाददाता

जगदलपुर। जिले में सावन की शुरूआत के साथ ही जिले में मानसून मेहरबान हो गया है। धान की रोपाई में जुटे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। 24 घंटे की लगातार बारिश से इंद्रवती नदी का जलस्तर बढ़ जाने से चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात पूरे उफान पर हैं। चित्रकोट की खूबसूरती निखर गई है, जबकि शहर में जलभराव, पेड़ गिरने और जगदलपुर-सुकमा मार्ग पर जाम से जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार अगले 72 घंटे तक बस्तर संभाग के कई जिलों में अति भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। लेकिन आज सुबह से लगातार बरसात का दौर कुछ कम हुआ है, काले घने बादल से बरसात की संभावना बनी हुई है। 24 घंटों के दौरान बड़े बचेली में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा हुई। बीजापुर में 120 से 130 मिमी वर्षा हुई। छत्तीसगढ़ का ह्यनियाग्रा जलप्रपातह्ल कहलाने वाला चित्रकोट जलप्रपात इन दिनों पूरे शबाब पर है। करीब 90 फीट की ऊंचाई से गिरते पानी की गर्जना दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। लगातार हो रही बारिश के कारण जलप्रपात का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे इसकी खूबसूरती और निखर गई है। चित्रकोट जलप्रपात को देखने के लिए हर वर्ष बस्तर, छत्तीसगढ़ के अलावा देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। हालांकि पिछले 24 घंटे से जारी बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। शहर में लगातार हो रही बारिश से महारानी अस्पताल मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

कांवड़ यात्राः यातायात कर्मियों को रेनकोट और छाते बांटे

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा के मद्देनजर कमिश्नरेट के अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की सुविधाओं और संसाधनों को मजबूत करने की दिशा में पहल की है। बुधवार को मेरठ तिराहे पर आयोजित कार्यक्रम में यातायात कर्मियों को जनसहयोग से रेनकोट, छाते, बैटन लाइट और पेयजल कैंपर वितरित किए गए। इस मौके पर डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए पुलिसकर्मियों को हर परिस्थिति में मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करनी होगी। बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्हें रेनकोट और छाते उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान यातायात संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए बैटन लाइट वितरित की गई। इस मौके पर उन्होंने निर्देश दिए कि वह पूरी सतर्कता, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं। श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए और यातायात व्यवस्था को हर हाल में सुचारु बनाए रखा जाए। एडीसीपी ट्रैफिक वरुण कुमार सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी पुलिसकर्मियों पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी प्रमुख मार्गों और चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर एसीपी ट्रैफिक प्रथम शुचिता सिंह भी मौजूद रहीं।

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश आज तक होंगे

गाजियाबाद। जिले के कलछीना में संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा-छह में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए आवेदन आज (31 जुलाई) तक किए जा सकेंगे। विद्यालय में प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को आयोजित की जाएगी। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि जिले के निवासी एवं वर्तमान में जिले के किसी मान्यता प्राप्त या सरकारी विद्यालय में कक्षा पांच में पढ़ रहे विद्यार्थी ही आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा अभ्यर्थी ने कक्षा तीन एवं कक्षा चार की पढ़ाई पूर्ण शैक्षिक सत्र के दौरान किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय से ही की हो साथ ही उत्तीर्ण किया हो। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी पूर्व में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में शामिल हो चुके हैं, वे इस बार आवेदन के पात्र नहीं होंगे। वहीं अभ्यर्थी की जन्मतिथि एक मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच होना अनिवार्य है। इसके लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र भरते समय सभी आवश्यक दस्तावेज एवं विवरण सही ढंग से दर्ज करना आवश्यक होगा, ताकि आवेदन निरस्त होने की संभावना न रहे।

हटाए गए अधिकारियों की विभागीय जांच शुरू

ग्रेटर नोएडा। शहर के कलाधाम सोसाइटी में नलकूप की बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूबने से छह साल के बच्चे की मौत की घटना के बाद हटाए गए प्राधिकरण के जल विभाग के चार अधिकारियों के स्थान पर चार नए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, हटाए गए अधिकारियों की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। नॉलेज पार्क-2 स्थित कलाधाम सोसाइटी में बीते शनिवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से छह साल के बच्चे अव्यान पुत्र शिवान यादव की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक विनोद कुमार शर्मा, प्रबंधक गरिमा सिंह और सहायक प्रबंधक मनोज चौधरी को उनके सभी कार्यों से मुक्त कर प्राधिकरण के ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित दफ्तर से संबद्ध कर दिया गया था। प्रारंभिक जांच में लापरवाही पाई गई थी। वहीं, नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने तकनीकी सुपरवाइजर, सुपरवाइजर और ठेकेदार को रविवार को गिरफ्तार कर जेल दिया था। इन तीनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी. प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस द्वारा जारी किए गए कार्यालय आदेश के मुताबिक हटाए गए तीनों अधिकारियों के काम अब आगे के आदेश तक वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम, प्रबंधक रोहित गुप्ता, सहायक प्रबंधक गौरव और सहायक प्रबंधक राजीव कुमार देखेंगे। इनके द्वारा अपना वर्तमान काम भी देखा जाएगा। नए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शहर में चल रही सभी पेयजल परियोजनाओं की सुरक्षा और गुणवत्ता को प्राथमिकता से देखें। बताया जा रहा है कि आरोपी ठेकेदार द्वारा कराए गए अन्य कार्यों की भी जांच कराई जाएगी। आरोपी ठेकेदार की फर्म द्वारा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गांवों में पेयजल आपूर्ति का काम भी किया जा रहा है। कार्यों में लापरवाही का आरोप पहले भी लगता रहा है.

दहेज मांगने का विरोध करने पर मारपीट की

लोनी। लोनी थाना क्षेत्र में निकाह के पांच वर्ष बाद दहेज में ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला से कार और दस लाख रुपये की मांग की। आरोप है कि विरोध करने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला के परिजन को घर बुलाकर मारपीट कर धारदार हथियार से हमला किया। हमले में पांच लोग घायल हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पति समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लोनी थाना क्षेत्र की प्रेम नगर कॉलोनी में रहने वाले सलमान ने अपनी बहन आयशा का निकाह पांच वर्ष पहले मुस्तफाबाद कॉलोनी में रहने वाले वसीम के साथ किया था। उन्होंने बताया निकाह के बाद से ससुराल वाले बहन को दहेज कम लाने के लिए प्रताड़ित करते थे। उन्होंने बताया कि करीब एक माह पहले पति और ससुराल के लोगों ने बहन को कार और दस लाख रुपये की मांग करते हुए घर से निकाल दिया। वह 19 जुलाई को समाज के लोगों के साथ बहन की ससुराल पहुंचे तो ससुर ने 29 जुलाई को घर आने की बात कहीं। आरोप है कि वह भाई और अन्य के साथ 29 जुलाई को बहन की ससुराल पहुंचे तो बहनोई उसके भाई, पिता और जीजा ने उन लोगों के साथ मारपीट की।

जेपी इंफ्राटेक के 21 और टावर में दो हजार फ्लैट तैयार

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। जेपी इंफ्राटेक की विशटाउन परियोजना के 21 और टावर में दो हजार फ्लैट तैयार हो गए हैं। सुरक्षा रियलटी कंपनी का दावा है कि अब तक कुल 84 टावर में 7913 फ्लैट तैयार हो चुके हैं। वहीं, निर्माण कार्य पूरा कर 42 टावर का ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) ले लिया गया है और 26 टावर की एनओसी के लिए आवेदन किया गया है। सात टावर का स्ट्रक्चरल ऑडिट पूरा हो चुका है, जबकि नौ टावर का ऑडिट जारी है। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जश पंचमिया ने बताया कि जिन 42 टावर के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट मिल चुके हैं, जिनमें 4,213 फ्लैट हैं। इसके अलावा कंपनी ने दो हजार 229 फ्लैट वाले 26 और टावर की ओसी के लिए आवेदन किया है और जल्द ही इनके लिए मंजूरी मिलने की उम्मीद है। 583 फ्लैट वाले सात टावर का स्ट्रक्चर ऑडिट पूरा कर लिया है। नौ टावर, जिनमें 888 फ्लैट हैं, उनका स्ट्रक्चरल ऑडिट वर्तमान में चल रहा है। जब इन टावर का स्ट्रक्चरल ऑडिट और फायर एनओसी का काम पूरा हो जाएगा तो ओसी के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कंपनी ने वर्ष 2028 तक परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। जनवरी 2025 तक 6500 फ्लैट तैयार थे कंपनी ने वर्ष 2024 में जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण किया था। जनवरी 2026 में प्रेसवार्ता के दौरान कंपनी पदाधिकारियों ने 63 टावर पूरा कर 6500 फ्लैट तैयार करने का दावा किया था। उस समय तक 31 टावर की ओसी प्राप्त हुई थी, जिनमें कुल 3135 फ्लैट थे। हालांकि, छह माह बाद अबतक कुल निर्मित हो चुके टॉवर की संख्या बढ़कर 84 हो गई है और कुल तैयार फ्लैट भी लगभग आठ हजार हो चुके हैं। इस परियोजना में कुल 159 टावर हैं, जिनमें लगभग 20 हजार खरीदार फंसे हैं। सुविधाएं विकसित करने पर जोर सेक्टर-128, 129, 131, 133 और 134 में फैली विशटाउन परियोजना में गंगा का पानी उपलब्ध करा दिया गया है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल ग्यारह क्लस्टर क्लब चालू हो जाएंगे। कंपनी ने टाउनशिप के बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बेहतर बनाया है। जीएसएस-1 की बिजली लोड क्षमता को 19.8 एमवीए से बढ़ाकर 35 एमवीए कर दिया गया है, जबकि जीएसएस-2 का मौजूदा लोड 9.7 एमवीए है।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर पूर्व नौ सैनिक से 2.23 करोड़ रुपये ठगे

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा। साइबर अपराधियों ने सेक्टर-21 जलवायु विहार सोसाइटी में रहने वाले पूर्व नौ सैनिक से शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 2.23 करोड़ रुपये ठग लिए। जालसाजों ने उन्हें निवेश करने पर तीन गुना लाभ का झांसा देकर फंसाया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सेक्टर-21 स्थित जलवायु विहार में रहने वाले सुनील कुमार आनंद ने 73 वर्ष के हैं और नौसेना से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें 10 जून को व्हाट्सऐप के माध्यम से एक सूचना मिली। सूचना देने वालों ने उन्हें शेयर मार्केट में निवेश करने करके तीन गुना धन करने का प्रलोभन दिया। उन्हें शेयर ट्रेडिंग के लिए खाता खोलने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भेजा। उन्होंने फॉर्म भर दिया। उसे वह वास्तविक मानते हुए उसमें शामिल लोगों से बातचीत करते रहे। पीड़ित के अनुसार 14 जून 2026 को व्हाट्सऐप पर द्वारा उन्हें संदेश मिला, जिसमें कहा गया कि उनके ट्रेडिंग खाते के आवेदन को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि सत्यापन के लिए उन्होंने अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड और फोटो की कॉपी जमा की। इसके बाद उन्हें यूपी एक्सप्रो ट्रेडिंग ऐप्लीकेशन इंस्टॉल करने के लिए कहा गया। उनके अनुसार प्लेटफार्म चलने वाले लोगों ने बताया कि अपर सर्किट पर स्टॉक खरीद कर अगले दिन बेच सकते हैं। उन्हें पांच प्रतिशत लाभ मिलेगा। उनसे कहा गया कि डिस्काउंटेड कीमतों पर ब्लॉक डील में वह हिस्सा ले सकते हैं। ऐप्लीकेशन के जरिए डिस्काउंटेड रेट पर ऑफर किए गए आईपीओ में उन्होंने निवेश किया। पीड़ित के अनुसार 15 जून से 21 जुलाई के बीच उन्होंने दो करोड़ 23 लाख 51 हजार 136 रुपये जालसाजों के विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए।

नोएडा में म्यूल अकाउंट गैंग का भंडाफोड़, 7 अरेस्ट

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा पुलिस ने साइबर अपराधियों तक ठगी का पैसा पहुंचाने वाले म्यूल अकाउंट गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि गिरोह फर्जी कंपनियों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उन्हें साइबर अपराधियों को बेचता था। इन खातों से देशभर में हुए करोड़ों रुपये के साइबर फ्रॉड की 74 शिकायतें जुड़ी मिली हैं। एडीसीपी स्वतंत्र सिंह ने गुरुवार शाम को पीसी कर बताया कि आरोपी फर्जी कंपनियों के नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। इसके बाद खातों से जुड़े मोबाइल में एक विशेष अढङ ऐप इंस्टॉल कर दी जाती थी। ऐप एक्टिव होने के बाद बैंक से आने वाले सभी एसएमएस और ओटीपी सीधे गिरोह के सरगना राधे तक पहुंच जाते थे। इन्हीं ओटीपी की मदद से साइबर अपराधी खातों में आई ठगी की रकम निकाल लेते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले दो से छह महीने से नोएडा में रहकर म्यूल अकाउंट तैयार करने और साइबर अपराधियों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में अजब सिंह (फरुर्खाबाद), प्रदीप (दिल्ली), गुलाब सिंह लोधी (विदिशा), कौशल (फरुर्खाबाद), सचिन (फरुर्खाबाद), जिनेंद्र सिंह (कन्नौज) और प्रियंका (आगरा) शामिल हैं। इनमें डी-फार्मा, बीएससी, बीए और 12वीं तक पढ़े युवक-युवतियां शामिल हैं। कमीशन लेकर आगे ट्रांसफर करते थे रकम पुलिस के मुताबिक ठगी की रकम का एक हिस्सा कमीशन के तौर पर गिरोह के सदस्यों को मिलता था, जबकि बाकी रकम दूसरे खातों और यूएसडीटी (USDT) के जरिए आगे ट्रांसफर कर दी जाती थी।

नोएडा में तीन लोगों से 43.50 लाख की ठगी

प्रातः किरण संवाददाता

साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग, घर बैठे नौकरी और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर तीन लोगों को झांसा देकर 43.50 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। तीनों पीड़ितों ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग (एनसीआरपी) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर सेल ने मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। ठगों के बैंक खातों में 10.65 लाख रुपये से अधिक की राशि फ्रीज कराई है। मामलों की आगे जांच जारी है। शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 17.76 लाख की ठगी सेक्टर-122 निवासी एक व्यक्ति को पिछले वर्ष एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां उन्हें शेयर बाजार में निवेश से मोटा लाभ कमाने के टिप्स दिए गए। इसके बाद ठगों ने उन्हें एक ऐप पर पंजीकरण कराकर अपने बताए बैंक खातों में निवेश के नाम पर रकम जमा करानी शुरू कर दी। कई महीनों में पीड़ित ने 17.76 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। शिकायत के बाद जांच में पुलिस ने 4.96 लाख रुपये फ्रीज कराए हैं। घर बैठे नौकरी का ऑफर देकर महिला से 14.54 लाख ऐंठे नोएडा की एक महिला ने बताया कि 2 अगस्त 2025 को टेलीग्राम के माध्यम से एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और घर बैठे नौकरी का प्रस्ताव दिया। अगले दिन उन्हें एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ दिया गया। टास्क पूरा करने और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ठगों ने महिला से 14.54 लाख रुपये विभिन्न खातों में जमा करा लिए और बाद में संपर्क समाप्त कर दिया। पुलिस ने इस मामले में 3.38 लाख रुपये फ्रीज कराए हैं। गेमिंग ऐप में दोगुना मुनाफे का लालच, युवक से 11.20 लाख की ठगी ग्रेटर नोएडा के स्टेलर वन निवासी एक युवक ने पुलिस को बताया कि ऑनलाइन गेम खेलते समय उन्हें गूगल पर एक गेमिंग ऐप मिला, जिसमें गेम खेलकर रकम दोगुनी करने का दावा किया गया था। लालच में आकर युवक ने धीरे-धीरे 11.20 लाख रुपये ऐप में निवेश कर दिए। बाद में ठगी का पता चलने पर शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पुलिस ने 2.30 लाख रुपये ठगों के बैंक खाते में फ्रीज कराए हैं। पुलिस की अपील साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शेयर बाजार में निवेश, घर बैठे नौकरी या ऑनलाइन कमाई के किसी भी प्रस्ताव पर बिना सत्यापन भरोसा न करें।

सोसाइटी की पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद, मारपीट

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज-1 सोसाइटी की पार्किंग में कार खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान एक युवक के साथ जमकर मारपीट की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस का कहना है कि घटना करीब दस दिन पूर्व की है। मामले में कार्रवाई की जा चुकी है। बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक सोसाइटी निवासी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि 19 जुलाई की शाम उनकी कार की बैटरी खराब हो गई थी। इसी दौरान उन्होंने कुछ देर के लिए सोसाइटी निवासी रजत की पार्किंग में कार खड़ी कर दी थी। जयप्रकाश के मुताबिक रजत वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। पार्किंग से कार हटाने के लिए कहने लगा। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। रजत ने किसी को फोन किया। थोड़ी देर बाद तीन-चार लोग मौके पर पहुंचे और जयप्रकाश के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट में उनके कान में गहरी चोट आई। घटना का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जयप्रकाश शर्मा का कहना है कि उन्होंने पुलिस में शिकायत दी थी, लेकिन उस समय केवल एनसीआर दर्ज की गई और किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई।वहीं, पुलिस का कहना है कि घटना के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा सफार्बाद से होगी रवाना

सावन के साथ कांवड़ यात्रा का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। नोएडा की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा इस बार भी सफार्बाद से निकलेगी। इसके लिए 18 फीट लंबा, 8 फीट चौड़ा और 12 फीट ऊंचा भव्य कांवड़ रथ तैयार किया गया है। इस रथ को 11 शिवभक्त पैदल हरिद्वार से नोएडा तक खींचकर लाएंगे। रथ को तैयार करने में करीब दो महीने का समय लगा है। इसमें भगवान भोलेनाथ का मंदिर और शिवलिंग स्थापित किया गया है। 4 अगस्त को गंगाजल लेकर करेंगे यात्रा सभी श्रद्धालु शुक्रवार को हरिद्वार पहुंचेंगे। वहां से 4 अगस्त को गंगाजल लेकर पैदल यात्रा शुरू करेंगे। करीब छह दिन की यात्रा के बाद 10 अगस्त को सफार्बाद पहुंचेंगे। इसके अगले दिन 11 अगस्त को प्राचीन शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस यात्रा की अगुवाई गजेंद्र यादव कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से लगातार कांवड़ ला रहे हैं। इस बार भी पूरी यात्रा सात्विकता, अनुशासन और स्वच्छता के साथ पूरी की जाएगी। खुद बनाया जाएगा भोजन गांव के पूरन प्रधान ने बताया कि 11 श्रद्धालुओं का भोजन भी टीम के सदस्य ही स्वयं तैयार करेंगे। पूरी यात्रा के दौरान सभी लोग एक साथ चलेंगे और रथ के साथ गंगाजल भी मिलकर लेकर आएंगे। खाने पीने का सारा सामान अपने साथ ही लेकर चलेंगे। जिसमें साफ-सफाई का विषेश ध्यान रखा जाएगा। 101 लीटर लाएंगे गंगा जल पवन यादव ने बताया कि कांवड़ रथ में 101 लीटर गंगाजल रखा जाएगा, जबकि करीब 22 लीटर गंगाजल श्रद्धालु अपने कंधों पर लेकर चलेंगे। यात्रा के दौरान दिन में अधिक दूरी तय की जाएगी, जबकि रात में केवल कुछ समय के लिए ही यात्रा जारी रहेगी। हर साल सफार्बाद की यह कांवड़ यात्रा अपने भव्य स्वरूप के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र रहती है।

कांवड़ियों के लिए एमएमजी अस्पताल में वार्ड तैयार

गाजियाबाद। एमएमजी अस्पताल में महिला और पुरुष कांवड़ियों के लिए अलग-अलग वार्ड तैयार किए गए हैं। मेडिकल वार्ड में पुरुष कांवड़ियों के लिए 20 बेड और महिला कांवड़ियों के लिए छह बेड आरक्षित किए गए हैं। अस्वस्थ होने पर इमरजेंसी से कांवड़ियों को सीधे आरक्षित वार्ड में भेज दिया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन ने शुरूआत में जर्जर भवन और सीमित संसाधनों के कारण कांवड़ियों के लिए अलग से बेड आरक्षित नहीं किए थे। प्रयोग में नहीं आ रही इमारत में दो वार्ड पहले से ही बंद होने के कारण मरीजों को भर्ती करने में लगातार परेशानी आ रही थी। हालांकि, कांवड़ यात्रा को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने व्यवस्थाओं में बदलाव किया है। मेडिकल वार्ड के शौचालय को फिलहाल बंद कर दिया गया है, जबकि स्टाफ के लिए बने शौचालय को मरीजों के उपयोग के लिए खोल दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित अभद्र टिप्पणी का मामला

प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी करने के मामले में नोएडा में एफआईआर दर्ज की गई है। एक्सप्रेसवे थाना पुलिस ने रुचिका सिंह के खिलाफ शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिससे प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची। यह टिप्पणी जानबूझकर की गई और इसका उद्देश्य सामाजिक वैमनस्य फैलाना तथा लोक-शांति को प्रभावित करना था। इसी आधार पर पुलिस से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रदर्शन के दौरान बनाए गए वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा पुलिस ने रुचिका सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352, 353(1) और 356(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि सभी डिजिटल और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया जा रहा है। दिल्ली सरकार का भी आया बयान इस बीच, दिल्ली सरकार ने जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन को लेकर कहा है कि प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ सामान्य रूप से कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी।

जलभराव को लेकर नोएडा प्राधिकरण सख्त

प्रातः किरण संवाददाता

शहर में बारिश के दौरान हुए जलभराव और ट्रैफिक जाम के बाद नोएडा प्राधिकरण एक्शन मोड में आ गया है। सीईओ कृष्णा करुणेश ने साफ कर दिया है कि अब नाला सफाई करने वाले किसी भी ठेकेदार का भुगतान बिना जांच के नहीं होगा। कार्य का सत्यापन फोटो, मौके के निरीक्षण और जांच अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। महामाया फ्लाईओवर के नीचे जलभराव से स्थायी राहत दिलाने के लिए वहां सम्पवेल बनेगा। मंगलवार की बारिश के दौरान शहर के कई हिस्सों में जलभराव की शिकायतें सामने आने के बाद सीईओ ने सभी वर्क सर्किल अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि नाला सफाई के सभी कार्यों की दोबारा जांच होगी। जब तक जांच रिपोर्ट संतोषजनक नहीं होगी, तब तक किसी भी ठेकेदार का भुगतान जारी नहीं किया जाएगा। इन अधिकारियों को बनाया नोडल वर्क सर्किल-1 से 5 तक के ठेकेदारों की जांच की जिम्मेदारी ओएसडी इंदू प्रकाश सिंह को सौंपी गई है, जबकि वर्क सर्किल-6 से 10 तक के ठेकेदारों की जांच जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक आरएस यादव करेंगे। दोनों अधिकारी अपनी रिपोर्ट सीधे सीईओ को सौंपेंगे। सीईओ की मंजूरी के बाद ही भुगतान किया जाएगा। 40 प्रतिशत काम अब भी अधूरा प्राधिकरण के अनुसार 15 जुलाई तक नालों की सफाई पूरी होनी थी, लेकिन अभी भी करीब 40 प्रतिशत काम अधूरा है। निरीक्षण के दौरान ओएसडी इंदू प्रकाश सिंह ने अधिकारियों और ठेकेदारों को फटकार लगाते हुए जल्द सफाई पूरी करने के निर्देश दिए। फ्लाईओवर के नीचे सम्पवेल बनेगा महामाया फ्लाईओवर के नीचे हर बारिश में होने वाले जलभराव को खत्म करने के लिए प्राधिकरण ने स्थायी समाधान तैयार किया है। यहां सम्पवेल बनाया जाएगा।

फर्जी दस्तावेज से प्लॉट कब्जाने का आरोप

लोनी। अंकुर विहार थाना क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने महिला समेत छह लोगों पर फर्जी दस्तावेज से प्लॉट पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने महिला समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।अंकुर विहार थाना क्षेत्र की बैंक विहार कॉलोनी में रहने वाले शमशाद अली खान ने दस फरवरी 2025 में 60 लाख रुपये में 272 वर्ग गज का एक प्लाट खन्ना नगर कॉलोनी में खरीदा था। उन्होंने बताया कि 25 मार्च 2026 को दोपहर में वह प्लाट की साफ सफाई कर रहे थे। इस दौरान एक महिला कुछ व्यक्तियों के साथ वहां पहुंची और प्लाट का अपना बताते हुए उन्हें प्लाट की सफाई करने से मना किया। उनके द्वारा प्लाट के कागजात मांगने पर महिला और उसके साथ आए लोगों ने जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि महिला और उसके साथी प्लाट के फर्जी कागजात बनाकर कब्जा कर भोले भाले लोगों को बेच देते है। उन्होंने पुलिस उपायुक्त ग्रामीण से मामले की शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पार्किंग विवाद पर रेजिडेंट से मारपीटःवीडियो वायरल होने पर पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज-1 सोसाइटी में पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक रेजिडेंट से मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें कुछ युवक एक व्यक्ति को पीटते दिखाई दे रहे हैं। बिसरख थाना क्षेत्र के निवासी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि घटना 19 जुलाई की शाम की है। उनकी कार की बैटरी खराब थी और वे उसे ठीक कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने गाड़ी कुछ देर के लिए सोसाइटी निवासी रजत की पार्किंग में खड़ी कर दी थी। गाड़ी हटाने की बात पर हुआ झगड़ा जयप्रकाश के मुताबिक, रजत वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। उन्होंने गाड़ी हटाने की बात कही, लेकिन रजत ने किसी को फोन कर बुला लिया। थोड़ी देर बाद तीन-चार लोग मौके पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उन्हें बुरी तरह पीटा गया और उनके कान में चोट आई। घटना का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जयप्रकाश शर्मा का कहना है कि उन्होंने पुलिस में शिकायत दी थी, लेकिन उस समय केवल एनसीआर दर्ज की गई और किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले में केवल लीपापोती की। वहीं, पुलिस का कहना है कि घटना के बाद आरोपियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जा चुकी है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला फिर से चर्चा में आ गया है और पीड़ित ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नोएडा में चिल्ला एलिवेटेड विस्तार की तैयारी तेज

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा के चिल्ला से महामया फ्लाईओवर के पास तक जाने वाली 5.5 किमी लंबी चिल्ला एलिवेटेड का विस्तार होगा। इस लाइन को करीब 2 किमी और बढ़ाया जाएगा। इसको लेकर आईआईटी रूढ़की की टीम नोएडा पहुंची थी। डीपीआर को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ता की गई। आईआईटी ने 15 अगस्त तक फाइनल डीपीआर देने के लिए कहा है। हालांकि प्राधिकरण ने सात दिन का समय दिया है। डीपीआर के साथ ही स्ट्रक्चरल डिजाइन भी आईआईटी प्राधिकरण को देगी। इसके बाद प्राधिकरण निर्माण के लिए टेंडर जारी करेगी। ये एलिवेटेड महामाया से जाकर सेक्टर-94 पुश्ता रोड के पास प्रस्तावित एलिवेटेड से जुड़ेगा। पुश्ता एलिवेटेड सेक्टर-94 से जेवर एयरपोर्ट तक जाएगी। इसका निर्माण एनएचएआई करेगा। एक्सटेंशन लाइन के निर्माण में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। स्ट्रक्चर डिजाइन भी आईआईटी रूढ़की बनाएगा। इसका फायदा होगा कि नोएडा के जिन लोगों को एयरपोर्ट जाना है वो इस एक्सटेंशन लाइन का प्रयोग करके डीएनडी जेवर एक्सप्रेस वे पर जा सकेगा। ये एक्सटेंशन लाइन एक रोटरी का काम भी करेगा। मसलन एयरपोर्ट से आने वाले ऐसे वाहन जिनको नोएडा जाना है वो इसका प्रयोग भी कर सकेंगे।स्ट्रक्चरल डिजाइन के लिए स्वाइल टेस्ट इसके बनाने में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च होंगे। निर्माण के लिए स्वाइल टेस्ट किया गया है। इस जांच से मिट्टी की बियरिंग कैपेसिटी के बारे में जानकारी मिलेगी। बियरिंग कैपेसिटी के आधार पर पिलर की संख्या और क्षमता देखी जाएगी और डीपीआर तैयार होगी।टीम ने किया था सर्वे डीपीआर के लिए आईआईटी की टीम ने हाल ही में दोबारा से इस पूरे रूट का सर्वे किया था। जिसके बाद ही ऊचाई बढ़ाने की बात कही की गई थी। सर्वे में जमीन की भूमि की सतह के भौतिक और प्राकृतिक स्वरूप का विस्तृत मानचित्र, जिसमें जमीन की ऊंचाई , उतार-चढ़ाव, समोच्च रेखाओं , पेड़-पौधों, नदियों, और मानव निर्मित संरचनाओं (इमारतें, सड़कें) को सटीक रूप से मापा गया। इस सर्वे के आधार पर ही डीपीआर तैयार होगी।

गुरुग्राम में 40 लाख की ड्रग्स के साथ पकड़ा पायलटःलग्जरी कार में छिपाकर लाया, नोएडा की पॉश सोसाइटी में निवास

प्रातः किरण संवाददाता

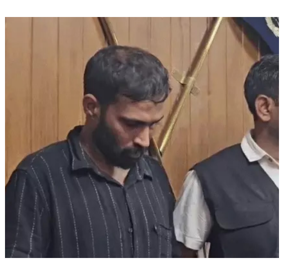

गुरुग्राम में एक प्राइवेट एयरलाइन का पायलट ड्रग्स की बड़ी खेप के साथ पकड़ा गया। वो अपनी लग्जरी कार में ड्रग्स को नोएडा से छिपाकर लाया था। ड्रग्स की मात्रा 814 ग्राम है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 40 लाख रुपए के करीब आंकी जा रही है। आरोपी के पास एयर पायलट लाइसेंस है और वह पहले एक प्राइवेट एयरलाइन में पायलट के तौर पर काम करता था, लेकिन अभी वह प्राइवेट फर्म में चार्टर्ड प्लेन उड़ाता है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि उन्हें काफी दिनों से इसको लेकर जानकारी मिल रही थी। जिसके बाद आज सुबह 10 बजे सेक्टर-103 के पास नाकाबंदी कर एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया। केरल का रहने वाला है आरोपीः पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान केरल निवासी अरशद अली (32) उर्फ अज्जू के रूप में की है। वह वर्तमान में गुरुग्राम के दौलताबाद स्थित लैंडमार्क सोसायटी में रह रहा था। प्राइवेट एयरलाइंस में था पायलटः जांच में सामने आया कि अरशद एक नामी प्राइवेट एयरलाइंस में बतौर पायलट काम करता था। वो वीआईपी चार्टर्ड प्लेन उड़ाता है। पुलिस के अनुसार, वह नौकरी की आड़ में लंबे समय से ड्रग्स तस्करी में शामिल था। 814 ग्राम टऊटअ के साथ गिरफ्तारीः क्राइम ब्रांच सेक्टर-39 को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक कार में भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर गुरुग्राम पहुंचने वाला है। इसके बाद सेक्टर-103 के पास नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से 814 ग्राम कमर्शियल मात्रा में MDMA बरामद हुई। नशे की लत से बना तस्करः पुलिस पूछताछ में अरशद ने बताया कि शुरूआत में वह खुद ड्रग्स का सेवन करता था। धीरे-धीरे नशे की लत बढ़ने के कारण पैसों की जरूरत हुई और इसी वजह से वह ड्रग्स तस्करी में उतर गया। रिमांड पर लेकर होगी पूछताछः एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ राजेंद्र पार्क थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। कमर्शियल मात्रा में MDMA बरामद होने के कारण आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि पूरे ड्रग सिंडिकेट का खुलासा किया जा सके।

दिलीप की रिकार्ड दौड़ भारत को तीसरा गोल्ड

● बासिल दूसरे नंबर पर रहे, लॉन्ग जंप में मुरली को सिल्वर

ग्लास्गो (एजेंसी)। दिलीप महादु गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवें दिन भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने पुरुषों की पैरा टी47 कैटेगरी में100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस ने 10.85 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। गावित से पहले भारत के लिए महिलाओं के पैरा शॉटपुट स्र57 इवेंट में शर्मिला धनकड़ और रविवार को वेटलिफ्टिंग के 48 किलोग्राम इवेंट में मीराबाई चानू गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

इससे पहले सातवें दिन लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर मेडल जीता। वह पुरुषों की लॉन्ग जंप में लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस इवेंट का गोल्ड जमैका के तजय गेल ने 8.15 मीटर की जंप के साथ जीता।

पेड़ से गिरने के बाद दिलीप का हाथ कांटना पड़ा था

दिलीप महादु गावित ने पुरुषों के 100 मीटर टी47 इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 10.71 सेकेंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने इस प्रदर्शन के साथ गेम्स रिकॉर्ड बनाया और सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।दिलीप गावित की सफलता के पीछे संघर्ष की लंबी कहानी है। महाराष्ट्र के नासिक के पास तोरण डोंगरी गांव के रहने वाले दिलीप किसान परिवार से हैं। बचपन में वह माता-पिता के साथ खेतों में काम करते थे। पांच-छह साल की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लगी। समय पर इलाज नहीं मिलने से हाथ में गैंगरीन हो गया और कोहनी के नीचे से हाथ काटना पड़ा।

श्रीशंकर ने लगातार दूसरी बार जीता रजत पदक, रचा इतिहास

भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने बुधवार को भारतीय एथलेटिक्स इतिहास में एक और अध्याय जोड़ दिया। राष्ट्रमंडल खेलों के लगातार दो संस्करण में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले खिलाड़ी श्रीशंकर ने 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भी लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक जीता था। जमैका के पूर्व विश्व चैंपियन ताजय गेल ने 8.15 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। स्थानीय और पसंदीदा स्टीफन मैकेंजी (स्कॉटलैंड) ने 8.08 मीटर के साथ पोडियम पर अंतिम स्थान यानी कांस्य पदक हासिल किया। 27 वर्षीय मुरली श्रीशंकर से पहले, इस स्पर्धा में देश के एकमात्र पदक विजेता सुरेश बाबू (पुरुष कांस्य पदक, 1978) थे। महिलाओं में अंजू बॉबी जॉर्ज (कांस्य पदक, 2002) और एम प्रजुशा (रजत पदक, 2010) अन्य एथलीट्स हैं, जिन्होंने देश के लिए पदक जीते हैं।

खत्म हुआ एक सुनहरा अध्याय

मेलबर्न के हीरो अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट को कहा अलविदा

● रहाणे ने कहा- हर शुरुआत का एक अंत होता है

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज और 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार (30 जुलाई) को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी। वह अब इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलते नहीं दिखाई देंगे। पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे। रहाणे ने साफ कहा कि वो क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया और संन्यास का एलान किया।रहाणे को मेलबर्न का हीरो इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने 2020-21 ट्रॉफी के दौरान वहां ऐतिहासिक शतक लगाया था और आत्मविश्वास खो चुके भारतीय खिलाड़ियों में फिर से जोश भर दिया था। इसके बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में टेस्ट सीरीज में शिकस्त दी थी।

रहाणे का भावुक विदाई संदेश

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए अजिंक्य रहाणे ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, 'कैप नंबर 278 अब यहीं तक। वर्षों तक मिले आपके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा।' संन्यास का एलान करते हुए रहाणे ने कहा, 'जिंदगी की सच्चाई यही है कि हर चीज की शुरुआत होती है और हर चीज का अंत भी होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया है और आज मुझे लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के लिए यही सही समय है।' रहाणे ने अपने शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए कहा, 'डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में सिर्फ अभ्यास करने के लिए सफर शुरू किया था। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत की कैप पहनने के सपने से जुड़ा था। मैंने हमेशा एक ही नियम अपनाया, अपने देश और टीम को खुद से ऊपर रखा।

रहाणे का अंतरराष्ट्रीय करियर

प्रारूप	मैच	रन	शतक	अर्धशतक
टेस्ट	85	5,077	12	26
वनडे	90	2,962	3	24
टी20	20	375	0	1
कुल	195	8,414	15	51

ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक कहानी

रहाणे के करियर का सबसे यादगार पल 2020-21 का ऑस्ट्रेलिया दौरा रहा। 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रहाणे ने कप्तान के तौर पर आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाई। एडिलेड टेस्ट में भारत के 36 रन पर ऑलआउट होने और नियमित कप्तान विराट कोहली के स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने चोटों से जूझ रही भारतीय टीम की कमान संभाली। उन्होंने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शानदार शतक जड़ा। उनकी इस पारी ने न सिर्फ भारत को मैच जिताया, बल्कि टीम को सीरीज में शानदार वापसी भी कराई। इसके बाद भारत ने 2-1 से सीरीज जीतकर भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे यादगार विदेशी टेस्ट जीतों में से एक दर्ज की। खास बात यह थी कि रहाणे ने एक युवा टीम का नेतृत्व कर ऑस्ट्रेलिया में जीत दिलाई थी।

विदेशी सरजमीं पर रहे भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज

अजिंक्य रहाणे लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने गए। खासकर विदेशी परिस्थितियों में उनका प्रदर्शन हमेशा चर्चा में रहा। उन्होंने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 5,077 रन और 12 शतक दर्ज हैं। तीनों प्रारूपों को मिलाकर उन्होंने 8,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। रहाणे 2015 विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंची भारतीय टीम का हिस्सा रहे। वह 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे। रहाणे ने भारत के लिए आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिनिदाद टेस्ट में खेला था। इसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

जैवलिन फाइनल में पहुंची भारत की 'तिकड़ी'

● नीरज के साथ रोहित और यशवीर से मेडल की आस

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में भारत के तीन एथलीट्स नजर आएंगे। गुरुवार को मुश्किल हालात के बावजूद ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यशवीर सिंह ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप-ए में शीर्ष-10 स्थान हासिल करते हुए 31 जुलाई को खेले जाने वाले मेडल इवेंट में जगह बनाई। तेज हवाओं ने क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान सटीक थ्रो को मुश्किल बना दिया था, लेकिन भारतीय तिकड़ी मेडल इवेंट में आगे बढ़ने वाले टॉप-12 एथलीट्स में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। नीरज 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवां और यशवीर सिंह 78.36 मीटर के साथ 10वां स्थान हासिल किया। दूरी के बजाय क्वालिफिकेशन को प्राथमिकता देते हुए, तीनों भारतीयों ने शुरुआती राउंड को सुरक्षित रूप से पार किया और गेम्स के प्रमुख एथलेटिक्स इवेंट्स में से एक में भारत की मेडल की उम्मीदों को जिंदा रखा।

ग्लासगो गेम्स में अपना पहला मुकाबला खेल रहे नीरज, तेज

हवाओं के बावजूद शांत नजर आए। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद फाइनल में जगह पक्की होने पर अपने तीसरे और अंतिम प्रयास को न करने का फैसला किया। वहीं, रोहित यादव (78.37 मीटर) और यशवीर सिंह (78.36 मीटर) ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन। दोनों के बीच सिर्फ एक सेंटीमीटर का अंतर था।

पथिराज का शानदार थ्रो

श्रीलंका के रुमेश पथिराज ने 82.84 मीटर के शानदार थ्रो के साथ क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के अनुसार खुद को सबसे बेहतर ढंग से ढाला। ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 81.29 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि साउथ अफ्रीका के डौव स्मिट 80.64 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) ने नीरज से आगे रहते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कैमरन मैकिन्टायर (78.91 मीटर), पाकिस्तान के अरशद नदीम (78.63 मीटर), बहामास के कीशॉन स्ट्रैचन (78.60 मीटर), त्रिनिदाद और टोबैगो के केशॉर्न वॉलकॉट (78.26 मीटर) और नाइजीरिया के चिनेचेरेम न्नामदी (75.27 मीटर) भी आगे बढ़े। सिर्फ चार एथलीट ही 80 मीटर का मार्क पार कर पाए। कोई भी 84 मीटर के सीधे क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

श्रीलंका दौरे के लिए पंत के चयन से हैरान हूं

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से श्रीलंका के दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल बाद टीम इंडिया श्रीलंका के दौरे पर गई है। यह दौरा भारत के लिए आसान नहीं होने वाला है।

पिछली कुछ सीरीज में टीम इंडिया को स्पिनर्स के आगे लड़खड़ाते देखा गया है। अब श्रीलंका में स्पिनर्स के लिए कंडीशन फायदेमंद होती हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। भारत का स्क्वाड सामने आ चुका है और दिग्गज एबी डिविलियर्स ने ऋषभ पंत के चयन पर हैरानी जताई है।

डिविलियर्स ने साथ ही 33 वर्षीय सारांश जैन के पहली बार भारतीय टीम में चुने जाने पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पर भी हैरानी जरूर व्यक्त की मगर उन्हें इसे अच्छा स्टेप भी बताया। इसके अलावा साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ने वीवीएस लक्ष्मण के जिम्बाब्वे दौरे पर बतौर कोच जाने और टीम इंडिया की सफलता पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण का अच्छा काम गौतम गंभीर पर प्रेशर बना सकता है।

श्रीलंका दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम पर एबी डिविलियर्स का बयान

गौतम गंभीर पर बढ़ेगा दबाव!

एबी डिविलियर्स ने वीवीएस लक्ष्मण के बतौर कोच उनकी सफलता पर कहा, 'कभी-कभी ब्रेक लेना और आराम करना आपके लिए अच्छा होता है। इससे आप खुद को रिचार्ज कर सकते हैं मगर इसी दौरान आपको अचानक से यह सोचने पर विवश करता है कि टीम के खिलाड़ी किसी और की मौजूदगी में सफल हो रहे हैं और एनजॉय कर रहे हैं। इसमें ज्यादा कुछ क्या है यह मैं नहीं बता सकता, लेकिन वीवीएस लक्ष्मण जरूर गौतम गंभीर पर दबाव बना रहे हैं। अब उन्हें (गंभीर को) रिस्पॉन्ड करना होगा (रिजल्ट देने होंगे)। बाकी समय बताएगा। ' एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'ऋषभ पंत का चयन हुआ है और मेरे विचार से यह हैरानी भरा भी है। हमें देखना होगा कि उनकी फिटनेस कैसी रहती है। आईपीएल के दौरान उनकी ऊर्जा और उनका आत्मविश्वास काफी कम नजर आ रहा था। अब वह फिर से इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं और मुझे लगता है कि नंबर 17 (जर्सी नंबर) के इस खिलाड़ी का प्रदर्शन बेस्ट रहेगा।

स्टार्क नंबर 1 सिराज चौथे पर

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में टीम इंडिया का प्रदर्शन अभी तक कुछ खास नहीं रहा है। भारतीय टीम मौजूदा अंकतालिका में पांचवें स्थान पर है और फाइनल में पहुंचने के लिए उसे कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। अगर टॉप 10 बल्लेबाजों की बात करें तो शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा और केएल राहुल टॉप 10 में शामिल हैं। वहीं मौजूदा WTC संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की टॉप 10 की लिस्ट में सिर्फ दो भारतीय हैं। WTC 2025-27 में ऑस्ट्रेलिया के स्टार गेंदबाज मिचेल स्टार्क के नाम सबसे ज्यादा विकेट दर्ज हैं। जबकि भारत के लिए मौजूदा संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। वहीं टॉप 10 में सिर्फ दो भारतीय खिलाड़ी ही शामिल हैं। सिराज चौथे पर हैं और एक भारतीय खिलाड़ी 9वें स्थान पर है। इंग्लैंड के सबसे ज्यादा 5 गेंदबाज शीर्ष 15 की लिस्ट में शामिल हैं। रविंद्र जडेजा इस लिस्ट में 13वें स्थान पर मौजूद हैं। मोहम्मद सिराज ने भारत के लिए इस संस्करण में अब तक सबसे ज्यादा विकेट झटके हैं। उनके नाम 9 मैचों की 17 पारियों में 39 विकेट दर्ज हैं। जबकि 13वें स्थान पर मौजूद रविंद्र जडेजा ने 9 मैचों की 17 पारियों में 25 विकेट अपने नाम किए हैं।

ताइपे ओपन: प्रणय और उन्नति दूसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली। ताइवान में जारी ताइपे ओपन में अनुभवी शटलर एचएस प्रणय और उन्नति हुडा ने गुरुवार को सीधे गेम में जीत दर्ज की। भारत के दोनों स्टार शटलर ने ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के मिनोरू कोगा को 21-11, 21-14 से हराया। अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जिन्होंने एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मिथुन मंजुनाथ को 21-18, 21-4 से हराया।पुरुष एकल में किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। जॉर्ज ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-10, 21-18 से जबकि मन्नेपल्ली ने कोरिया के आठवें वरीय जियोन ह्योक जिन को 21-12, 21-15 से हराया। जॉर्ज और मन्नेपल्ली अगले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। लेकिन पुरुष एकल क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान इंडोनेशिया के रिची दुता रिचार्डो से 14-21, 16-21 से हार गए।महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति ने अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए ताइपे की पेई यू वांग को 21-12, 21-18 से हराया। अब उनका मुकाबला हमवतन तान्या हेमंत से होगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में होगा एक और बुलडोजर ऐक्शन? अवैध निर्माण करने वालों को नोटिस जारी

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (बर्ड सेंचुरी) के आसपास ईको-सेंसिटिव और प्रतिबंधित दायरे में किए गए अवैध निर्माणों के खिलाफ वन्यजीव विभाग ने कड़ा रुख अपना लिया है। विभाग ने ईको-सेंसिटिव जोन में अवैध रूप से बने ढांचों, फार्म हाउसों और अन्य निर्माणों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। अगले माह के अंत तक इन अवैध निर्माणों पर तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई की जाने की योजना विभाग ने बनाई है। विभाग द्वारा अब तक नियम उल्लंघन करने वाले 150 से अधिक अवैध निर्माणकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा चुके हैं, और अन्य को भी जल्द नोटिस भेजने की प्रक्रिया लगातार जारी है। वन्यजीव विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अगले सप्ताह इस संबंध में गठित विशेष समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई है, जिसमें अवैध निर्माणों को ढहाने और पुलिस बल की तैनाती की पूरी रूपरेखा तैयार की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले दो दशकों के बाद यह पहला मौका है, जब वन्यजीव विभाग सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान के प्रतिबंधित क्षेत्र में बने अवैध निर्माणों पर इतने बड़े स्तर पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। राष्ट्रीय उद्यान के आसपास का करीब 5 किलोमीटर का दायरा ईको-सेंसिटिव जोन घोषित है, जहां किसी भी प्रकार का पक्का या व्यावसायिक निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है। अधिकारियों ने कहा कि नोटिस का जवाब न मिलने पर हटाए जाएंगे। मंडलीय वन्य जीव अधिकारी रामकुमार जांगड़ा ने बताया कि विभाग की तरफ से भी अवैध निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं मिलता है तो सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लाल डोरा क्षेत्र की संपत्तियों पर मिलेगी 75% छूट हरियाणा राज्य मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक में शहरी निकायों के निवासियों, उद्यमियों और आवास विकास से जुड़े कई फैसलों पर मुहर लगाई गई। इससे अब लाल डोरा क्षेत्र की संपत्तियों पर 75 फीसदी छूट मिलेगी।

सरकार सिर्फ सजा और जुर्माने पर नहीं, बल्कि पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर चर्चा करे

नई दिल्ली, एजेंसी। परीक्षा प्रणाली में पेपर लीक की समस्या को लेकर राजनीति बयानबाजी तेज है। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मंगलवार को संसद में पास हुए बिल पर सवाल उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि सिर्फ सजा और जुर्माने की बात नहीं, बल्कि पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो जारी करते हुए सवाल उठाया, 'क्या हम सच में पेपर लीक रोकने की कोशिश कर रहे हैं?' उन्होंने कहा, 'संसद में जो बिल पास हुआ है उसमें एक बड़ी कमी है। आप पेपर लीक होने के बाद की सारी बातें कर रही हैं, चाहे वो फास्ट ट्रैक कोर्ट हों, सजा या जुर्माना हो, लेकिन पेपर लीक रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है, इसके बारे में आज भी कोई बात नहीं हुई।' सीजेपी नेता ने तर्क दिया कि जब तक परीक्षा व्यवस्था की जड़ में बदलाव नहीं होंगे तब तक लीक की घटनाएं नहीं रुकेंगी। उन्होंने 5 सूत्रीय मांग का जिक्र करते हुए कहा, 'जब तक आप एनटीए रिफॉर्म की बात नहीं करेंगे, एग्जाम शेड्यूल और कैलेंडर में पारदर्शिता की बात नहीं करेंगे और सिलेबस में पारदर्शिता की बात नहीं करेंगे, जब तक कोचिंग सेंटर के बारे में बात नहीं करेंगे, डिजीटल ऑडिटिंग की बात नहीं करेंगे। पूरे एग्जाम सिस्टम को एंड टू एंड चेक नहीं करेंगे। उस प्रक्रिया को मजबूत नहीं बनाएंगे। एग्जाम इन्फ्रास्ट्रचर को ठीक करने की बात नहीं करेंगे, तब तक पेपर लीक की समस्या नहीं हल होने वाली है।' रांका ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह सिर्फ 'उस पार्ट को एड्रेस कर रही है कि पेपर लीक के बाद क्या होगा। बात इस पर भी करनी होगी कि पेपर लीक को कैसे रोका जाए। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह छात्रों, शिक्षाविदों और साइबर सुरक्षा समेत सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बातचीत करे। उन्होंने कहा, 'आप हमारा पांच-पॉइंटर डिमांड चार्टर देखिए। छात्रों, शिक्षाविदों, और साइबर समेत सभी तरह के विशेषज्ञों से बात कीजिए।

आप ने भी लगाए 'उमर खालिद को रिहा करो' के नारे अब 'कॉकरोचों' से पुलिस पूछ रही तीखे सवाल

पणजी, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के समर्थन में 24 जुलाई को गोवा के मपुसा में भी एक विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम हुआ था। इसमें शामिल लोगों से अब पूछताछ की जा रही है। गोवा पुलिस ने उनसे कम से कम 240 सवाल पूछे हैं। इनमें एक सवाल दिल्ली दंगा के आरोप में जेल में बंद उमर खालिद को लेकर भी हैं। प्रदर्शनकारियों से पूछा गया कि क्या आपने 'फ्री उमर खालिद' का नारा लगाया? प्रदर्शनकारियों से कई तरह के सवाल पूछे गए हैं। उनसे पूछा गया कि क्या आपने अपने संबोधन के दौरान किसी सरकारी प्राधिकरण की आलोचना की थी? और इस विरोध प्रदर्शन की फंडिंग किसने की थी? रिपोर्ट में कहा है कि शुक्रवार के प्रदर्शन के अगले ही दिन यानी कि शनिवार शाम को गोवा पुलिस ने पणजी के आजाद मैदान में एक सभा के दौरान 'फ्री उमर खालिद' लिखा पोस्टर लहराने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया था। इसके बाद सिटिजन्स ऑफ मपुसा नामक एक स्थानीय समूह द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो प्रदर्शनकारियों को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया।

रोड रेज मामला: सिविल जज के खिलाफ कार्रवाई के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट भेजा गया केस

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा है कि मालूर की प्रिंसिपल सिविल जज गायत्री ने रोड रेज की घटना के बारे में जनता के साथ जिस तरह का व्यवहार किया है, वह उनके पद के लिए ठीक नहीं है और हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई के लिए मामला चीफ जस्टिस के सामने रखने का आदेश दिया है.

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की अगुवाई वाली सिंगल जज बेंच, के.एम. विनय, वी. कविता और पी. वेंकटेश की क्रिमिनल पिटीशन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें जज के निर्देश पर मालूर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी.

हाईकोर्ट ने कहा कि एक जज के लिए इस तरह की सड़क की लड़ाइयों या पर्सनल बदले की भावना में शामिल होना बहुत खतरनाक और गलत है. कोर्ट का दिया गया आदेश चिंता की बात है कि एक छोटे से रोड रेज मामले को पर्सनली लिया गया और अपने पद का इस्तेमाल करके कानून का गलत इस्तेमाल किया गया और बेकसूर गाड़ी चलाने वालों को गिरफ्तार किया गया.

साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए एक सबऑर्डिनेट कोर्ट ऑफिसर के इस गलत काम के बारे में आगे की एडमिनिस्ट्रेटिव या ज्यूडिशियल कार्रवाई के लिए फाइल को चीफ जस्टिस की बेंच को ट्रांसफर करने का आदेश दिया गया है. सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने अपने मोबाइल फोन से जजों को सोशल मीडिया पर चल रही घटना का वीडियो दिखाया. इसी तरह, उन्होंने बेंच को ऑर्डर की एक कॉपी सौंपी, जिसमें कहा गया कि 'सिविल जज गायत्री ने खुद सोशल मीडिया पर वीडियो डिलीट करने के लिए शिकायत दर्ज की थी और इसके लिए ऑर्डर जारी किया था.'

सिविल जज ने बाइक सवारों से झगड़ा किया, जिन्होंने उनकी कार को ओवरटेक किया था और पुलिस से उनके खिलाफ क्रिमिनल एक्शन लेने को कहा. पिटीशनर के खिलाफ बीएनएस की धारा 126 (2) (गैर-कानूनी रोक), 132 (सरकारी कर्मचारी को उसकी ऑफिशियल ड्यूटी करने से रोकने के लिए हमला या क्रिमिनल फोर्स), 3(5) कॉमन इंटेंशन, 351(2) (किसी व्यक्ति की रेप्युटेशन को नुकसान पहुंचाने की धमकी), 352 (जानबूझकर बेइज्जती), 74 (महिला की इज्जत को ठेस पहुंचाना) के तहत केस दर्ज किया गया. पिटीशनर ने इसे हाई कोर्ट में चैलेंज किया था.

गांव के वॉलंटियर की मौत, सीआरपीएफ जवान भी घायल

मणिपुर में होने लगी ताबड़तोड़ गोलीबारी

नोनी , एजेंसी। मणिपुर में एक बार फिर तनाव का माहौल बन गया है। बुधवार को नोनी जिले से गोलीबारी की घटना सामने आई। नोनी जिले में नागा विलेज गार्ड के एक सदस्य की मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की कोबरा बटालियन के दो जवान भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि, यह घटना नागा-बहुल जिले के बिटियांग गांव में हुई। सुरक्षा बल इलाके में ऑपरेशन चला रहे थे, तभी हथियारबंद गांव के वॉलंटियर्स ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ हो गई।

मणिपुर में अलग-अलग समुदायों के गांव के वॉलंटियर्स असल में हथियारबंद आम नागरिक होते हैं जो दुश्मन के हमलों से अपने इलाकों की सुरक्षा करते हैं। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने

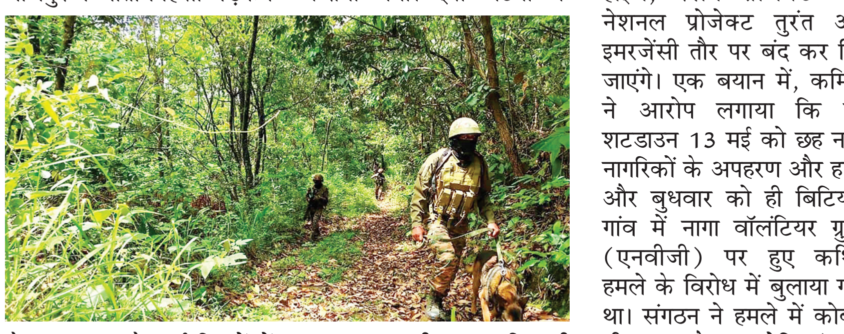

के बाद राज्य के कई हिस्सों में ऐसे वॉलंटियर ग्रुप बने थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में गांव के एक वॉलंटियर की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मुठभेड़ के दौरान सीआरपीएफ के दो जवानों को भी छर्रे लगने से चोटें आईं। अधिकारियों ने कहा कि घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज मुहैया कराया गया। इस घटना के बाद, स्थानीय आदिवासी समुदाय के लोगों ने गांवों और उनके आसपास सीआरपीएफ द्वारा चलाए गए सुरक्षा ऑपरेशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जेटीसी-मणिपुर (इनपुई, लियांगमाई, रोंगमेई और जेमे) की वर्किंग कमिटी ने बुधवार को घोषणा की कि चार नागा समुदायों के इलाकों से गुजरने वाले सभी नेशनल हाईवे, रेलवे प्रोजेक्ट और नेशनल प्रोजेक्ट तुरंत और इमरजेंसी तौर पर बंद कर दिए जाएंगे। एक बयान में, कमिटी ने आरोप लगाया कि यह शटडाउन 13 मई को छह नागा नागरिकों के अपहरण और हत्या और बुधवार को ही बिटियांग गांव में नागा वॉलंटियर ग्रुप्स (एनवीजी) पर हुए कथित हमले के विरोध में बुलाया गया था। संगठन ने हमले में कोबरा टीम और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट (जे) के शामिल होने का आरोप लगाया और जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी, नागा गांवों के खिलाफ ऑपरेशन बंद करने और न्याय बहाल करने की मांग की।

राहुल गांधी पर फडणवीस का हमला, छात्रों के भविष्य का विजन नहीं, सिर्फ अराजकता फैलाने का एजेंडा

नागपुर , एजेंसी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाने को लेकर कोई विजन नहीं है। उनके पास सिर्फ एक ही एजेंडा है और वह है देश में अराजकता फैलाना। फडणवीस ने यह बात बुधवार को नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि राहुल को देश की कोई चिंता नहीं है जबकि हमारी केंद्र सरकार के पास छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाने का विजन है।

इसके तहत ही एंटी पेपर लीक बिल को लोकसभा में पारित किया गया। इसमें पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ सजा के कड़े प्रावधान हैं। जब सीएम से पूछा गया कि राहुल ने लोकसभा में दिए गए भाषण में आरोप लगाया है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने आंदोलनकारियों पर पैलेट गन चलाए हऔर इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं, तो इसके जवाब में फडणवीस ने कहा कि मेरे पास कांग्रेस नेता द्वारा लोकसभा में दिए गए भाषण को सुनने का समय नहीं है क्योंकि उसमें कोई दम नहीं होता।

जरांगे से बातचीत को तैयार: मराठा एक्टिविस्ट मनोज जरांगे पाटिल ने एक बार फिर 29 अगस्त से आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार 58 लाख कुणबी रिकॉर्ड की पहचान करने के बावजूद हैदराबाद गजट के अनुसार जाति प्रमाण पत्र जारी करने में विफल रही है। इस बारे में सीएम फडणवीस ने कहा कि ज्यादातर लोगों को प्रमाण पत्र जारी किए गए है, पेंडिंग केस की संख्या कम है। इसके बावजूद अगर जरांगे पाटिल को शिकायत है तो सरकार बातचीत को तैयार है।

जापान में भूकंप से मौतों का आंकड़ा 28 पहुंचा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। कुमामोटो प्रशासन ने बताया है कि राहतकर्मी अब भी ढहे हुए एयॉन शॉपिंग मॉल के मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं, हजारों लोग बिजली-पानी के बिना भीषण गर्मी झेल रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, मॉल से अब तक 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें 4 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है और 5 लोग घायल हैं। राहतकर्मी अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप के बाद हजारों घरों में बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। गुरुवार सुबह तक करीब 22,670 घरों और संस्थानों में बिजली नहीं थी, जबकि 84 हजार से ज्यादा घरों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। राहत शिविरों में भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठहराया गया है और सरकार ने वहां एयर कंडीशनर भेजे हैं। यात्सुशिरो शहर की निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज फैक्ट्री में चिमनी गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 लोग अब भी लापता हैं।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख: प्रधानमंत्री तकाइची ने भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति शोक जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार तेजी से नुकसान का जायजा ले रही है। सभी संबंधित मंत्रालय और सरकारी एजेंसियां राहत और बचाव के शुरुआती काम में जुटी हुई हैं।

बिजली-पानी बहाल करने पर जोर: उन्होंने कहा कि सरकार बिजली और पानी जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। वहीं, जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्स पानी पहुंचाने और मरीजों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने का काम कर रही है। बुधवार को प्रधानमंत्री तकाइची ने कुमामोटो भूकंप को लेकर दूसरी आपातकालीन आपदा प्रबंधन बैठक की। इस बैठक में कुमामोटो के गवर्नर किमुरा और कैबिनेट कार्यालय के उपमंत्री त्सुशिमा ने ऑनलाइन हिस्सा लिया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'बचाव और राहत अभियान के लिए सेल्फ-डिफेंस फोर्स के जवानों की संख्या बढ़ाकर लगभग 4,600 कर दी गई है। इसके अलावा करीब 2,000 पुलिसकर्मी और 1,400 अग्निशमन कर्मी भी लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।' उन्होंने लिखा, 'राहत-बचाव का काम समय के खिलाफ एक दौड़ है। 'आईओएन मॉल कुमामोटो' और 'निप्पॉन पेपर यात्सुशिरो मिल' समेत कई जगहों पर अभी भी लोग फंसे हुए हैं और उन्हें बचाए जाने का इंतजार है। मैंने सभी टीमों से कहा है कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाने के लिए अपने कर्मचारियों और संसाधनों को मजबूत करें।'

भारी भूस्खलन से केदारनाथ पैदल मार्ग बाधित, रोकी गई यात्रियों की आवाजाही

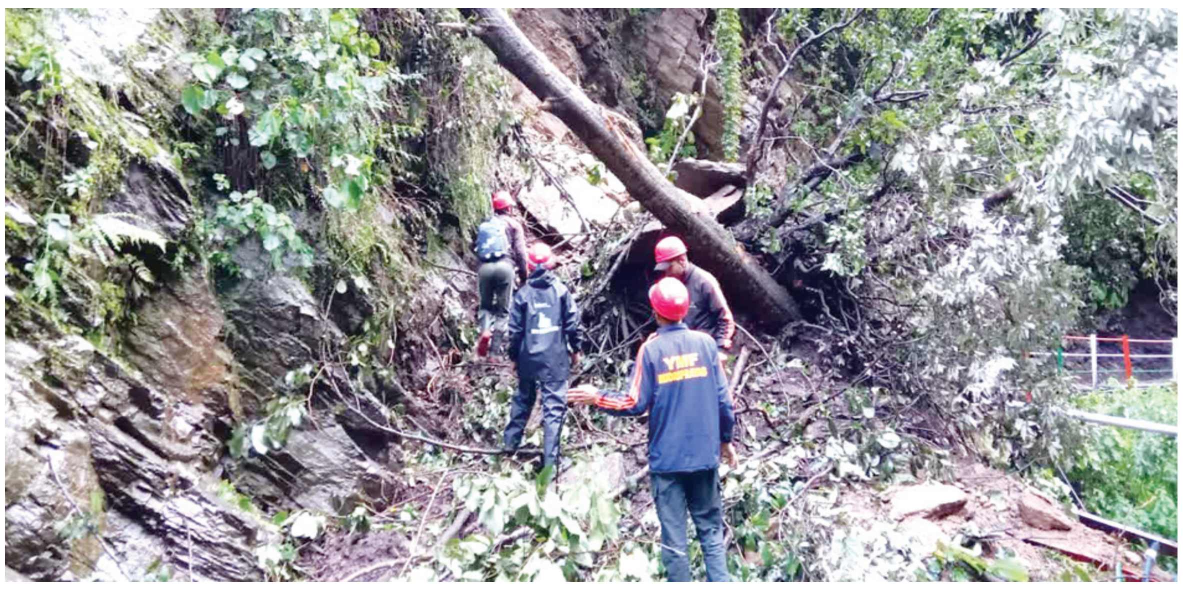

रुद्रप्रयाग , एजेंसी। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच गुरुवार सुबह बड़ा हादसा टल गया. गौरीकुंड गेट से लगभग 200 मीटर आगे अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा, विशाल बोल्डर और चट्टानें पैदल मार्ग पर आ गिरे, जिससे केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पूरी तरह बंद हो गया. खतरे को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल यात्रियों की आवाजाही रोक दी और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहरा दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ही क्षणों में पहाड़ी से तेज गर्जना के साथ भारी मलबा और पत्थर नीचे आने लगे. यदि उस समय श्रद्धालु मार्ग पर होते तो बड़ा हादसा हो सकता था. प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से संभावित जनहानि टल गई. भूस्खलन की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, डीडीआरएफ और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंच गई.

मार्ग से मलबा हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है, लेकिन लगातार हो रही बारिश और ऊपर से गिरते पत्थरों के कारण राहत एवं बहाली कार्य में भारी दिक्कतें आ रही हैं. सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी यात्री को आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है.

प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, बिना अनुमति आगे बढ़ने का प्रयास न करें तथा केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक निर्देशों का पालन करें. फिलहाल केदारनाथ पैदल यात्रा पूरी तरह स्थगित है. यात्रियों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन के अगले आदेश का इंतजार करने की अपील की गई है.

एक टिकट ने बदल दी रातों-रात किस्मत... शख्स ने जीता 7 हजार करोड़ रुपये का जैकपॉट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक शख्स की किस्मत ने ऐसा उलटफेर किया कि उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। उसने एक ही टिकट से 803 मिलियन डॉलर यानी करीब 7 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की मेगा मिलियंस जैकपॉट राशि जीत ली है। विजेता के पास ड्रॉ की तारीख से इनाम का दावा करने के लिए 180 दिन हैं और सामने आने के बाद वे 90 दिनों तक अपनी पहचान गुप्त रखने का विकल्प चुन सकते हैं। यह ड्रॉ मंगलवार, 28 जुलाई, 2026 को हुआ था। जीतने वाले नंबरों में सफ़ेद बॉल 34, 48, 49, 59, 70 और गोल्ड मेगा बॉल 12 शामिल थे। फ्लोरिडा लॉटरी अधिकारियों के अनुसार, यह लकी टिकट ब्रैडेंटन, फ़्लोरिडा में स्टेट रोड 70 पर स्थित वावा कन्वीनिएंस स्टोर से खरीदा गया था। अब विजेता के सामने यह तय करने की चुनौती है कि वे अपना बड़ा इनाम कैसे लें। वे टैक्स से पहले लगभग 345.5 मिलियन का एकमुश्त भुगतान ले सकते हैं, या फिर जैकपॉट की पूरी रकम 30 सालाना किश्तों में ले सकते हैं। फ्लोरिडा लॉटरी के सेक्रेटरी रेजिनाल्ड डिक्सन ने कहा, हम फ़्लोरिडा के नए मेगा मिलियंस जैकपॉट विजेता को इस शानदार और ज़िंदगी बदलने वाले पल के लिए बधाई देते हुए बहुत खुश हैं। यह जीत एक रोमांचक याद दिलाती है कि हर टिकट में सपना सच होने की संभावना होती है। हम फ़्लोरिडा लॉटरी के अपने खास खिलाड़ियों के बहुत आभारी हैं, जिनके लगातार सहयोग से हमारे राज्य में शिक्षा के लिए फ़ंड जुटाने में मदद मिलती है। खरीदा गया हर टिकट फ़्लोरिडा के छात्रों का भविष्य बेहतर बनाने में योगदान देता है। जैसा कि पहले बताया गया है, फ्लोरिडा लॉटरी की जीत पर कोई राज्य टैक्स नहीं लगाता है। इसलिए, खिलाड़ी को केवल फ़ेडरल इनकम टैक्स देना होगा। राज्य के कानून के तहत, विजेता के पास ड्रॉ की तारीख से इनाम का दावा करने के लिए 180 दिन होते हैं और सामने आने के बाद वे 90 दिनों तक अपनी पहचान गुप्त रखने का विकल्प चुन सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- प्रयासों में तेजी लाना जरूरी

कांगो में तेजी से फैल रहा इबोला

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला से निपटने के प्रयासों को बढ़ाने की अपील की है, क्योंकि महामारी का फैलाव बचाव के प्रयासों की तुलना में बहुत तेजी से हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ इबोला समन्वयक जूलियन हार्नीस और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने बुधवार (स्थानीय समय) को डीआरसी के इतुरी प्रांत की राजधानी बूनिया से एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में यह अपील की। ??बूनिया इबोला के प्रकोप का केंद्र भी है। हार्नीस ने कहा, 'पिछले 24 घंटों में कांगो में इबोला से 50 लोगों की मौत हुई है और मामलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो हर 20 दिन में दोगुनी हो रही है। यह हमारे बचाव के प्रयासों की गति की तुलना में कहीं अधिक तेज वृद्धि है और इसलिए महामारी और हमारे बचाव के प्रयासों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है।'

स्काऊ ने कहा कि डीआरसी में इबोला का प्रकोप अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला संकट है। 'तुलना करें तो, पिछले दो महीनों में (डीआरसी में) 1,000 लोगों की मौत हुई है। जबकि पश्चिम अफ्रीका में 8 महीने में 1,000 लोगों की मौत हुई थी।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बचाव के प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की मांग की। स्काऊ ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में लंबे समय से चल रहे संघर्ष के कारण लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग खाद्य असुरक्षा के संकट या आपातकालीन स्थिति में हैं। इबोला के प्रकोप का केंद्र इतुरी सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां लगभग 20 लाख (2 मिलियन) लोगों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है। हार्नीस ने कहा, 'बचाव के प्रयासों को तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें अधिक फंडिंग, आपूर्ति, चिकित्सा दल और ज़रूरतमंदों तक पहुंच शामिल है।'

उन्होंने सदस्य देशों से अपनी सीमाएं खुली रखने का आग्रह किया ताकि इबोला से निपटने वाले कर्मी देश में आ सकें, आपूर्ति तेजी से और बिना किसी बाधा के पहुंचाई जा सके और देश से बाहर जाने वाले कर्मचारी घर लौट सकें।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने फंडिंग की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया। हार्नीस ने कहा कि डीआरसी के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता योजना के लिए 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,